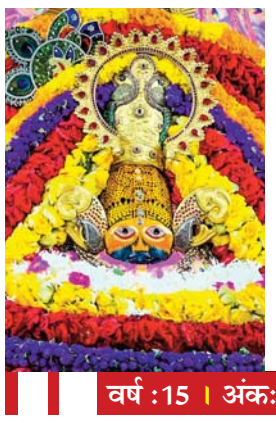

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:215। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 27 मार्च 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पश्चिम एशिया संकट

•पीएम मोदी आज करेंगे मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक

राज्यों की तैयारियों की होगी समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा की जाएगी और इसके भारत पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाएगा, खासकर तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) और तेल आपूर्ति से मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

बैठक में तैयारियों पर फोकस किया जाएगा, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री बैठक में 'टीम इंडिया' की भावना के तहत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाल सकते हैं, ताकि केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बना रहे। बैठक में वैश्विक अनिश्चितता

के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है।

भारत के पास 60 दिन का ईंधन: सरकार

इससे पहले सरकार ने आज नागरिकों को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है, जिससे किसी एक मार्ग या क्षेत्र पर निर्भरता कम हो जाती है।

न्यायिक निर्णय प्रक्रिया में जिन लोगों के नाम हटेंगे, तृणमूल उन्हें कानूनी सहायता देगी : सीएम ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस उन मतदाताओं को कानूनी सहायता प्रदान करेगी, जिनके नाम चल रही न्यायिक प्रक्रिया के दौरान हटा दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बुधवार दोपहर पश्चिम बर्दवान जिले के पांडवेश्वर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'जिन वोटरों के नाम न्यायिक प्रक्रिया में हटा दिए जाएंगे, उन्हें तृणमूल कांग्रेस की तरफ से कानूनी मदद दी जाएगी। हम उनके लिए वकीलों का इंतजाम करेंगे।' उनकी यह घोषणा भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की उस जानकारी के एक दिन बाद आई है, जिसमें बुधवार शाम को बताया गया था कि न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेजे गए 60 लाख मामलों में से, मंगलवार रात तक 32 लाख मामलों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, और उन 32 लाख मामलों में से लगभग 40 प्रतिशत मामले ऐसे पाए गए जिन्हें हटाया जा सकता है। हालांकि,

न्यायिक प्रक्रिया से हटाए गए इन वोटरों को, इस काम के लिए बनाए गए 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों में से किसी एक के पास जाने का मौका मिलेगा। इस मौके पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने एक बार फिर कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए खास पहल करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, 'वे हम पर चाहे जैसे भी हमले करें, लेकिन आखिर में जीत तृणमूल कांग्रेस की ही होगी। इस प्रक्रिया में महिलाओं को आगे बढ़कर मुख्य भूमिका निभानी होगी। '

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा चुनावी धांधली के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा, 'वे लॉकडाउन का सहारा भी ले सकते हैं, जैसा कि कोविड-19 महामारी के दौरान किया गया था। लेकिन हमें लड़ना आता है। अगर हम महामारी के दौरान लड़ पाए थे, तो हम अब भी लड़ पाएंगे। ' उन्होंने पश्चिम बंगाल में होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनावों को 'कुरुक्षेत्र का महायुद्ध' भी बताया, जिसमें तृणमूल कांग्रेस पांडवों का और भाजपा कौरवों का प्रतिनिधित्व करती है।

एलपीजी बुकिंग के नियमों को लेकर केंद्र सरकार पर भी हमला बोला

कहा, 'कल मैंने सुना कि गैस बुकिंग की अवधि घटाकर 25 दिन कर दी गई है। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं; मुझे उन पर भरोसा नहीं है। अप 25 दिन से पहले बुकिंग नहीं कर सकते! अगर लोगों की गैस खत्म हो गई तो वे क्या करेंगे? '

'कुछ दिनों के लिए पेट्रोल पंप बंद कर दिए जाएंगे', लंबी कतारें देख उमर का सख्त एलान

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लोगों से पेट्रोल पंपों के बाहर डेरा डालना बंद करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर वे अगले कुछ दिनों के लिए सभी पेट्रोल पंप बंद कर देंगे।अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार की बात कोई नहीं सुनता। इसके बजाय, हर कोई अफवाहों पर विश्वास करता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया था। बैठक में पाया गया कि डीजल, पेट्रोल या एलपीजी सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि कुछ दिनों बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। कहीं भी उपयोग कम करने का कोई निर्देश नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री ने उन लोगों से अपील की है जो सोशल मीडिया अफवाहों के आधार पर कतार में लग रहे हैं। उन्होंने उनसे ऐसा न करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की बात पर ध्यान नहीं दिया जाता। लोग सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर अधिक भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेल और गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है। यह जानकारी पिछली समीक्षा बैठक में भी सामने आई थी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

•एलपीजी संकट पर बोले सीएम योगी

लाइन लगाने की जरूरत नहीं, घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर

एजेंसी

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है, निर्धारित समय पर बुकिंग कराएं, सिलेंडर आपके घर पहुंच जाएगा। इसी तरह आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं, फिलिंग सेंटरों पर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। कुछ लोग अफवाह फैला कर राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं, अव्यवस्था फैलाना चाह रहे हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। सीएम योगी ने गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गल्फ वॉर के पहले अगर किसी के घर रसोई गैस का सिलेंडर एक महीने चलता था तो वह आज पांचवें या छठवें दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय पर ही बुकिंग कराएं, आपकी बारी आने पर रसोई गैस आपके घर तक पहुंच जाएगी। सरकार ने सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। जैसे पहले गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी होती थी, वैसे ही अब भी होगी। इसके लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोल-डीजल लेने तभी जाएं, जब आवश्यकता हो, लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। कुछ लोगों द्वारा साजिश के तहत फैलाई जा रहीं अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हम उतावलेपन में आकर किसी अफवाह या दुष्प्रचार के चक्कर में पड़ते हैं तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे। हमको यह सतर्कता रखनी होगी। हमें अपने राष्ट्रीय नेतृत्व पर विश्वास रखकर धन्यवाद देना चाहिए कि भारत में सबकुछ अच्छा है। उत्साहपूर्वक उत्सव मनाए जा रहे हैं। नवरात्र के कार्यक्रम हो रहे हैं। शुक्रवार को रामनवमी है और 12 बजे रामजन्मभूमि पर सूर्य भगवान भी भगवान श्रीराम का राजतिलक करेंगे। उन्होंने कहा कि आज ईरान-अमेरिका/इजराइल युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है। दुनिया में हाहाकार, अराजकता, अव्यवस्था है, लेकिन भारत के अंदर हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बेखौफ व सुरक्षित हैं, विकास यात्रा को भी बढ़ा रहे हैं, लेकिन यह युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा। हमको भी मानसिक रूप से तैयार होना होगा।

• जब आपत्ति या चुनौती आती है तो उसका मुकाबला करने के लिए हर व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना ।

एक साथ टेक ऑफ और लैंडिंग की सुविधा वाला तीसरा होगा नोएडा एयरपोर्ट

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन का काउंट डाउन शुरू हो गया है। 28 मार्च को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। उन्होंने ही 4 वर्ष पूर्व इसका शिलान्यास किया था। एयरपोर्ट निर्माण का पहला चरण पूरा होने के बाद यहां 3.9 किलोमीटर का रन वे बनकर तैयार है। इस विशाल रन वे पर विमान समानांतर रूप से एक साथ उड़ान भर सकेंगे और लैंडिंग भी कर सकेंगे। 45 मीटर चौड़ाई वाले रन वे में आईएलएस तकनीकी के अत्याधुनिक सिस्टम कैट श्री का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे समानांतर उड़ानों में कोई परेशानी नहीं आएगी। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एसीईओ और एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि देश में इस समय सिर्फ मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट पर ही समानांतर उड़ान की सुविधा है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर चार रन वे हैं, जो एक साथ कई उड़ानें और लैंडिंग संभालने में सक्षम हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमरावती को राजधानी का कानूनी दर्जा दिलाने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी

•विधानसभा में होगी चर्चा

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश की कैबिनेट ने गुरुवार को एक अहम फैसला लेते हुए अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में कानूनी मान्यता (लीगल सैंक्टिटी) दिलाने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव 28 मार्च को विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में तय किया गया कि इस प्रस्ताव पर विधानसभा में करीब चार घंटे तक चर्चा कराई जाएगी। इस प्रस्ताव के जरिए केंद्र सरकार से आग्रह किया जाएगा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की धारा-5 में संशोधन कर अमरावती को आधिकारिक तौर पर राज्य की राजधानी घोषित किया जाए। कैबिनेट ने यह भी फैसला लिया है कि कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीआरडीए) एक्ट में 'न्यू स्टेट कैपिटल' की जगह 'अमरावती' शब्द जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पहले ही केंद्र से अमरावती को कानूनी दर्जा देने की मांग कर चुके हैं। केंद्र सरकार ने राज्य से इस संबंध में विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर भेजने को कहा था, ताकि भविष्य में किसी भी तकनीकी या कानूनी जटिलता से बचा जा सके।

गैस संकट पर अखिलेश यादव का तंज 'एक कचौड़ी, एक समोसा

•अब गैस पर न रहा भरोसा'

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एलपीजी संकट पर केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने मजाकिए अंदाज में कहा कि 'एक कचौड़ी, एक समोसा, अब गैस पर न रहा भरोसा'। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने एलपीजी को लापता गैस बताते हुए कहा कि भाजपा ने अपने हर फैसले में हमें सिर्फ लाइन दी है। लाइन के अलावा जनता को कुछ नहीं दिया और अब लोग पेट्रोल के लिए भी कतारों में लगे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने एलपीजी संकट को लेकर कोई तैयारी नहीं की और अब 14 किलोग्राम वाले सिलेंडर में 10 किलोग्राम गैस मिल रही है। गैस संकट को लेकर अपनी तैयारियों के बारे में सपा प्रमुख ने कहा कि मैंने अपने घर में मिट्टी के दो चूल्हे मंगवा लिए हैं। अगर यह जंग आगे भी जारी रही तो हमें ऐसे ही खाना पकवाने के लिए काम करना होगा। भाजपा के लोगों ने एक आदमी को पकड़कर सिर्फ हमारी पार्टी पर आरोप लगाया, लेकिन जनता लाइन में परेशान हो रही है, उसके लिए कुछ नहीं किया। अखिलेश यादव ने सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल के सीएम योगी को धुरंधर कहे जाने पर कहा कि पूजा पाल योगी को समझ नहीं पाई हैं। वे तो धुरंधर से भी बड़े धुरंधर हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्म ये लोग इसलिए बनाते हैं क्योंकि इनको कोई फाइनेंस कर रहा है। फिल्म के किरदार काल्पनिक है, यह तो फिल्म की शुरुआत में ये लिखा भी होता है। ऐसे में फिल्म में दिखाई गई चीज सच कैसे हो सकती है।

यौन उत्पीड़न के चलते छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिरीक्षक निलंबित

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रतन लाल डांगी पर आज सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है । सोशल मीडिया पर रतनलाल डांगी के आपत्तिजनक फोटो वायरल होने पर गृह विभाग ने यह कार्रवाई की है। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में सेवा नियमों के उल्लंघन और पद की गरिमा के प्रतिकूल आचरण का उल्लेख किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सोशल मीडिया में आपत्तिजनक फोटो वायरल होने से पुलिस विभाग की छवि पर नकारात्मक असर पड़ा है। इस आधार पर उनके खिलाफ अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम 1968 के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। फिलहाल आईपीएस रतन लाल डांगी को निलंबित कर विभागीय जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आईजी रतन लाल डांगी पर आरोप है कि उन्होंने गरिमापूर्ण पद पर रहते हुए आचरण के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया।

श्रीराम जन्मभूमि स्थित सूर्य मन्दिर में हुआ ध्वजारोहण

•सूर्य मंदिर के शिखर पर संतों के द्वारा ध्वजारोहण किया गय

एजेंसी

अयोध्या। नवरात्रि की अष्टमी पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर परिसर में स्थित सूर्य मन्दिर के शिखर पर विधि-विधान पूर्वक ध्वजारोहण किया गया। मन्दिर के प्रवेश द्वार से बाएं परकोटा के नैऋत्य कोण पर स्थित सूर्य मन्दिर के उन्नीस फिट सात इंच ऊंचे ध्वज दंड पर 9 फिट तीन इंच लंबाई (लहर) वाले ध्वज की चौड़ाई (लपेट) चार फिट सात इंच है। भगवा रंग की ध्वजा पर 'ऊं' अंकित किया गया है।

केरल में 985 और असम में 789 उम्मीदवार मैदान में: चुनाव आयोग

•गोवा में एक विधानसभा सीट पर तीन उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन पत्रों की जांच पूरी कर ली गई है, जिसके बाद केरल में 985 और असम में 789 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। अधिकारी ने एक बयान में कहा कि पुडुचेरी में 30 विधानसभा सीटों के लिए 366 उम्मीदवारों को जांच के बाद चुनाव लड़ने की मंजूरी मिल गई है। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई उम्मीदवार शुक्रवार से पहले चुनाव से हटने का फैसला करता है तो अंतिम उम्मीदवारों की सूची में बदलाव हो सकता है। अधिकारी ने बताया कि असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के साथ-साथ चार राज्यों में 9 अप्रैल को होने वाले

उपचुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च थी। कर्नाटक की दो सीटों पर उपचुनाव के लिए 50 उम्मीदवार मैदान में हैं।

एक बयान में कहा गया है कि गोवा में एक विधानसभा सीट पर तीन उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। नागालैंड में एकमात्र विधानसभा सीट पर सात उम्मीदवार हैं और त्रिपुरा में एक विधानसभा सीट पर छह उम्मीदवार हैं। नामांकन पत्रों की जांच रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) द्वारा उम्मीदवारों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की गई और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई ताकि अधिकतम पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, आरओ ने वैध रूप से नामांकित उम्मीदवारों की सूची तैयार की और उम्मीदवारों के नामों के सामने उनकी तस्वीरों के साथ सूची को अपने नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया।

रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक!

•12 घंटे में बनेंगी पुलिया : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे अब मिशन मोड में काम करेगा। इस दिशा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में अधिकारियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित कर व्यापक निर्देश जारी किए। रेल मंत्री ने कहा कि जहां रेलवे ट्रैक के एक ओर बस्ती और दूसरी ओर खेत, स्कूल, श्मशान या अन्य आवश्यक स्थान हैं, वहां लोगों की सुविधा के लिए विशेष प्रकार की रेल पुलियाएं (सबवे) बनाई जाएंगी। इन पुलियाओं का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है। वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिजाइन ऐसा हो जिससे लोग बिना हिचकिचाहट के

उनका उपयोग कर सकें। इनका निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि लोग साइकिल, मोटरसाइकिल और अन्य आवश्यक सामान के साथ आसानी से आ-जा सकें। यह पहल देश की बड़ी आबादी के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। रेलवे की योजना के अनुसार पुलियाओं का ढांचा पहले से तैयार किया जाएगा और बाद में साइट पर लाकर स्थापित किया जाएगा। स्थापना के दौरान रेलवे ट्रैक पर 'ब्लॉक' लिया जाएगा, जिसके भीतर मात्र 12 घंटे में पटरी काटकर पुलिया फिट कर दी जाएगी और उसे उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा। रेल मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिज़ाइन ऐसा हो जिससे जलभराव जैसी समस्याएं प्रभावित न करें। साथ ही यह व्यवस्था लंबे समय तक प्रभावी बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगले 5-6 वर्षों में इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कांग्रेस समेत चार राष्ट्रीय दलों के कुल चंदे से 1000 फीसदी ज्यादा बीजेपी को मिला

•भाजपा और कांग्रेस एक बार फिर सबसे ज्यादा चंदा पाने वाले राष्ट्रीय दल रहे।

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में देश के प्रमुख राजनीतिक दलों की चंदे से हुई कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। भाजपा एक बार फिर देश में सबसे ज्यादा चंदा पाने वाली पार्टी के तौर पर उभरी है। वहीं, दूसरा नंबर कांग्रेस का है। चौंकाने वाली बात यह है कि भारत के पहले नंबर के राजनीतिक दल और दूसरे नंबर के राजनीतिक दल के तरफ से जुटाए गए चंदे के बीच का दायरा करीब 12 गुना से ज्यादा है। यह आंकड़ा इसलिए भी आश्चर्य में

डालने वाला है, क्योंकि भाजपा के पास कांग्रेस के मुकाबले सिर्फ दोगुने दानकर्ता ही हैं। यानी साफ तौर पर भाजपा को मिलने वाला चंदा बड़ी राशियों का है। भाजपा और कांग्रेस के अलावा कई और पार्टियों ने भी 2024-25 में मिले दान की राशि का खुलासा किया है। नियमों के मुताबिक, राष्ट्रीय दलों को 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे का रिकॉर्ड दिखाना होता है और यह पूरा रिकॉर्ड 30 सितंबर 2025 तक चुनाव आयोग के पास भेजना होता है।

2024-25 में अलग-अलग पार्टियों को कितना चंदा मिला?

सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को कुल मिलाकर 11,343 दानकर्ताओं की तरफ से 6648.563 करोड़ रुपये का चंदा मिला।

●**भारतीय जनता पार्टी (भाजपा):** देशभर में राजनीतिक दलों को जितना चंदा मिला, उसकी कुल राशि में 91 फीसदी से ज्यादा भाजपा को ही मिली। भाजपा ने 2024-25 के लिए 6074.015 करोड़ रुपये का दान दिखाया है। उसे यह दान 5522 दानदाताओं के जरिए मिला। यह राशि भाजपा के बाद चंदा जुटाने वाले चार राष्ट्रीय दलों को मिले कुल चंदे से 10 गुना से भी अधिक है।

●**कांग्रेस:** कांग्रेस ने अपना दान 517.394 करोड़ रुपये दिखाया है, जो कि उसे 2501 दानकर्ताओं से मिला है। कांग्रेस को मिली यह राशि भाजपा के मुकाबले करीब 1000 प्रतिशत कम है।

आम आदमी पार्टी (आप): आप ने 2024-25 के लिए अपनी दान की राशि 38.106 करोड़ रुपये दर्शायी है, जो कि उसे 2554 दानकर्ताओं की तरफ से मिली।

●**मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा):** माकपा को 2024-25 में 16.957 करोड़ रुपये का दान मिला, जो कि 741 दानदाताओं से जुटाया गया।

●**नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी):** पूर्वोत्तर की इस प्रमुख पार्टी ने अपना दान 2.091 करोड़ रुपये दिखाया है, जो कि उसे 25 दानकर्ताओं से मिला।

●**बहुजन समाज पार्टी (बसपा):** जिन दलों को चंदा मिला है, उनमें एक चौंकाने वाला आंकड़ा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का है। पार्टी ने पिछले 19 साल की तरह इस बार भी यही दर्शाया है कि पार्टी को 20,000 रुपये से अधिक का कोई चंदा प्राप्त नहीं हुआ है। चुनाव आयोग को दिए गए आंकड़े में पार्टी ने 20 हजार रुपये से ज्यादा के दान को शून्य दिखाया है।

गुजरात पुलिस फोर्स में बड़ा बदलाव, लोकल बॉडी इलेक्शन से पहले 254 PSI का प्रमोशन के साथ ट्रांसफर

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। गुजरात स्टेट पुलिस डिपार्टमेंट में एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस के तहत एक बड़ा फैसला लिया गया है। स्टेट होम डिपार्टमेंट ने 254 बिना हथियार वाले पुलिस सब इंस्पेक्टर (PSI) को पुलिस इंस्पेक्टर (PI) क्लास-2 के कैडर में प्रमोट करके उनकी नई जगह पर ट्रांसफर कर दिया है।

पे स्केल में बढ़ोतरी और टेम्परारी प्रमोशन

मिली जानकारी के मुताबिक, प्रमोट हुए ऑफिसर्स को अब पे मैट्रिक्स लेवल-8 (Rs. 44,900 - Rs. 1,42,400) से लेवल-7 (Rs. 39,900 - Rs. 1,26,600) के पे स्केल में रखा गया है। ये प्रमोशन अभी के लिए पूरी तरह से टेम्परारी बेसिस पर दिए गए हैं और सभी ऑफिसर्स को उनके नाम के आगे दिए गए ऑफिस में तुरंत रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

लोकल बॉडी इलेक्शन से पहले पुलिस फोर्स में बदलाव

राज्य में आने वाले लोकल बॉडी इलेक्शन से पहले पुलिस फोर्स में बड़े बदलाव को बहुत ज़रूरी माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस बात की पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक करीब 600 पुलिस इंस्पेक्टरों का अंदरूनी ट्रांसफर हो सकता है। DPC प्रोसेस पूरा होने के तुरंत बाद PI से लेकर DySP लेवल तक के अधिकारियों के ट्रांसफर के ऑर्डर भी जारी हो सकते हैं। विधानसभा सेशन खत्म होने के साथ ही होम डिपार्टमेंट ने पुलिस डिपार्टमेंट में इन बड़े बदलावों को प्राथमिकता दी है।

गुजरात में फिर बदलेगा मौसम

29-30 मार्च को बारिश का अलर्ट, किसानों के लिए चेतावनी

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। गुजरात में भीषण गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने 29 और 30 मार्च को राज्य के कई जिलों में बेमौसम बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। इससे पहले 19-20 मार्च को आई आंधी-तूफान और बारिश से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ था।

इन जिलों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार कच्छ, बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, दाहोद और महिसागर जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

सक्रिय हुए मौसम सिस्टम

फिलहाल दो अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय हैं, जिनके साथ वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी गुजरात के मौसम को प्रभावित कर रहा है। इसी कारण मार्च के अंत में मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिलेगा।

मछुआरों के लिए चेतावनी

मौसम विभाग ने समुद्री इलाकों में हलचल को देखते हुए मछुआरों को इन दिनों समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

तापमान का हाल

राज्य में फिलहाल गर्मी का असर जारी है। अमरेली में अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अहमदाबाद में 37 डिग्री और गांधीनगर में 36.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। कांडला में न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम में इस अचानक बदलाव से किसानों और आम लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि तेज हवाओं और बारिश से नुकसान की आशंका बनी हुई है।

आज का राशिफल

मेष

आज आपका दिन मंगलकारी रहेगा। सेहत अच्छी रहेगी। यात्रा योग बन सकते हैं । रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा - खासा मुनाफ़ा दे सकते हैं। किसी रिश्तेदार से मिला उपहार आपके लिए खुशी लेकर आएगा। विद्यार्थियों के लिए अध्ययन कार्य कोशिश करने पर ही बनेगा। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने की कोशिश संतोषजनक साबित होगी। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना व योगा आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा। स्वास्थ्य सुधार होगा।

वृष

आपका आज का दिन सामान्य रहेगा। बेहतर ज़िन्दगी के लिए अपनी सेहत और व्यक्तित्व में सुधार लाने कि कोशिश करें। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज बहुत सोच विचार करके बोलने की जरूरत हैं।

मिथुन

आप आज खुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को जरूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा।

कर्क

आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा । सामाजिक मेलजोल का सहारा लें। आपकी माता पक्ष से मामा या नाना से भी आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत खुश नहीं होंगे। आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। बड़ो का आशीर्वाद प्राप्त होगा । स्वास्थ्य लाभ होगा।

सिंह

आज आपका दिन तालमेल वाला होगा। आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन खर्च में इज़ाफ़ा कम होगा । बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। कोई आपका मूड खराब कर सकता है, लेकिन समझदारी से सब सही हो जाएगा । व्यर्थ की चिंताएँ और परेशानियों से बचें। त्वचा से जु?ड़ी समस्यायों पर ध्यान दें।

कन्या

भागदौड़ भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में खुशी महसूस करेंगे। समय की महत्ता को समझे जब आप अपना समय बर्बाद कर चुके होते हैं तो आपको पछतावा होता है।

तुला

आज धार्मिक व आध्यात्मिक विचार प्रबल रहेंगे । आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। जीवनसाथी का साथ मंगलमय होगा। कार्यक्षेत्र आपकी एकाग्रता को भंग न होने दें। खुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें। स्वास्थ्य सुधार होगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन मनोनुकूल होगा ।पारिवारिक सहयोग मिलेगा , बड़ों का आशीर्वाद फलित होगा । गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। आज धन लाभ होने की संभावना बन रही है । अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आपके कामों के पीछे प्यार और दूरदृष्टि की भावना फलिल होगी । स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु

आज आपका दिन बेहतर रहेगा । जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा । अपने पैसे को संचय करने के लिए घर के लोगों से सलाह ले सकते है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी।आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। मनोरंजन के लिए समय मिलेगा । स्वास्थ्य लाभ होगा।

मकर

आपकी कठिन मेहनत और परिवार का सहयोग मन के अनुकूलता परिणाम देने में सफल रहेंगे। आपको आर्थिक परेशानियों से बचने के लिए सावधान रहें। सामाजिक दायरा बढने से मन प्रसन्न होगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी। मनोनुकूल वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य सुधार होगा।

कुंभ

आज आपका दिन मंगलमय रहेगा । धन लाभ होने की संभावना बन रही है । पारिवारिक सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों में और अधिक रूचि बढेगी । जीवनसाथी से किया सलाह मश्विरा फलिल होगा । बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। मनोरंजन के लिए समय मिलेगा। मानसिक तनाव कम हो जाएगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन

आज आपका दिन सहयोगात्मक रहेगा । परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को खुश रखेंगी। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। चिंतन से राहत मिलेगी । जीवनसाथी की सकारात्मक मानसिकता को समझे व सम्मान दें। आराम के लिए समय निकाले । स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

गुजरात में प्रशासनिक खामियों का बड़ा खुलासा: पुलिस दुरुपयोग के 324 मामले, 4151 पद खाली

महानगर मेट्रो

वर्ष 2024-25 के सरकारी आंकड़ों में गुजरात के प्रशासनिक तंत्र की कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। पुलिस द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की 324 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि तंत्र में तलबड़ी की स्थिति यह है कि तंत्र के महत्वपूर्ण पद बड़ी संख्या में खाली पड़े हैं। 'नल से जल' योजना में भी अनियमितताओं के कई मामले उजागर हुए हैं।

पुलिस पर दुरुपयोग के आरोप

राज्य में पुलिस द्वारा सत्ता के दुरुपयोग के कुल 324 मामले सामने आए हैं, जिनमें सबसे अधिक 66 मामले अहमदाबाद में दर्ज किए गए हैं। इसके बाद सूरत में 24 घटनाएं सामने आई हैं। इन आंकड़ों ने कानून व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तलाठी-कम-मंत्री के हजारों पद खाली

राज्य में तलाठी-कम-मंत्री के कुल 11,705 स्वीकृत पदों में से 7,554 भरे हुए हैं, जबकि 4,151 पद खाली हैं। इनमें से 98' पदों पर अतिरिक्त प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है। वडोदरा में सबसे ज्यादा 249 और अमरेली में 237 पद खाली हैं। औसतन हर 100 पदों में से 35 पद खाली हैं, जो प्रशासन के लिए चिंता का विषय है।

नई भर्ती पर जोर, एक्सटेंशन में कमी

सरकार ने रिटायर्ड अधिकारियों को दिए जाने वाले एक्सटेंशन में कमी की है। 2022-23 में 129 अधिकारियों को एक्सटेंशन दिया गया था, जो 2024-25 में घटकर 35 रह गया है। सरकार अब नई भर्तियों पर अधिक ध्यान दे रही है।

'नल से जल' योजना में गड़बड़ी

राज्य के 20 जिलों में 'नल से जल' योजना में अनियमितताओं की 54 शिकायतें सामने आई हैं। अमरेली जिले में सबसे ज्यादा 10 शिकायतें दर्ज हुईं, जहां खर्च ग्रांट से कई गुना अधिक पाया गया। कई जिलों में ग्रांट का सही उपयोग नहीं हुआ, जबकि कुछ जिलों को फंड ही नहीं मिला।

तकेदारी आयोग की सख्ती

तकेदारी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं और जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने 678 कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की है, जबकि 29 मामलों में आपराधिक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

पेंडिंग मामलों का अंबार

जीरो पेंडेंसी की नीति के बावजूद राज्य में 3556 मामले लंबित हैं, जिनमें से 724 मामले 5 साल से ज्यादा समय से लंबित हैं। शहरी विकास, पंचायत और राजस्व विभाग में सबसे ज्यादा मामले पेंडिंग हैं। गुजरात के प्रशासनिक तंत्र में सामने आई ये खामियां सिस्टम में सुधार और पारदर्शिता की जरूरत को साफ तौर पर दर्शाती हैं।

गुजरात में मेगा ट्रांसफर: 518 PI का एक साथ तबादला, चुनाव से पहले बड़ा कदम

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। गुजरात के गृह विभाग ने पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए एक ही दिन में 518 पुलिस इंस्पेक्टर (PI) के ट्रांसफर का आदेश जारी किया है। इससे पहले सुबह 254 साथ ट्रांसफर किया गया था। एक ही दिन में इतने बड़े स्तर पर तबादलों से पुलिस विभाग में हलचल मच गई है।

चुनाव से पहले लॉ एंड ऑर्डर मजबूत करने की कोशिश

सूत्रों के अनुसार, आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। लंबे समय से एक ही जगह पर तैनात अधिकारियों को हटाकर नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, ताकि प्रशासनिक सिस्टम में सुधार लाया जा सके।

मेट्रो शहरों में नए चेहरे

इस मेगा ट्रांसफर के तहत अहमदाबाद, सूरत, राजकोट और वडोदरा जैसे बड़े शहरों के महत्वपूर्ण पुलिस थानों में नए पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। इससे जमीनी स्तर पर पुलिसिंग में बदलाव देखने को मिल सकता है।

IPS के बाद अब PI-PSI स्तर पर बदलाव

हाल ही में IPS अधिकारियों के बड़े पैमाने पर ट्रांसफर के बाद अब PI और PSI स्तर पर भी फेरबदल किया गया है। ये अधिकारी सीधे तौर पर फील्ड में कानून व्यवस्था संभालते हैं, इसलिए इस बदलाव को काफी अहम माना जा रहा है।

इंटेलिजेंस और साइबर विंग को भी मजबूती

ट्रांसफर ऑर्डर में इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) से 10 अधिकारियों का तबादला किया गया है, जो चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं, बढ़ते साइबर अपराध को ध्यान में रखते हुए 'साइबर सेंटर फॉर एक्सीलेंस' में 27 नए पुलिस इंस्पेक्टरों की नियुक्ति की गई है। राज्य में इस बड़े प्रशासनिक बदलाव के बाद अब सभी की नजर इस बात पर रहेगी कि कानून-व्यवस्था में कितना सुधार आता है और अपराध पर इसका क्या असर पड़ता है।

अहमदाबाद में बहू का आरोप: प्लॉट हड़पने के लिए ससुराल वालों ने किया अत्याचार, 4 के खिलाफ केस दर्ज

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर के वेजलपुर इलाके में एक 29 वर्षीय महिला ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वालों ने प्लॉट हड़पने की साजिश रचकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

प्लॉट के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023 में जामनगर में विवाह के बाद महिला की सास ने उसके पिता से प्लॉट की मांग की थी। पिता ने बेटी की खुशी के लिए प्लॉट दे दिया। आरोप है कि सास ने भरोसा दिलाकर वह प्लॉट अपने बेटे, यानी महिला के पति, के नाम करवा लिया। बाद में जब इस बारे में पूछताछ की गई तो सास ने कहा कि पत्नी की संपत्ति पति की ही मानी जाती है।

नमाज के दौरान भी किया जाता था परेशान

पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसे नमाज पढ़ने के दौरान भी परेशान किया जाता था। उसका देवर उसे जबरन उठाकर घर के काम में लगा देता था। वहीं, पति पर शराब के नशे में मारपीट करने और दूसरी महिलाओं से संबंधों की बात करने का आरोप भी लगाया गया है।

आधी रात को घर से निकाला

महिला के अनुसार, अत्याचार की हद तब हो गई जब उसे जान से मारने की धमकी देकर कमरे में बंद किया गया और बाद में आधी रात को घर से निकाल दिया गया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि पति ने विदेश भागने की धमकी देकर उसे डराने की कोशिश की।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पीड़िता ने महिला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसे वेजलपुर पुलिस स्टेशन ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस ने पति, सास, देवर सहित कुल चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला एक बार फिर घरेलू हिंसा और संपत्ति विवाद से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

कलोल-छत्राल हाईवे पर भीषण हादसा: दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत, एक गंभीर

गांधीनगर। अहमदाबाद-मेहसाणा हाईवे पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कल देर रात कलोल तालुका के छत्राल और बिलेश्वरपुरा के बीच सर्विस रोड पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त कि मौके पर ही मौत

जानकारी के अनुसार, अंधेरे में सर्विस रोड से गुजर रहे दो बाइक सवार आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक युवक उछलकर सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर सहित शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घायल अस्पताल में भर्ती

हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही कलोल पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की पहचान कड़ी के चंद्रसाडा गांव निवासी 30 वर्षीय सूरज देवजी ठाकोर के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

खराब सड़क बनी हादसों की वजह

स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे और सर्विस रोड की हालत बेहद खराब है। जगह-जगह गड्ढे, गलत ढलान और गैर-कानूनी कट हादसों की बड़ी वजह बन रहे हैं। साथ ही सड़क पर पर्याप्त जगह न होने से भी दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। लगातार हो रहे हादसे प्रशासन और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने सड़क सुधार और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

अहमदाबाद में माँ सच्चियाय की भव्य शोभायात्रा व भजन संध्या

भक्तिमय माहौल में झूमे हजारों श्रद्धालु

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर में श्री राजराजेश्वरी सच्चियाय माता ट्रस्ट एवं भक्त मंडल के तत्वावधान में आयोजित 'माँ सच्चियाय माता के नाम भक्ति की एक शाम' कार्यक्रम 25 मार्च 2026, चैत्र सुदी सप्तमी के अवसर पर श्रद्धा, उत्साह और भक्ति के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

भव्य शोभायात्रा का आयोजन

दोपहर 4 बजे शाहीबाग स्थित मोनालिसा अपार्टमेंट से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। विशेष रजत रथ में सजी माँ सच्चियाय की आकर्षक झांकी और 51 ध्वजाओं ने शोभायात्रा की भव्यता को बढ़ाया। अहमदाबाद मेयर प्रतिभा जैन ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाई। श्रद्धालु भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और बैंड की धुन पर नृत्य करते हुए सरदार पटेल स्मारक (राजभवन) और सर्किट हाउस मार्ग से होते हुए भक्ति हॉल पहुंचे।

भजन संध्या में बही भक्ति की धारा

सायं 7:30 बजे से भक्ति हॉल में महाभक्ति संध्या का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। इसके बाद बाड़मेर से आए गौरव मालू ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। 10 वर्षीय बाल कलाकार कृषिव बागरेचा (जोधपुर) ने अपनी मधुर भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं उदयपुर की प्रसिद्ध गायिका केमिता राठौड़ ने अपनी ऊर्जावान प्रस्तुति से माहौल को भक्तिमय बना दिया।

56 भोग व महाआरती का आयोजन

कार्यक्रम के दौरान माताजी को 56 भोग अर्पित किए गए। रात्रि में चुंदड़ी कार्यक्रम एवं 108 दीपों से महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालु भावविभोर होकर शामिल हुए।

सम्मान व सहयोग

लाभार्थी कंकु चौपड़ा परिवार का ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश आर. चौपड़ा ने किया। आयोजन को सफल बनाने में ट्रस्ट, महिला मंडल और सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

मंदिर निर्माण की तैयारी

ट्रस्ट द्वारा शाहीबाग क्षेत्र में माँ सच्चियाय के भव्य मंदिर निर्माण हेतु भूमि क्रय की जा चुकी है और शीघ्र निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि भक्ति, एकता और संस्कृति का जीवंत उत्सव बनकर उभरा, जिसमें श्रद्धालुओं की आस्था और सहभागिता साफ झलकती है।

अहमदाबाद की हाईराइज़ बिल्डिंग में भीषण आग: तीसरी से चौथी मंज़िल तक फैली, 15वीं मंज़िल तक धुआं

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर के शेला इलाके में क्लब ओ सेवन रोड स्थित स्काईसिटी रिवेरा एलीट बिल्डिंग में गुरुवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग तीसरी मंज़िल से शुरू होकर चौथी मंज़िल तक फैल गई, जबकि धुआं 15वीं मंज़िल तक पहुंच गया। हालांकि, समय रहते सभी निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई।

सुबह 8 बजे लगी आग, मची अफरा-तफरी

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे ष्ट ब्लॉक की तीसरी मंज़िल पर आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को मिली। शुरुआती तौर पर 2-3 फायर गाड़ियां मौके पर भेजी गईं, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए बाद में कुल 12 से अधिक दमकल गाड़ियां और टीम मौके पर पहुंची।

फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

फायर ब्रिगेड के अधिकारियों के मुताबिक, आग तेजी से चौथी मंज़िल तक फैल गई थी और धुआं ऊपरी मंज़िलों तक पहुंच गया था। करीब 35-40 दमकलकर्मियों ने पानी के जेट की मदद से आग पर काबू पाया। ऑपरेशन के दौरान फंसे लोगों को पहले छत पर सुरक्षित पहुंचाया गया, फिर नीचे उतारा गया।

दो फ्लैट हुए प्रभावित

इस हादसे में तीसरी और चौथी मंज़िल के एक-एक फ्लैट में आग लगी। सिक्योरिटी गार्ड की सतर्कता से शुरुआती चार लोगों को तुरंत बाहर निकाला गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

अधिकारियों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

एडिशनल चीफ फायर ऑफिसर के अनुसार, बोपल, थलतेज और प्रह्लादनगर फायर स्टेशनों से टीमें मौके पर पहुंचीं और समन्वय के साथ राहत कार्य चलाया गया। समय पर राहत और बचाव कार्य के चलते बड़ा हादसा टल गया, लेकिन घटना ने हाईराइज़ बिल्डिंग्स में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

साइबर ठगी के दो बड़े मामले

बिजनेसमैन से 90 लाख की ठगी, बुजुर्ग के खाते से 99 हजार उड़ाए

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर में साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामलों ने लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। एक मामले में फेसबुक फ्रेंड के जरिए फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर एक बिजनेसमैन से करीब 90 लाख रुपये की ठगी कर ली गई, वहीं दूसरे मामले में एक बुजुर्ग के बैंक खाते से 99 हजार रुपये निकाल लिए गए।

फेसबुक फ्रेंड ने लगाया 90 लाख का चूना

वेजलपुर निवासी एक सिक्योरिटी एजेंसी संचालक बिजनेसमैन की फेसबुक पर 'कोमल मेहता' नाम की युवती से दोस्ती हुई। युवती ने खुद को बिल्डर बताते हुए फॉरेक्स ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफे का लालच दिया। शुरुआत में 50 हजार रुपये निवेश करने पर 5 हजार का मुनाफा दिखाया गया, जिससे भरोसा बढ़ा। इसके बाद बिजनेसमैन ने कुल 93 लाख रुपये निवेश कर दिए, लेकिन केवल 2.55 लाख ही निकाल पाए। बाकी 90.45 लाख रुपये नहीं मिलने पर ठगी का पता चला और साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई गई।

फर्जी प्लेटफॉर्म और टेलीग्राम के जरिए जाल

आरोपी ने लिंक भेजकर फर्जी वेबसाइट पर अकाउंट खुलवाया और टेलीग्राम के जरिए पैसे जमा करवाए। निवेश की रकम वेबसाइट पर दिखती रही, जिससे पीड़ित को भरोसा होता गया।

दूसरा मामला: बुजुर्ग के खाते से 99 हजार गायब

आनंदनगर क्षेत्र में रहने वाले 83 वर्षीय बुजुर्ग के खाते से 99 हजार रुपये निकल गए। घटना तब सामने आई जब Google Pay पर ट्रांजैक्शन लिमिट खत्म होने का मैसेज आया। बैंक जांच में पता चला कि बिना किसी आईडी-पासवर्ड के ही खाते से रकम ट्रांसफर हो चुकी थी।

पुलिस में मामला दर्ज

बुजुर्ग ने साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आनंदनगर पुलिस ने तीन महीने बाद केस दर्ज किया। लगातार बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के मामलों को देखते हुए पुलिस ने लोगों से अनजान लिंक, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया फ्रेंड्स पर भरोसा न करने की अपील की है।

जयपुर में रामनवमी पर खुले मीट की दुकानों पर कार्रवाई

45 दुकानें सीज, 300 किलो अवैध मीट करवाया नष्ट, जुर्माना भी वसूला गया

महानगर मेट्रो

जयपुर रामनवमी के अवसर पर नियमों के विपरीत मीट और मांस की दुकानें खोलने पर नगर निगम जयपुर ने बड़ी कार्रवाई की। निगम की टीम ने शहर के एक दर्जन से अधिक इलाकों में छापेमारी करते हुए 45 मीट की दुकानों को बंद करवाया। इस दौरान करीब 300 किलोग्राम से अधिक अवैध मीट जब्त कर नष्ट किया गया और नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से जुर्माना भी वसूला गया। निगम के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेंद्र सिंह ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर सरकार की ओर से 'अखण्ड दिवस' घोषित किया गया था, जिसके तहत जयपुर शहर में मीट और मांस की दुकानों को बंद रखने के निर्देश हैं। इसके बावजूद कई स्थानों पर दुकानदारों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए मीट का कारोबार किया जा रहा था। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। 45 दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया निगम के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेंद्र सिंह ने बताया- आम नागरिकों की शिकायत मिलने के बाद निगम की पशु प्रबंधन शाखा ने कार्रवाई करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान ट्रांसपोर्ट नगर, हांडीपुरा, रामगंज, घाट गेट, सुभाष चौक, अजमेरी गेट, बास बदनपुरा, चार दरवाजा, हसनपुरा, मदीना कॉलोनी, गुर्जर की थड़ी, सांगानेर, प्रतापनगर, लुनियावास, करबला, ईदगाह, भट्टा बस्ती, शास्त्री नगर, बाइस गोदाम और मानसरोवर सहित कई इलाकों में कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान 45 दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया। साथ ही करीब 300 किलोग्राम से अधिक अवैध मीट जब्त कर उसे नष्ट कर दिया गया, ताकि उसका किसी तरह से उपयोग न किया जा सके।

30 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला गया

निगम अधिकारियों के अनुसार, नियमों के उल्लंघन और अवैध मीट का कारोबार करने वाले दुकानदारों के खिलाफ 30 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला गया है। नगर निगम ने साफ किया है कि धार्मिक और विशेष अवसरों पर जारी किए गए नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही शहरवासियों से भी अपील की गई है कि अगर कहीं नियमों के विपरीत मीट या मांस की दुकानें संचालित होती दिखें तो इसकी जानकारी निगम को दें, ताकि तुरंत कार्रवाई की जा सके।

जयपुर में मेडिकल संचालक से 80 हजार की लूट

पहले कार सवार बदमाशों ने पीछे से टक्कर मारी, फिर बैग छीनकर भागे

महानगर मेट्रो

जयपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फाइल फोटो। जयपुर में कंचन मेडिकल संचालक से लूट का मामला सामने आया है। कार से टक्कर मारकर बाइक सवार मेडिकल संचालक को गिराकर बदमाश 80 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। रामगरिया थाना पुलिस ने सूचना पर नाकाबंदी करवाई, लेकिन कार सवार लुटेरों का सुराग नहीं लग सका। SHO (रामनगरिया) चंद्रभान ने बताया- लूट की वारदात जगतपुरा के एनआरआई चौराहे पर रहने वाले रामवतार गौतम के साथ हुई। वह जगतपुरा रेलवे फाटक के पास कंचन मेडिकल स्टोर चलाते है। रात करीब 11:15 बज वह दुकान बंद कर अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान घर से महज 50 मीटर पहले कार सवार बदमाशों ने पीछे से टक्कर मारकर बाइक सहित उन्हें गिरा दिया। कार से उतरे बदमाश उसका बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में करीब 80 हजार रुपए कैश रखे हुए थे। लूट की सूचना पर रामनगरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सूचना पर नाकाबंदी करवाई। इसके साथ ही वारदातस्थल के पास लगे CCTV फुटेजों को खंगालने के साथ ही कार सवार लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

टोंक में रामनवमी महोत्सव की छटा

रघुनाथ मंदिर में गूंजे बधाई भजन

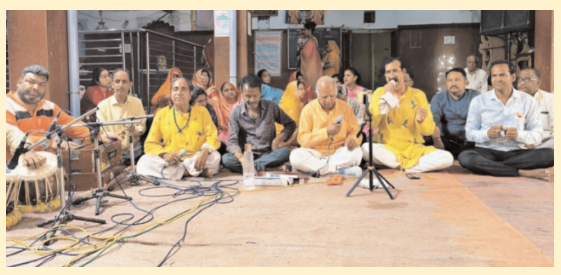

महानगर मेट्रो

टोंक। श्री रघुनाथ जी मंदिर में चल रहे रामनवमी महोत्सव के तहत अष्टमी के पावन अवसर पर रामजन्मोत्सव की झांकी ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्ति और उल्लास से सराबोर नजर आया। रामजन्मोत्सव के दौरान भजन रसिकों द्वारा प्रस्तुत बधाई भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मोहन लाल सोनी, केशव पारीक, रामु सोनी, राजेंद्र शर्मा, किशन सोनी, विजय रत्न सोनी, मोहन साहू, अरविंद सोनी और पूरन शर्मा सहित भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं, जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में रामजन्म की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जहां भक्तों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर दर्शन किए और भक्ति में लीन हो गए। उल्लेखनीय है कि यह धार्मिक उत्सव प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें हर दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और पूरा माहौल 'जय श्रीराम' के जयकारों से गूंज रहा है। भक्ति, संगीत और श्रद्धा का अद्भुत संगम बना यह रामनवमी महोत्सव टोंक में आस्था का केंद्र बन गया है, जहां हर रात भक्तिमय ऊर्जा का संचार हो रहा है।

पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत, 3 किमी यात्रा में लगा 2 घंटे का समय

टोंक में रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा: भगवा रंग में रंगा शहर

राम दरबार व अयोध्या मंदिर की आकर्षक झांकियों के बीच गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने और गौ हत्या पर सख्त कानून की मांग

महानगर मेट्रो

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। श्री रामनवमी के पावन अवसर पर टोंक शहर में भव्य, विशाल और आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें महिला-पुरुषों और युवाओं ने भगवा पगड़ी धारण कर बढ़-चढ़कर भाग लिया। बाइकों और अन्य दुपहिया वाहनों पर सवार श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। इस दौरान पूरा शहर भगवा रंग में रंगा नजर आया और हर तरफ भक्ति एवं उत्साह का माहौल बना रहा।

वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ शुभारंभ

शोभायात्रा की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। सुबह 9 बजे गांधी खेल मैदान से भगवा ध्वज और पताका लेकर महिला-पुरुष व युवा शोभायात्रा के रूप में रवाना हुए। जैसे ही यात्रा आगे बढ़ी, सड़कों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और लोगों ने जगह-जगह खड़े होकर इस भव्य आयोजन का दर्शन किया।

झांकियों ने बांधा समा

शोभायात्रा में श्री राम दरबार की सजीव झांकी, अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति सहित कई आकर्षक झांकियां सजाई गईं, जिन्होंने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। विद्या भारती समिति द्वारा प्रस्तुत राम दरबार की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

गौ संरक्षण का संदेश रहा प्रमुख

इस बार की शोभायात्रा में गौ सेवा और गौ संरक्षण का मुद्दा प्रमुखता से उभरकर सामने आया। गौ सेवकों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दो' और 'गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाओ' जैसे स्लोगन के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने झांकियों और नारों के जरिए गौ माता की सुरक्षा और सम्मान की मांग को जोरदार तरीके से प्रस्तुत किया।

भजनों और जयकारों से गूंजा शहर

शोभायात्रा के दौरान डीजे पर भगवान श्रीराम के भजनों की धुन पर महिला-पुरुष और युवा झूमते नजर आए। 'जय श्री राम' के गगनभेदी जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा और माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

2 घंटे में पूरा हुआ 3 किलोमीटर का सफर

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और जोश के चलते गांधी खेल मैदान से रामलीला मैदान तक करीब 3 किलोमीटर का सफर तय करने में लगभग 2 घंटे का समय लगा। शोभायात्रा बड़ा कुआं, नौशे मियां का पुल, काफला बाजार, पांच बत्ती चौराहा, सुभाष बाजार और घंटाघर चौराहा होते हुए रामलीला मैदान गांधी पार्क पहुंची।

पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

पूरे मार्ग में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों तथा व्यापारियों द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उन्हें अभिनंदन दिया गया, जिससे आयोजन की भव्यता और भी बढ़ गई।

हनुमान चालीसा के साथ समापन

रामलीला मैदान पहुंचकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसके साथ इस भव्य शोभायात्रा का समापन हुआ। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं में उत्साह और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।

हजारों श्रद्धालुओं की रही भागीदारी

इस विशाल शोभायात्रा में महेश सोनी, राजू माहेश्वरी, हितेश बालानी, बद्री गोयल, मनीष छंगानी, भरत बालानी, विश्वजीत राठौड़, रोहित सिंघल सहित हजारों सनातन धर्म प्रेमी शामिल हुए और आयोजन को सफल बनाया। आस्था, उत्साह और सामाजिक संदेश का संगम बनी यह शोभायात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रही, बल्कि समाज को गौ संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक करने का माध्यम भी बनी। टोंक में रामनवमी का यह आयोजन लंबे समय तक लोगों की यादों में बना रहेगा।

अष्टमी पर माता स्वर्ण दुर्गा का हुआ महालक्ष्मी अलंकार, 56 भोग की झांकी से सजा माता का दरबार

मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कन्या पूजन, महाआरती और सामूहिक पाठ से गूंजा सराबोर हुआ मंदिर परिसर

महानगर मेट्रो

टोंक। कोटा रोड बाईपास स्थित द्वारिका नगरी के श्री स्वर्ण दुर्गा कैलाशपति मंदिर में नवरात्रि के अष्टमी पर्व पर माता स्वर्ण दुर्गा का भव्य महालक्ष्मी अलंकार किया गया। इस अवसर पर माता जी के 56 भोग की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुबह से ही सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन-पूजन में जुटे रहे। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने अपने नाम और गोत्र के साथ श्री यंत्र पूजन कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कन्या पूजन और महाआरती का आयोजन

शाम करीब 5:30 बजे विधिविधान से कन्या भोजन एवं पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से भाग लिया। इसके बाद शाम 7:30 बजे मंदिर परिसर में भव्य महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। महाआरती के पश्चात हनुमान चालीसा और राम स्तुति का सामूहिक पाठ किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और भक्ति रस में सराबोर नजर आईं।

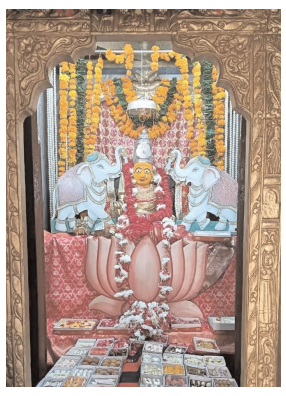

श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह

मंदिर समिति के अनुसार नवरात्रि के अष्टमी पर्व पर माता के महालक्ष्मी अलंकार को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भव्य सजावट और धार्मिक आयोजनों ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। आस्था, भक्ति और परंपरा का सुंदर संगम बना यह आयोजन टोंक में नवरात्रि महोत्सव की भव्यता को दर्शाता है, जहां श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ माता की आराधना में लीन नजर आए।

राजस्थान में एक कंपनी ने पेट्रोल-डीजल की दरें बढ़ाई

प्रदेश में 900 से ज्यादा पेट्रोल पंपों पर नई कीमत लागू; जानें- कितने रुपए महंगा हुआ

महानगर मेट्रो

जयपुर राजस्थान में प्राइवेट कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की दरें बढ़ा दी हैं। कंपनी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की है। नई रेट गुरुवार सुबह से प्रदेशभर में लागू कर दी गई। कंपनी के इस फैसले के बाद नायरा के फ्यूल पंपों पर पेट्रोल और डीजल भरवाने वाले वाहन ड्राइवरों को अब पहले से ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है।

राजस्थान में नायरा के 900 पेट्रोल पंप

प्रदेश में नायरा के लगभग 900 से अधिक फ्यूल पंप संचालित है, जबकि देशभर में कंपनी के 6700 से ज्यादा पेट्रोल पंप है। ऐसे में कीमतों में बढ़ोतरी का असर बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। खासकर ट्रांसपोर्ट सेक्टर, टैक्सी-ऑटो ड्राइवरों और रोजाना वाहन इस्तेमाल करने वाले लोगों की जेब पर इसका अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और ऑपरेटिंग लागत में वृद्धि जैसे कारण माने जा रहे हैं। हालांकि कंपनी की ओर से आधिकारिक तौर पर विस्तृत कारणों को लेकर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है।

डीलर बोले- कंपनी का फैसला

राजस्थान नायरा पेट्रोल पंप डीलर महेश राणा ने बताया कि आज से पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी का फैसला किया है। हम प्राइवेट पेट्रोल डीलर है, कंपनी ने अपने स्तर पर यह फैसला किया है। केंद्र से ही हमें ज्यादा कीमत पर पेट्रोल और डीजल उपलब्ध होगा। ऐसे में हमने भी कंपनी के अनुरूप ही अपनी कीमत करने का फैसला किया है। प्राइवेट कंपनी की होने की वजह से हमें सरकार से किसी भी तरह की सब्सिडी भी नहीं मिलती है।

विशेष रिपोर्ट: बंगाल का महासंग्राम 2026 - सत्ता परिवर्तन या दीदी का दबदबा

महानगर मेट्रो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे दिलचस्प मोड़ पर है। 294 सीटों वाली विधानसभा के लिए होने वाले इस चुनाव में इस बार मुकाबला केवल दो पार्टियों के बीच नहीं, बल्कि दो विचारधाराओं और साख की लड़ाई बन चुका है। बीजेपी ने इस बार 'दमदार' उम्मीदवारों की फौज उतारकर ममता बनर्जी के अभेद्य किले में सेंध लगाने की पूरी तैयारी कर ली है।

1. दीदी बनाम दादा: भवानीपुर बना 'कुरुक्षेत्र'
इस चुनाव का सबसे बड़ा चेहरा और सबसे हॉट सीट भवानीपुर है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ बीजेपी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। 2021 में नंदीग्राम की हार का बदला लेने के लिए ममता दीदी इस बार अपने घरेलू मैदान पर हैं, लेकिन बीजेपी ने सुवेंदु को उतारकर इसे प्रतिष्ठा की लड़ाई बना दिया है। बीजेपी की रणनीति स्पष्ट है—ममता बनर्जी को उनके अपने ही क्षेत्र में घेरना ताकि वे राज्यव्यापी प्रचार में कम समय दे पाएं।

2. बीजेपी की रणनीति: 'पलटनो दरकार' का नारा और मोदी-शाह का जादू
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की रैलियों ने बंगाल के चुनावी तापमान को बढ़ा दिया है।

* नया नारा: पीएम मोदी ने 'पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार' (बदलाव की जरूरत, चाहिए बीजेपी सरकार) का नारा देकर एंटी-इन्कंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) को हवा दी है।

* मुद्दे: भ्रष्टाचार, सिंडिकेट राज और हालिया आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाओं को बीजेपी बड़ा मुद्दा बना रही है। बीजेपी का मानना है कि मोदी की गारंटी और शाह का बूथ मैनेजमेंट इस बार सत्ता परिवर्तन कराएगा।

3. ममता का '10 प्रतिज्ञा' मेनिफेस्टो: कल्याणकारी योजनाओं का सुरक्षा कवच
ममता बनर्जी ने अपने मेनिफेस्टो '10 प्रतिज्ञा' के जरिए सीधे तौर पर महिला और युवा वोट बैंक को साधने की कोशिश की है: लक्ष्मी भंडार: सामान्य वर्ग की महिलाओं को ?1500 और SC/ST को ?1700 मासिक देने का वादा। युवा साथी: बेरोजगार युवाओं को ?1500 मासिक पॉकेट मनी। द्वारे चिकित्सा: हर घर तक मुफ्त चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने का संकल्प। तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि उनकी कल्याणकारी योजनाएं बीजेपी के ध्रुवीकरण और भ्रष्टाचार के आरोपों पर भारी पड़ेंगी।

4. तीसरा मोर्चा (लेफ्ट-कांग्रेस): किंगमेकर या वोट कटवा? इस बार कांग्रेस और लेफ्ट अलग-अलग राह पर दिख रहे हैं। लेफ्ट फ्रंट: माकपा (CPI-M) ने बड़ी संख्या में नए और युवा उम्मीदवारों को टिकट दिया है। उनका लक्ष्य उन मतदाताओं को अपनी ओर खींचना है जो टीएमसी और बीजेपी दोनों से नाराज हैं। कांग्रेस: अधीर रंजन चौधरी जैसे दिग्गज नेता अपनी पारंपरिक सीटों (जैसे बहरामपुर) को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

प्रभाव: यदि तीसरा मोर्चा 10-12' वोट हासिल करता है, तो यह सीधा बीजेपी को सत्ता की दहलीज तक पहुँचा सकता है, क्योंकि यह वोट बैंक पारंपरिक रूप से टीएमसी का रहा है।

5. मतदाताओं का मिजाज: क्या कहते हैं आंकड़े? ताज़ा ओपिनियन पोल्स के अनुसार, मुकाबला बेहद 'कांटे' का है। जहाँ ग्रामीण बंगाल और महिला मतदाता अभी भी ममता बनर्जी के 'लक्ष्मी भंडार' के साथ मजबूती से खड़े दिख रहे हैं, वहीं शहरी बंगाल और युवा वर्ग बदलाव की बात कर रहा है। उत्तर बंगाल और जंगलमहल में बीजेपी की पकड़ मजबूत है, जबकि दक्षिण बंगाल टीएमसी का गढ़ बना हुआ है।

महानगर मेट्रो का निष्कर्ष:

क्या मोदी-शाह का 'परिवर्तन' का सपना सच होगा या ममता बनर्जी अपनी '10 प्रतिज्ञाओं' के दम पर चौथी बार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगी? बंगाल का मतदाता इस बार बहुत खामोश है, और यह 'चुप्पी' किसी बड़े तूफान का संकेत हो सकती है।

तारीखें याद रखें:

पहला चरण: 23 अप्रैल 2026
दूसरा चरण: 29 अप्रैल 2026
नतीजे: 4 मई 2026

1. उम्मीदवारों का चयन: बीजेपी की 'दमदार' घेराबंदी
इस बार बीजेपी ने अपनी रणनीति बदलते हुए तृणमूल के गढ़ों में उन्हीं के पूर्व दिग्गजों और स्थानीय कद्दावर चेहरों को उतारा है। सबसे बड़ा मुकाबला भवानीपुर में है, जहाँ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ बीजेपी ने सुवेंदु अधिकारी को उतारकर मुकाबले को 'हाई-प्रोफाइल' बना दिया है। बीजेपी की रणनीति स्पष्ट है—ममता बनर्जी को उनके अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में उलझाए रखना ताकि वे राज्यभर में प्रचार के लिए कम समय निकाल पाएं।

2. मोदी-शाह की रैलियां बनाम ममता का मेनिफेस्टो

* बीजेपी का वार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की रैलियों में 'भ्रष्टाचार', 'सिंडिकेट राज' और 'घुसपैठ' जैसे मुद्दों को हवा दी जा रही है। पीएम मोदी का नया नारा 'पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार' युवाओं और शहरी मतदाताओं को आकर्षित कर रहा है।

* ममता का पलटवार: ममता बनर्जी ने अपने 10 संकल्पों (मेनिफेस्टो) के जरिए सीधे गरीबों के दिल पर चोट की है। 'लक्ष्मी भंडार' की राशि में वृद्धि और 'युवा साथी' जैसी योजनाएं उनके सुरक्षा कवच का काम कर रही हैं। ममता इस चुनाव को 'बंगाल की बेटी बनाम बाहरी' के नैरेटिव पर ले जा रही हैं।

3. लेफ्ट और कांग्रेस: क्या 'तीसरा मोर्चा' किंगमेकर बनेगा?
इस बार के चुनाव में एक बड़ा ट्विस्ट कांग्रेस का अकेले चुनाव लड़ना है। लेफ्ट (वामपंथी दल) ने अपने युवा चेहरों को मैदान में उतारा है, लेकिन वे मुख्य रूप से एक 'वोट कटवा' की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

* बीजेपी को फायदा या नुकसान? यदि लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन मजबूत होता है, तो यह टीएमसी के मुस्लिम और ग्रामीण वोटों में सेंध लगा सकता है, जिसका सीधा फायदा बीजेपी को 'सत्ता परिवर्तन' के करीब ले जा सकता है। हालांकि, मौजूदा ओपिनियन पोल बताते हैं कि मुकाबला मुख्य रूप से द्विपक्षीय (TMC vs BJP) ही है।

4. मतदाताओं का मिजाज और ओपिनियन पोल
ताज़ा सर्वे (VoteVibe/CNN-News18) के अनुसार:

* TMC: 184-194 सीटें (बहुमत के करीब)
* BJP: 98-108 सीटें (बड़ी बढ़त, लेकिन सत्ता से दूर)
* मुद्दे: भ्रष्टाचार और बेरोजगारी सबसे बड़े मुद्दे हैं, लेकिन 'बंगाली अस्मिता' और सरकारी योजनाओं का लाभ ममता के पक्ष में माहौल बना रहा है।

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

गंगा फिर भी मैली

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान ह्यनमामि गंगेह्ण शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

सेहत से खिलवाड़ कब तक, खेत से थाली तक विष ही विष

मुकेश तिवारी

दूध हो या सब्जियां या फिर खाद्यान्न लोगों की सेहत के साथ हो रहा खिलवाड़ अब किसी से ढका छुपा नहीं है हाल की घटनाओं से यह बात भी सामने आ चुकी है कि नामी-गिरामी कंपनियां भी इस गोरखधंधे में बिना किसी हिचकिचाहट के शामिल है ,हैरानी की बात यह है कि इतना सब कुछ जग जाहिर होने के बाद हम अभी तक कोई ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाए जिससे बच्चे से लेकर बूढ़े तक के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके, निगरानी का अभाव और लाचार कानून मिलावटखोरों को सींकचों पीछे जाने से रोक रहे हैं । हरित क्रांति का मकसद देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है । इस दिशा में देश को अभूतपूर्व सफलता भी मिली लेकिन कब जहरीले पंजों ने खेती किसानी में घुसपैठ कर ली,पता नहीं चला हद तो तब हो गई जब जानबूझकर प्रदेश सरकारे इस ओर आंखें मूंदे रहीं हैरानी इस बात की है। इस गंभीर मामले को अभी तक हमारे राजनीतिक दल अपनी नीतियों का हिस्सा नहीं बना पाए मुनाफा कमाने की अंधी दौड़ ने किसानों को भी परंपरागत खेती से पीछे छोड़ दिया और बढ़ती आबादी की जरूरत और मुनाफाखोरी की हवस ने मिलावट खोरी की जड़े गहरी कर दी पिछले तीन दशकों में खेती-किसानी में आए बदलाव ने उत्पादन को बढ़ाया लेकिन इस बदलाव के भयानक दुष्परिणामों पर ध्यान नहीं दिया गया। बैल और मवेशियों की जगह अब ट्रैक्टर और दूसरे आधुनिकतम यंत्रों ने ले ली है । लिहाजा गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद अब खेतों में दिखाई नहीं देतीं। फसल कटाई के पश्चात उसके रखरखाव में कीटनाशकों का जमकर उपयोग हो रहा है। जो स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही आसपास के वातावरण को भी दूषित कर रहा है। कड़वा सच तो यह है कि आज खतरा सिर्फ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से ही नहीं है बल्कि खाद्य पदार्थों में जिस तरह मिलावट खोरी का कारोबार तेजी से पनप रहा है वह मानवीय स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है । टमाटर गोभी और मूली, पालक जैसी सब्जियां पहले सिर्फ जाड़े के मौसम में ही बिकती थी। लेकिन अब वे मौसमी सब्जियां बारहों महीने धडल्ले से बिकने लगी हैं। महानगरों में इन सब्जियों की मांग अधिक है। क्योंकि अब लोगों के खानपान की शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई आर्थिक नीति के पश्चात देश में शहरी करण का तेजी के साथ विस्तार हुआ है। दिलचस्प तथ्य यह है कि शहरों में रह रहे लोगों की आमदनी बढ़ने का असर लोगों के रहन-सहन और खान-पान पर भी पड़ा है । वहीं यह कड़वा सच है बेमौसम फल और सब्जियां खाने की ललक ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बेहद बढ़ावा दिया है । यहां ध्यान देने की बात यह है कि वेमौसमी फल और सब्जियों को उगाने में उर्वरक और कीटनाशक ज्यादा लगता है। यह तथ्य भी काफी दिलचस्प है कि दूध ,दही, पनीर फल और अनाज में भी आजकल जमकर मिलावट हो रही है। इस मामले में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मांसाहार हो या शाकाहार ऐसा कोई खाद्य पदार्थ नहीं है जो विषैले कीटनाशक और मिलावट से रहित हो बाजार में उपलब्ध आम , केला और पपीता जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाइड की मदद से पकाया जाता है । खाद्य वस्तुओं में विषैले रसायनों के अतिरिक्त कई दूसरे किस्म की खतरनाक चीजों की मिलावट को चिकित्सक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक मानते हैं। सूत्रों का कहना है कि फलों को चमकाने के लिए उन पर वेक्स भी लगाया जाता है । चिकित्सकों के मुताबिक वैक्स युक्त फलों का सेवन करने से डायरिया और कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। कृषि उत्पादों विशेषकर सब्जियों और डेयरी में ऑक्सीटॉसिन का बेहिचक होकर उपयोग हो रहा है। हैरानी इस बात पर है कि ऑक्सीटॉक्सिन का गलत ढंग से इस्तेमाल न हो इसलिए सरकार ने इसकी खुली बिक्री पर पाबंदी लगा रखी है । इसके बावजूद हिंदुस्तान भर में ऑक्सीटोक्सिन का उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने के लिए खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 और प्रिवेशन आफ फूड एडल्टरेशन एक्ट 1955 बनाया गया है । लेकिन इस एक्ट का ईमानदारी के साथ पालन नहीं हो रहा है। इन सब के बावजूद त्योहारों , शादी के सीजन में देश के प्रथक प्रथक भागों में कुंतल नकली मावा, पनीर, क्रीम,जप्त किया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कुछ माह पूर्व कृत्रिम और मिलावटी दूध के गोरखधंधे का खुलासा किया था।

मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता परखने के लिए भेजे गए हैपलोग्रुप के परिणाम बताते हैं कि पिछले तीन सालों में औसतन 13-16 फीसदी सैपल अचानक पाये गये।

प्राधिकरण ने अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया था कि देश में बिकने वाला 68.5 प्रतिशत दूध मिलावटी है । अभी हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगो की मौत हो गई,जबकि तीन लोग गभीर रुप से बीमार है।दूध में मिलावट के कारण हुई मौतों के पीछे दूध में एथिलीन ग्लाइकोल नाम का जहरीला पदार्थ मिलाया जाना वताया जा रहा है।खुले बाजार में उपलब्ध पीसे हरे धनिया का चटक हरा रंग देख कर ग्राहक आकर्षित होता है । लेकिन इस सच्चाई को जाने बगैर कि इसमें रंग धान की भूसी और घोड़े की लीद मिली हुई है। ऐसे मिलावटी धनिए को उपयोग में लेने से लीवर किडनी और तिल्ली काफी प्रभावित होती है इसी तरह आटे में भी तमाम सारी चीजों की मिलावट की जाती है। तुअर और चने की दालों में भी खेसारी मटर बटरे की मिलावट की जाती है। ग्राहकों को हानिकारक तत्वों की मिलावट का पता न चले इसलिए बड़े ही सुनियोजित ढंग से दालों पर पोलिस की जाती है। खेसारी दाल में एक खास तरह का रसायन पाया जाता है । इस दाल के इस्तेमाल से स्नायु तंत्र और गठिया से जुड़ी बीमारियां होती हैं।

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

ऋतुपर्ण दवे

वास्तव में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरूआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थिएटर ऑफ नेशंसष सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वाताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक.अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरूआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दशार्ता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है ! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चचाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के ष्नाट्य शास्त्रष द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटकए पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वगीर्कृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफरए आर्ट डायरेक्टरए स्क्रिप्ट लेखकए सेट डिजाइनरए लाइटए साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककारए कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा ! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैंए जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.मानेए प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष.महिलाएं महज कलाकार हैं।श शेक्सपियर ने हैमलेटए रोमियो.जूलियटए मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्यए तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायकए कोई खलनायकए कोई विदूषकए तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग.अलग चरणों में भिन्न.भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं।

इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25.27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष हैए जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवादए सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने.माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा हैए जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभवए चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीखए समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिएए लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्मए धर्म और सत्य को समझना.स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

दिल्ली पुलिस का तोबड़तोड़ एक्शन अवैध रूप से किताबों छपाई करने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

दिल्ली पुलिस ने अवैध किताब छपाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। साथ ही, 20 हजार से ज्यादा पायरेटेड किताबें जब्त कीं और एक

आरोपी को गिरफ्तार किया। नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से किताबों की छपाई में शामिल एक गिरोह का भंड़ाफोड़ करते हुए 67 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी एक प्रकाशन समूह की किताबों की अवैध छपाई और बिक्री में कथित तौर पर शामिल है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपी ज्वाला प्रसाद सोनी कॉपीराइट वाली किताबों की अनधिकृत छपाई, भंडारण और वितरण में लिप्त एक संगठित नेटवर्क चला रहा था। उन्होंने बताया कि 14 मार्च को मिली एक शिकायत के आधार पर, एक टीम ने रोहिणी सेक्टर-16 में छापा मारा और परिसर से अवैध रूप से छपी (पायरेटिड) 8,593 किताबें जब्त कीं। पुलिस ने 67 वर्षीय ज्वाला प्रसाद सोनी को गिरफ्तार किया है, जो एक संगठित नेटवर्क के जरिए नामी प्रकाशन समूहों की किताबें अवैध रूप से छाप और बेच रहा था। रोहिणी सेक्टर-16 और अन्य ठिकानों पर छापेमारी के दौरान कुल 20,137 पायरेटिड किताबें जब्त की गईं। आनंद पर्वत औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक प्रेस से दो प्रिंटिंग मशीनें, चार किताबों के नेगेटिव और 12 प्रिंटिंग प्लेट्स भी बरामद हुई हैं। यह कार्रवाई 14 मार्च को मिली एक शिकायत के बाद की गई, जिसमें कॉपीराइट नियमों के उल्लंघन का आरोप था।

क्या कह रही पुलिस

पुलिस ने बताया कि आगे की जांच के दौरान, पास के एक अन्य स्थान पर छापेमारी की गई और वहां से अवैध रूप से छपी 11,544 और किताबें बरामद हुईं, जिससे कुल जब्त की गई प्रतियों की संख्या 20,137 हो गई।

ये सब हुआ बरामद

अधिकारी ने बताया, 'इसके बाद, आनंद पर्वत औद्योगिक क्षेत्र में एक प्रेस से दो प्रिंटिंग मशीनें बरामद की गईं, साथ ही अवैध रूप से छपी चार किताबों के नेगेटिव और कॉपीराइट सामग्री की नकल करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 12 प्रिंटिंग प्लेट भी बरामद की गईं।'

वंदे भारत ट्रेन में परोसा खराब खाना, कंपनी पर लगा 50 लाख का जुर्माना, IRCTC पर भी फाइन

महानगर मेट्रो

पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में खानेखाखा की खराब गुणवत्ता की शिकायत पर भारतीय रेलवे ने IRCTC पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. साथ ही संबंधित सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख का जुर्माना लगाकर उसका कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के आदेश दिए गए हैं. रेलवे ने यात्री सुरक्षा और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है. भारतीय रेलवे ने वंदे भारत एक्सप्रेस में खाने की गुणवत्ता को लेकर बड़ी कार्रवाई की है. रेलवे ने अपनी ही कंपनी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. यह कार्रवाई पटना से टाटानगर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में भोजन की गुणवत्ता को लेकर मिली शिकायत के बाद की गई है. जानकारी के अनुसार, 15 मार्च 2026 को ट्रेन संख्या 21896 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में एक यात्री ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी. इस शिकायत को रेलवे ने गंभीरता से लिया और जांच के बाद कार्रवाई की गई. रेलवे ने IRCTC पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. इसके अलावा संबंधित सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है. साथ ही उस कंपनी के कॉन्ट्रैक्ट को समाप्त करने के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं.

वंदे भारत में खाने की गुणवत्ता पर उठे सवाल

रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और उन्हें मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही या मानकों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. भारतीय रेलवे अपने विशाल नेटवर्क के जरिए हर दिन लाखों यात्रियों को सेवाएं प्रदान करता है. IRCTC के माध्यम से प्रतिदिन 15 लाख से अधिक यात्रियों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है. यह दुनिया के सबसे बड़े ऑनबोर्ड फूड ऑपरेशनों में से एक माना जाता है. रेलवे का कहना है कि इस तरह के बड़े नेटवर्क में गुणवत्ता बनाए रखना बेहद जरूरी है. इसलिए जब भी किसी तरह की शिकायत सामने आती है, तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जाती है. इस घटना के बाद रेलवे ने स्पष्ट कर दिया है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा. खाने की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर जिम्मेदार एजेंसियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे.

खराब सेवा पर कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के आदेश

यह कार्रवाई उन सभी सेवा प्रदाताओं के लिए भी एक संदेश है कि यात्रियों को बेहतर सेवा देना उनकी जिम्मेदारी है. रेलवे ने कहा है कि आगे भी इस तरह की शिकायतों पर नजर रखी जाएगी और जरूरी कदम उठाए जाएंगे.

खाकी वाले रियल धुरंधर 490 दरोगा एकसाथ देखने पहुंचे Dhurandhar 2, खुद मेरठ SSP ने बुक किए दो सिनेमाघर

महानगर मेट्रो

उत्तरप्रदेश के मेरठ के एसएसपी अविनाश पांडेय ने 498 दारोगा के साथ फिल्म 'धुरंधर 2' देखी। फिल्म के जरिए दरोगा को बड़ी सीख देने का प्रयास किया गया। मेरठ में एसएसपी अविनाश पांडेय का अलग ही रूप सामने आया है। वे नए बैच के 498 दरोगा के साथ ' धुरंधर 2 ' फिल्म देखने पहुंच गए। फिल्म में जिस प्रकार से खुद और अपने परिवार के ऊपर देश को रहने की सीख दी गई है, उसे दरोगा तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। भले ही यह फिल्म कॉमर्शियल हो, लेकिन इसने जिस प्रकार से देशभक्ति की भावनाओं को जगाया, वही भावना नए दरोगा में भरने की कोशिश करते नजर आए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान समय में किस प्रकार काम करना चाहिए। माफियाओं के नेटवर्क को कैसे ध्वस्त करना चाहिए, सब कुछ एक ट्रेनिंग के तौर पर देखा जा रहा है। मेरठ में पुलिस विभाग की कार्यशैली को लेकर एक अलग ही पहल सामने आई है। आमतौर पर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जानी जाने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस बार अपने पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देने के लिए एक अनोखा रास्ता सिनेमा को चुना। मेरठ जिले के एसएसपी अविनाश पांडेय नेनए बैच के 498 दरोगाओं के साथ सिनेमा हॉल में धुरंधर 2 मूवी देखी।

दो हॉल किए बुक

दरअसल, मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) अविनाश पांडेय अपने साथ 498 दरोगाओं को लेकर दिल्ली रोड स्थित शॉपिंग मॉल के वेव सिनेमा पहुंचे। अपने सभी नए बैच के दरोगा के साथ धुरंधर-2 फिल्म देखी। इस विशेष आयोजन के लिए मल्टीप्लेक्स के दो हॉल बुक किए गए थे, जिससे यह कार्यक्रम न सिर्फ विभाग के भीतर बल्कि पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गया। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मी सरकारी गाड़ियों के काफिले के साथ सिनेमा हॉल पहुंचे, जिसे देखने वालों के लिए यह दृश्य किसी फिल्मी सीन से कम नहीं था। हालांकि, इस पहल के पीछे का मकसद केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि इसे एक तरह की सिनेमाई ट्रेनिंग के रूप में देखा जा रहा है।

फिल्म में यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली

माफिया नेटवर्क का मुकाबला और एक पूर्व डीजीपी के मजबूत किरदार को प्रमुखता से दिखाया गया है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि फिल्मों के माध्यम से जटिल परिस्थितियों, रणनीतियों और निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी ढंग से समझाया जा सकता है। यही वजह है कि इस फिल्म को ट्रेनिंग टूल के रूप में चुना गया। पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार, इस तरह की पहल से पुलिसकर्मियों को न सिर्फ नए दृष्टिकोण मिलते हैं, बल्कि उनका मनोबल भी बढ़ता है। लगातार तनाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने वाले पुलिसकर्मियों के लिए यह एक तरह का मानसिक रिफ्रेशमेंट भी साबित हो सकता है।

लोगों की आई प्रतिक्रिया

हालांकि, इस फैसले को लेकर शहर में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे पुलिस का नवाचार और आधुनिक सोच बता रहे हैं। वहीं कुछ इसे पारंपरिक ट्रेनिंग से हटकर एक प्रयोग मान रहे हैं, जिसकी उपयोगिता पर सवाल भी उठाए जा रहे हैं। विशेष बात यह भी है कि इस आयोजन के जरिए पुलिस विभाग ने अप्रत्यक्ष रूप से जनता तक जीरो टॉलरेंस का संदेश पहुंचाने की कोशिश की है, यानी अपराध के खिलाफ सख्त रुख और कानून का सख्ती से पालन। दरोगा सर्विंद और महिला दरोगा अनु ने बताया कि मूवी काफी अच्छी है, लेकिन पूरी मूवी देखने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। एक अन्य दरोगा ने ऑफ कैमरा बताया कि मनोरंजन के रूप में तो सही है, लेकिन हकीकत में पुलिस महकमे के लिए काफी कुछ सीखने वाली फिल्म है। शायद कप्तान साहब ने आज के हालातों को देखते हुए नए बैच को ये मूवी दिखाई है जो सराहनीय है।

घबराहट में सिलेंडर-ईंधन न खरीदें... CM योगी बोले- अफवाहों से बचें, सप्लाई पूरी तरह सामान्य

महानगर मेट्रो

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने गैस और तेल-पेट्रोल को लेकर हो रही घबराहट पर लोगों से संयम रखने की अपील की है. उन्होंने कहा कि प्रदेश में सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी पहले की तरह जारी रहेगी. बेवजह लाइन लगाने या ज्यादा खरीदारी करने से स्थिति बिगड़ सकती है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोग बेवजह घबराकर रसोई गैस और ईंधन के लिए लाइन में लग रहे हैं, जबकि इसकी कोई जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि पहले एक गैस सिलेंडर एक महीने तक चलता था, लेकिन अब लोग 5-6 दिन में ही नया सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं, जो सही नहीं है. उन्होंने साफ किया कि सरकार ने प्रदेश में व्यवस्था बनाई है कि गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी पहले की तरह जारी रहेगी. जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि एजेंसियां लोगों के घर तक सिलेंडर पहुंचाएं, इसलिए लाइन लगाने की जरूरत नहीं है. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग अफवाह फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं और अव्यवस्था पैदा करना चाहते हैं. ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है और अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए. उन्होंने कहा कि जब जरूरत हो तभी पेट्रोल और डीजल लेने जाएं, अनावश्यक खरीदारी से स्थिति बिगड़ती है. उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में, खासकर मध्य पूर्व में युद्ध और अस्थिरता का माहौल है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है. हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित है और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है. मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अगर यह युद्ध लंबा चलता है तो इसका असर हर व्यक्ति पर पड़ सकता है, इसलिए लोगों को मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए. उन्होंने कहा कि किसी भी चुनौती के समय सरकार के साथ मिलकर चलना ही सच्ची राष्ट्र भक्ति है और देशहित में लिए गए फैसलों का समर्थन करना चाहिए. बता दें कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने साथ मिलकर ईरान पर हमला किया था. इस हमले में ईरान के टॉप लीडरशिप की मौत हो गई. इसके बाद बड़े स्तर पर पश्चिम एशिया में जंग छिड़ गई. ईरान ने होर्मुज के रास्ते को बंद कर दिया. नतीजतन दुनिया के कई मुल्कों में ऊर्जा संकट गहरा गया. इससे सबसे ज्यादा प्रभावित एशिया के मुल्क हो रहे हैं.

'एलपीजी मतलब लापता गैस', अखिलेश यादव ने LPG सिलेंडर के संकट पर घेरा, कहा- कोरोना के दिन याद आ गए

महानगर मेट्रो

अखिलेश यादव ने यूपी में एलपीजी संकट और लंबी लाइनों को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला और कहा आज LPG का मतलब लापता गैस हो गया, कोरोना के दिन याद आ गए। लखनऊः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश में ईंधन संकट को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने एलपीजी की कमी और लंबी लाइनों पर सरकार की तैयारियों को नाकाफी बताया। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि आज एलपीजी का मतलब लापता गैस हो गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में लोग गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी लाइनों में खड़े नजर आ रहे हैं, लेकिन सरकार के पास इस समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं है।

भाजपा सरकार पर जनता को सिर्फ लाइन में खड़ा करने का आरोप

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने जनता को सुविधाएं देने के बजाय सिर्फ लाइन में खड़ा करना सिखाया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो साफ दिखाते हैं कि लोग गैस और पेट्रोल के लिए घंटों इंतजार करने को मजबूर हैं। अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि अगर महीने की शुरुआत में ही लोग सिलेंडर भरवाने जाएं तो उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 'सरकार ने पहले से क्या तैयारी की थी?' यह सवाल उन्होंने सीधे प्रशासन पर रखा।

सिलेंडर का वजन घटाने पर उठाए सवाल

अखिलेश यादव ने एलपीजी सिलेंडर के वजन को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 14.2 किलो के सिलेंडर को घटाकर 10 किलो करना अगर सरकार की रणनीति थी, तो उसके अनुसार सिलेंडरों की संख्या डेढ़ गुना बढ़ाई जानी चाहिए थी। जब हर सिलेंडर में 4 किलो से ज्यादा गैस बच रही थी, तो उसे दूसरे सिलेंडरों में भरकर सप्लाई बढ़ाई जा सकती थी। लेकिन सरकार ने इस दिशा में कोई काम नहीं किया। अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

कोरोना काल की याद दिला रहा ईंधन संकट

अखिलेश यादव ने इस स्थिति की तुलना कोरोना काल से करते हुए कहा कि उस समय भी लोग जरूरी चीजों के लिए लाइनों में खड़े थे और अब फिर वही हालात बनते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कोरोना के दिन याद आ गए हैं, जब लोग हर चीज के लिए लाइन में खड़े होते थे। आज भी वही तस्वीर नजर आ रही है।' उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने व्यवस्थाओं को सुधारने के बजाय हालात और खराब कर दिए। सपा प्रमुख ने चेतावनी दी कि जनता अब भी वही लाइन में लगाकर राजनीतिक सफाया करेगी।

7 महीने बाद कब्र से निकाला गया आरिश का शव... मां ने कहा- बेटे को गोली मारी गई थी, बहू पर आरोप

महानगर मेट्रो

उत्तर प्रदेश के हापुड़ में सात महीने पहले एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी. इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर अब उस युवक का शव कब्र से निकाला गया है और दोबारा पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. मृतक की मां ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि गोली मारकर की गई हत्या बताया है. बहू पर गंभीर आरोप लगाए हैं. हापुड़ के बहादुरगढ़ क्षेत्र के मोहम्मदपुर रुस्तमपुर गांव में सनसनीखेज कहानी सामने आई है. यहां इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर एक शव को कब्र से निकाला गया है. यह शव करीब सात महीने पहले दफनाया गया था. अब पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. मृतक आरिश के परिजनों ने शुरू से ही मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई थी. मृतक की मां का आरोप है कि आरिश को लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारी गई थी. बिना कार्रवाई के दफनाए गए शव को अब हाईकोर्ट के आदेश पर दोबारा जांच के लिए निकाला गया है.आरिश की मौत के बाद ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था. आरोपी पत्नी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई थी. इसके बाद परिजन इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे. हाईकोर्ट के आदेश पर 7 माह बाद आरिश के शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है. हत्या की धारा में दर्ज मामले की फिर जांच की जाएगी. मोहम्मद रुस्तमपुर गांव के रहने वाले आरिश के कमरे में 8 अगस्त 2025 की रात करीब 12 बजे गोली चलने की आवाज आई थी. आवाज सुनकर आरिश की मां फलकनाज सहित परिजन कमरे में पहुंचे तो आरिश खून से लथपथ मिला. अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई थी. आरिश की शादी अप्रैल 2025 में बिजनौर की राहिमा से हुआ था. शादी के बाद से दोनों में अक्सर झगड़े होते थे. घर में तनाव बना रहता था. घटना के समय पुलिस ने इसे तनाव के कारण की गई आत्महत्या माना था. बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के शव दफना दिया गया था. अब इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद स्थानीय मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव के कब्रिस्तान पहुंची और ग्रामीणों व परिजनों की मौजूदगी में कब्र की खुदाई कराई. इसके बाद आरिश के शव के अवशेष निकाले गए. इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई.

थाना बहादुरगढ़ के प्रभारी धीरज मलिक ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. फॉरेंसिक टीम और डॉक्टरों का पैनल इस मामले की जांच करेगा. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी. जांच में जो भी आरोपी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

'मां के बगल में छोटे सोफे पर सोता रहा', राहुल गांधी का भावुक वीडियो, सोनिया की हेल्थ पर अस्पताल का ये बयान

महानगर मेट्रो

सोनिया गांधी बीते मंगलवार से अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। इस बीच बेटे राहुल गांधी अस्पताल पहुंचे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता की हेल्थ को लेकर अपडेट लिया।

राहुल गांधी ने सोनिया गांधी का अस्पताल में जाना हाल

नई दिल्लीः कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में एडमिट हैं, जहां डॉक्टरों ने उनकी सेहत को लेकर अपडेट दिया है। डॉक्टरों ने बताया कि सोनिया गांधी की तबीयत में सुधार है। संक्रमण के इलाज यानि एंटीबायोटिक का पॉजिटिव रेस्पॉन्स मिला है। बुखार के बाद उन्हें 24 मार्च को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस बीच राहुल गांधी गुरुवार सुबह-सुबह सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे और मां सोनिया गांधी की सेहत को लेकर जानकारी ली।

राहुल गांधी ने जब अस्पताल में छोटे से सोफे पर गुजारी रात

इससे पहले राहुल गांधी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केरल में एक सभा को संबोधित करते हुए अहम खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे मंगलवार रात जब मां सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ी तो उन्हें अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा। इस दौरान मां की देखभाल के लिए उन्होंने अस्पताल में एक छोटे से सोफे पर पूरी रात गुजारी।

सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार सुबह सर गंगा राम अस्पताल पहुंचे, जहां उनकी मां और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भर्ती हैं। उन्होंने इस बीच अपना केरल दौरा रद्द कर दिया है। उधर, डॉक्टरों ने गुरुवार सुबह सोनिया गांधी की हेल्थ को लेकर अहम अपडेट दिया है। सर गंगा राम अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, डॉ. डी.एस. राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में उनका एंटीबायोटिक्स से इलाज चल रहा है। इलाज से वरिष्ठ कांग्रेस नेता को फायदा हो रहा है।

सोनिया गांधी की हेल्थ को लेकर क्या है अपडेट

अस्पताल ने बताया कि सोनिया गांधी को मंगलवार रात 10:22 बजे सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर है। डॉक्टरों की एक टीम उनकी स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और उन्हें एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं। बुधवार को सर गंगाराम अस्पताल के प्रमुख डॉ. अजय स्वरूप ने बताया था कि उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। चिकित्सकों की एक टीम उनके स्वास्थ्य पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

केरल की नर्स राज्य की भावना का उदाहरण : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि इसलिए, जब पूरी दुनिया सो रही होती है, तब केरल, दिल्ली और दुनिया के बाकी हिस्सों की नर्स लोगों को दिलासा दे रही होती हैं। उनके हाथ थाम रही होती हैं और उन्हें आराम पहुंचा रही होती हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, यही केरल की भावना है। एक नर्स केरल का बेहतरीन उदाहरण है। वह मरीजों के बीच उनके धर्म, समुदाय या आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। वह अपना कर्तव्य निभाती है।'

मौसम में बदलाव का असर

अस्पताल ने कहा कि डॉक्टर पेट और 'यूरिनरी ट्रैक्ट' में संभावित संक्रमण के बारे में जानने के लिए जांच कर रहे हैं और उपचार के लिए एंटीबायोटिक्स दी गई हैं। सूत्रों ने पहले कहा था कि सोनिया गांधी संभवतः मौसम में बदलाव के कारण अस्वस्थ थीं और उन्हें देखभाल के लिए भर्ती कराया गया था। उनका कहना था कि चिंता की कोई बात नहीं है और उनकी हालत गंभीर नहीं है।

राहुल गांधी ने बताया कैसे गुजारी अस्पताल में रात

कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस बीच गुरुवार सुबह सोनिया गांधी का हाल जानने सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बुधवार को कहा कि केरल की नर्स राज्य की भावना का उदाहरण हैं क्योंकि वे धर्म, समुदाय या आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर मरीजों के बीच भेदभाव नहीं करती हैं।

राहुल ने शेयर किया केरल की नर्स से जुड़ा अनुभव

राहुल गांधी ने यह टिप्पणी केरल की एक नर्स के साथ अपने निजी अनुभव के आधार पर की, जब उनकी मां सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती थीं। राहुल इसी वजह से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के चुनावी कार्यक्रम के लिए केरल नहीं आ सके थे। इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होते हुए राहुल ने कहा कि जब उनकी मां अस्पताल में थीं और वह वहां थे तो हर घंटे केरल की रहने वाली एक नर्स आकर सोनिया गांधी की जांच करती थी। इससे उन्हें राहत मिली क्योंकि वह उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थे।

नीरज बवाना-नवीन बाली गैंग पर पुलिस का शिकंजा, ऑपरेशन गैंग बस्ट 2026 के तहत दो शार्प शूटरों को पकड़ा

महानगर मेट्रो

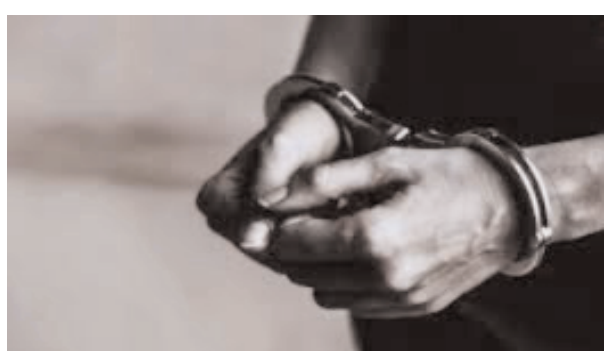

दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन गैंग बस्ट 2026' के तहत नीरज बवाना गैंग के दो शार्प शूटरों को हथियारों सहित गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। नई दिल्लीः आउटर नॉर्थ जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात नीरज बवाना-नवीन बाली गैंग के दो एक्टिव शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई ' ऑपरेशन गैंग बस्ट 2026 ' के तहत की गई, जिसमें आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। दोनों आरोपी दिल्ली के पूठ गांव इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे।

बड़ी वारदात को अंजाम देने की थी कोशिश

डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी के मुताबिक, 23 मार्च 2026 की रात करीब 11:30 बजे स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि गैंग के कुछ सदस्य हथियारों के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही टीम ने नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में घेराबंदी कर दो संदिग्धों सतेंदर निवासी रोहिणी और तरुण उर्फ तोरी निवासी बवाना को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो पिस्टल (.32 बोर), एक 9 एमएम पिस्टल, दो देसी कट्टे और 8 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

दोनों आरोपी गैंग का थे हिस्सा

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी लंबे समय से नीरज बवाना-नवीन बाली गैंग से जुड़े हैं। आरोपी सतेंदर पर हत्या की कोशिश, रेप और पॉक्सो एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज हैं। वहीं तरुण उर्फ तोरी पर लूट, आर्म्स एक्ट और हत्या की कोशिश जैसे मामलों में पहले भी गिरफ्तारी हो चुकी है। वर्ष 2020 में स्पेशल सेल के साथ मुठभेड़ के बाद भी इसे पकड़ा गया था।

जालना में पेट्रोल-डीजल की पैनिक बाइंग...कई पंप बंद, पुलिस के पहरे में दिया जा रहा ईंधन

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र के जालना जिले में ईंधन की कमी से हाहाकार मचा हुआ है. शहर के कई पेट्रोल पंप बंद होने के बाद खुली जगहों पर उमड़ी बेकाबू भीड़ को संभालने के लिए पुलिस तैनात करनी पड़ी है. प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर सख्त सीमाएं लगा दी हैं. महाराष्ट्र के जालना में पेट्रोल और डीजल को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है. सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों और पैनिक के कारण शहर के कई पेट्रोल पंप अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. जबकि जिन पंपों पर अभी-भी ईंधन उपलब्ध है, वहां लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है. इसी तरह चौधरी नगर इलाके के एक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल उपलब्ध होने की खबर फैलते ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. देखते-ही-देखते पंप पर लंबी कतारें लग गईं और भीड़ बेकाबू होने लगी. जब प्रशासन को इसकी जानकारी मिली तो प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया. अब हर वाहन को पुलिस की मौजूदगी में ही तेल दिया जा रहा है, ताकि कतारों में विवाद न हो. शहर के बाकी पंप बंद होने से इस पेट्रोल पंप पर दबाव काफी बढ़ गया है.

आपूर्ति विभाग ने लागू की राशनिंग

इसके पूरे घटनाक्रम के बाद जालना का आपूर्ति विभाग भी तुरंत हरकत में आ गया और स्थिति को देखते हुए पेट्रोल-डीजल पर राशनिंग लागू कर दी. नई गाइडलाइन के मुताबिक, किसी भी दोपहिया वाहन चालक को 200 रुपये से अधिक का पेट्रोल नहीं मिलेगा. वहीं, तीनपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए ये लिमिट 2000 रुपये तय की गई है. पंप संचालकों को आदेश दिया गया है कि वो किसी को भी बोतल या कैन में तेल न दें, अगर वो ऐसा करते हुए पाए जाते हैं तो पंप संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. जिले में ईंधन की आपूर्ति को फिर से सुचारू बनाने के प्रयास युद्ध स्तर पर जारी हैं. प्रशासन ने पेट्रोल पंप मालिकों को नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है. अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वो संयम बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें. फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, लेकिन पुलिस की तैनाती से अफरा-तफरी कम हुई है.

कार की चाबी लेकर निकला नाबालिग... साइकिल सवार बिजनेसमैन को रौंदा, सामने आया भयानक वीडियो

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र राज्य के कल्याण में नाबालिग की लापरवाही से हुए सड़क हादसे में साइकिल सवार व्यवसायी श्रीनिवास तंडाले की मौत हो गई. तेज रफ्तार कार की टक्कर CCTV में कैद हुई है. पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लेकर वाहन जब्त कर लिया है, जबकि अभिभावकों की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठने लगे हैं. महाराष्ट्र के कल्याण में एक दर्दनाक सड़क हादसे में नाबालिग लड़के की लापरवाही ने एक जाने-माने बिजनेसमैन की जान ले ली. तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल चला रहे व्यवसायी श्रीनिवास तंडाले की मौके पर ही मौत हो गई. इस हादसे का पूरा घटनाक्रम पास लगे CCTV कैमरे में कैद हो गया है.

साइकिल सवार को मारी जोरदार टक्कर

जानकारी के मुताबिक, एक नाबालिग लड़का घर से कार की चाबी लेकर रिंग रोड पर गाड़ी चलाने निकल गया. इसी दौरान उसका स्टीयरिंग पर से नियंत्रण हट गया और सड़क पर साइकिल चला रहे श्रीनिवास तंडाले को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि तंडाले की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद खड़कपाड़ा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कार को जब्त कर लिया. पुलिस ने 17 साल के नाबालिग आरोपी को बुधवार सुबह करीब 9 बजे हिरासत में ले लिया है. इस मामले में नाबालिग की मां, कामिनी योगेश पांडे, के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है. वहीं पिता के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है.

ट्रैफिक और तेज रफ्तार वाहनों की संख्या बढ़ी

यह हादसा कल्याण के चंदोरी के पास रिंग रोड पर हुआ, जो इन दिनों तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग के कारण हादसों का हॉटस्पॉट बनता जा रहा है. स्थानीय लोगों के मुताबिक, पहले इस सड़क पर बैरिकेड्स लगाए गए थे, लेकिन कुछ दिन पहले उन्हें हटा दिया गया, जिसके बाद यहां ट्रैफिक और तेज रफ्तार वाहनों की संख्या बढ़ गई है. साइकिलिंग ग्रुप के सदस्य डॉ. रहनुमा ऐत शमुद्दीन ने बताया कि इस सड़क पर मॉर्निंग वॉक, जॉगिंग और साइकिलिंग करने वाले लोगों की सुरक्षा खतरे में है. इस घटना के विरोध में गुरुवार को साइकिलिंग ग्रुप और स्थानीय नागरिक प्रदर्शन करेंगे. इस हादसे ने एक बार फिर नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने और अभिभावकों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

भोपाल-इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा बदलाव, अब थानों पर बढ़ेगी ACP की नजर, कोर्ट की फाइलें निपटाएंगे

महानगर मेट्रो

भोपाल । मध्य प्रदेश के दो सबसे महत्वपूर्ण पुलिस कमिश्नरेट भोपाल और इंदौर अपनी कार्यप्रणाली को अधिक पेशेवर और प्रभावी बनाने के लिए एक बड़े प्रशासनिक बदलाव की दहलीज पर हैं। दोनों शहरों में पिछले चार साल से खाली पड़े 'एसीपी लीगल' के पदों को भरने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस नई व्यवस्था के तहत, अब एसीपी कोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई का पूरा जिम्मा एसीपी लीगल संभालेंगे, जिससे सब-डिवीजन में तैनात एसीपी पूरी तरह से थानों की मॉनिटरिंग और अपराध नियंत्रण पर फोकस कर सकेंगे।

कोर्ट का बोझ हटेगा, फील्ड में बढ़ेगी सक्रियता

वर्तमान व्यवस्था में सब-डिवीजन के एसीपी को मैदानी ड्यूटी के साथ-साथ कोर्ट की पेशियों और लंबी कानूनी प्रक्रियाओं में घंटों समय देना पड़ता है। इससे थानों की निगरानी और कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है। एसीपी लीगल की नियुक्ति के बाद यह विभाजन स्पष्ट हो जाएगा। एक अधिकारी दो जोन की अदालती कार्यवाही देखेगा, जिससे फाइलें भी जल्दी निपटेंगी और फील्ड वाले अफसर सड़कों पर अपराधियों पर नकेल कस सकेंगे।

एसीपी लीगल के आने से सब-डिवीजन के अधिकारियों को मैदानी पुलिसिंग के लिए ज्यादा वक्त मिलेगा। हमने मुख्यालय से जल्द नियुक्तियों की मांग की है ताकि व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सके। संजय कुमार, पुलिस आयुक्त, भोपाल

भोपाल में 2 अफसर संभालेंगे 4 जोन

भोपाल कमिश्नरेट को चार जोन में बांटा गया है। योजना के अनुसार, पहले एसीपी लीगल को जोन-1 और जोन-2 की जिम्मेदारी दी जाएगी, जबकि दूसरे अधिकारी जोन-3 और जोन-4 के अदालती मामले देखेंगे। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत आने वाले शांति भंग, बाउंड ओवर और आदतन अपराधियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई जैसे मामलों की सुनवाई अब पूरी तरह 'लीगल एक्सपर्ट' अफसरों के हाथ में होगी।

क्यों जरूरी था यह कदम

विशेषज्ञों का मानना है कि कमिश्नरेट प्रणाली का असली मकसद पुलिस को मजिस्ट्रेट पावर देना था ताकि फैसले तुरंत हों। लेकिन अफसरों की कमी के चलते 'पावर' तो मिल गई पर 'समय' नहीं। अब पदों के भरने से पुलिसिंग में वही धार दिखेगी जो दिल्ली या मुंबई जैसे महानगरों में नजर आती है।

'गवर्नर नहीं हो तुम', CM हेल्पलाइन में शिकायत से भड़के लहार ष्टरू, शिकायतकर्ता से बोले- ये पत्नी का नंबर, फोन मत करना

महानगर मेट्रो

मध्यप्रदेश के भिंड के लहार में सीएमओ और जनता के बीच जुबानी जंग सडक पर आ गई है। पत्नी के फोन पर आई एक शिकायत ने साहब का ऐसा पारा चढाया कि उन्होंने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दीं। भिंड जिले में लहार नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामशंकर शर्मा एक बार फिर अपने अभद्र व्यवहार के चलते सुर्खियों में हैं। इस बार उनका एक ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक शिकायतकर्ता को उसकी औकात बताते और गवर्नर न बनने की नसीहत देते सुनाई दे रहे हैं। विवाद की जड़ एक हैंडपंप का चबूतरा और सीएम हेल्पलाइन की शिकायत बनी, जिसने साहब के सब्र का बांध तोड दिया।

पत्नी के नंबर पर फोन और शुरू हुआ विवाद

पूरा मामला वार्ड नंबर 14, जनकपुरा इलाके का है। भीम सेना के जिलाध्यक्ष मौसम मल्होत्रा ने इलाके में खराब पडे सरकारी हैंडपंप के पास चबूतरा न बनने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की थी। जब काम नहीं हुआ, तो उन्होंने सीएमओ को फोन लगाया। बातचीत की शुरुआत में ही सीएमओ भडक गए क्योंकि फोन उनकी पत्नी के नंबर पर गया था। उन्होंने साफ लफ्जों में कहा, 'इस नंबर पर फोन मत किया करो, यह मेरी पत्नी का नंबर है।'

'उंगली मत किया करो'

जैसे ही शिकायतकर्ता ने काम की बात की, सीएमओ रामशंकर शर्मा ने कहा कि शिकायत की है तो काम हो जाएगा। लेकिन बातचीत गाली-गलौज और तीखी बहस तक जा पहुंची। ऑडियो में सीएमओ कहते सुनाई दे रहे हैं, 'तुम गवर्नर नहीं हो। सब काम कर रहे हैं, फिर भी उंगली करते रहते हो।' उन्होंने शिकायतकर्ता पर अधिकारियों को परेशान करने का आरोप लगाया और प्रशासनिक लाचारी का रोना भी रोया।

संसाधनों की बताई कमी

हैरानी की बात यह है कि एक जिम्मेदार पद पर बैठे अधिकारी ने ऑडियो में यह स्वीकार किया कि नगर पालिका के पास संसाधनों की कमी है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को पिछले तीन महीनों से वेतन (सैलरी) तक नहीं मिल पाई है। सीएमओ ने शिकायतकर्ता से कहा कि लोगों से टैक्स जमा करवाओ ताकि कर्मचारियों का पेट भर सके, तब जाकर काम की उम्मीद करो।

पुराना है विवादों से नाता

यह पहली बार नहीं है जब रामशंकर शर्मा चर्चा में आए हों। करीब दो साल पहले भी उनका एक विवादित ऑडियो सामने आया था, जिसमें उन्होंने न्यायपालिका (जज) को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

सातारा जिला परिषद विवाद में NCP नेता रिहा, कोर्ट ने महाराष्ट्र पुलिस को लगाई फटकार, जारी किया कारण बताओ नोटिस

शिवाजीराव देसाई और संदीप मांडवे

महानगर मेट्रो

मुंबई । महाराष्ट्र की एक अदालत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दो स्थानीय नेताओं को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। इन नेताओं को पिछले सप्ताह सतारा जिला परिषद अध्यक्ष चुनाव के दौरान जिला परिषद के एक सदस्य के अपहरण के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने इसके साथ ही गिरफ्तारी प्रक्रियाओं का पालन नहीं करने और उनके साथ हिरासत में दुर्व्यवहार का उल्लेख भी किया। अदालत ने गिरफ्तारी के कागजात उपलब्ध कराने में विफल रहने पर पुलिस को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि आरोपी के मौलिक अधिकारों की कीमत पर हिरासत में पूछताछ की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पुलिस को कारण बताओ नोटिस

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) एस. इवारे ने एनसीपी नेताओं अनिल शिवाजीराव देसाई और संदीप मांडवे को जमानत देते हुए इस बात पर जोर भी दिया कि पीड़ित ने अभियोजन पक्ष के मामले का समर्थन नहीं किया। अदालत ने पुलिस को कारण बताओ नोटिस जारी करके अपने कृत्यों का स्पष्टीकरण देने का निर्देश भी दिया है।

सातारा में हुई थी गिरफ्तारी

एनसीपी नेताओं को सातारा के एक जिला परिषद सदस्य का अपहरण करने और पिछले सप्ताह हुए जिला परिषद अध्यक्ष चुनाव के दौरान उसे धमकाने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। जब आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, तो उन्होंने पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत की।

पुलिस पर बर्बरता का आरोप

दावे के मद्देनजर, जेएमएफसी ने उनकी चिकित्सकीय जांच का निर्देश दिया, जिसके परिणामों से चोटों की पुष्टि हुई। अदालत ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट प्रथम दृष्टया पुलिस बर्बरता के आरोपों का समर्थन करती है। अभियोजन पक्ष के मामले को तब झटका लगा जब पीड़ित ने स्वयं बाद में अपहरण के पुलिस के दावे का खंडन कर दिया। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी ने गिरफ्तारी के समय की गणना के लिए बार-बार कहे जाने के बावजूद गिरफ्तारी प्रपत्र प्रस्तुत नहीं किए।

50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर किया रिहा

मजिस्ट्रेट ने फैसला सुनाया, 'दुर्व्यवहार का संकेत देने वाले चिकित्सा साक्ष्यों को देखते हुए, अदालत की राय है कि आगे पुलिस हिरासत देना उचित नहीं होगा। आरोपियों के मौलिक अधिकारों की कीमत पर हिरासत में पूछताछ की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके बाद अदालत ने दोनों को 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर तत्काल रिहा करने का आदेश दिया।

सातारा जिला परिषद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव शुक्रवार को हुए। आरोप है कि मतदान प्रक्रिया शुरू होने से पहले पुलिस कुछ जिला परिषद सदस्यों को अपने साथ ले गई। शिवसेना के मंत्री शंभूराज देसाई और एनसीपी के मंत्री मकरंद पाटिल ने भी आरोप लगाया है कि चुनाव के दौरान स्थानीय पुलिस ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

गर्भावस्था में बहू को नौकरी छोड़ने की सलाह देना क्रूरता नहीं, मुंबई की कोर्ट ने सास को किया बरी

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई के एक पति और सास के खिलाफ चल रहे केस में बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो

मुंबई : मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने माना है कि गर्भावस्था में बहू को नौकरी छोड़ने की सास की सलाह को क्रूरता नहीं कहा जा सकता है। कोर्ट ने पांच आरोपियों को क्रूरता के आरोप से बरी कर यह फैसला सुनाया है। बहू ने सास पर क्रूरता का आरोप लगाया था। मुलुंड कोर्ट के जुडिशियल मैजिस्ट्रेट एनजी व्यास ने कहा कि सास ने बहू से कहा था कि वह गर्भावस्था के दौरान यात्रा न करे,इस लिए उसे नौकरी छोड़ देनी चाहिए। इसमें जबरजस्ती और दबाव का भाव नहीं था। सास ने बहू को सिर्फ़ नौकरी छोड़ने की सलाह दी थी। एफआईआर से यह प्रतीत नहीं होता है कि बच्ची के जन्म के बाद बहू को नौकरी के लिए बाध्य किया गया हो। मैजिस्ट्रेट ने कहा कि अकसर समझ की कमी के कारण सही बात को गलत ढंग से समझा जाता है। परिवार में मामूली कारणों से झगड़ा हो सकता है। कई बार गलतफहमी, भ्रम और बातचीत की कमी के कारण भी झगड़े होते हैं। झगड़े और विवाद किसी भी पक्ष से हो सकते हैं।

बेटी के जन्म के बाद से क्रूरता करने का आरोप

बहू के मुताबिक, बेटी को जन्म देने के बाद उससे बुरा बर्ताव किया गया था। महिला ने पति पर मारपीट और अपशब्द कहने का आरोप लगाया था। उसके रिश्तेदारों पर झगड़े के लिए उकसाने का आरोप था। इसके कारण उसे ससुराल से मायके जाने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

दस साल पहले दर्ज हुआ था केस

केस से जुड़े दंपती का मई 2010 में विवाह हुआ था। लंबे समय से जारी झगड़े और बदसलूकी से तंग आकर महिला ने साल 2015 में पुलिस में पति, सास और अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने केस को लेकर आईपीसी की धारा 34 और 498ए (क्रूरता) के तहत मामला दर्ज किया था।

दारू पार्टी और बहसबाजी... दोस्त ने गले और सिर पर किए कई वार, उतार दिया मौत के घाट

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र राज्य के पालघर में शराब पीने के दौरान हुए मामूली विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया, जब एक युवक ने अपने ही दोस्त की चाकू मारकर हत्या कर दी. वारदात के बाद फरार आरोपी को पुलिस ने कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया. घटना ने छोटी बातों पर बढ़ती हिंसा को लेकर चिंता बढ़ा दी है. महाराष्ट्र के पालघर जिले में दोस्ती का रिश्ता एक मामूली विवाद के बाद खूनखराबे में बदल गया. शराब पीने के दौरान हुए झगड़े में एक युवक ने अपने ही दोस्त की चाकू मारकर हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है.

घटना मंगलवार रात करीब 10:30 बजे तुलिंज थाना क्षेत्र के मोरेगांव स्थित जिजाई नगर इलाके में हुई. पुलिस के मुताबिक आरोपी पिंटू ठाकुर और मृतक शुभम तिवारी आपस में अच्छे दोस्त थे. घटना के वक्त दोनों साथ बैठकर शराब पी रहे थे. इसी दौरान किसी मामूली बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई.

देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पिंटू ने गुस्से में आकर धारदार हथियार से शुभम पर हमला कर दिया. हमले में उसके सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं. आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था. मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और आरोपी की तलाश शुरू कर दी. तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार दोपहर नालासोपारा इलाके से आरोपी पिंटू ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया. तुलिंज थाना पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी को वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर पकड़ लिया गया. उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के पीछे कोई और कारण तो नहीं था या यह सिर्फ आपसी विवाद का नतीजा था.

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि छोटी-छोटी बातों पर बढ़ते विवाद किस तरह गंभीर अपराध में बदल जाते हैं. पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

पेट्रोल 5 रुपए और डीजल 3 रुपये महंगा, इस प्राइवेट कंपनी ने बढ़ाए दाम

महानगर मेट्रो

प्राइवेट तेल कंपनी नायरा ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर महंगा कर दिया है. भोपाल में नई कीमतें सुबह से लागू होने के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिली. कई ग्राहकों ने सरकारी पंपों का रुख किया. डीजल का स्टॉक भी कुछ पंपों पर खत्म हो गया. कंपनियों का कहना है कि घाटे के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं. मध्य प्रदेश में प्राइवेट तेल कंपनी ने पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ा दी है. तेल कंपनी नायरा ने पेट्रोल 5 रुपए और डीजल 3 रुपए प्रति लीटर महंगा कर दिया है. नई दरें बुधवार सुबह से लागू हो गई हैं. भोपाल में पेट्रोल की कीमत 106.74 रुपये से बढ़कर 111.74 रुपये प्रति लीटर हो गई है. वहीं डीजल 91.86 रुपये से बढ़कर 94.86 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है. यह बढ़ोतरी निजी पंपों पर लागू की गई है, जबकि सरकारी पंपों पर कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

कीमत बढ़ने के बाद पंपों पर पहुंचे लोगों ने नाराजगी जताई. कई ग्राहकों का कहना है कि जब सरकारी पंपों पर दाम नहीं बढ़े हैं, तो निजी कंपनियां ऐसा क्यों कर रही हैं.

पेट्रोल पंप के मैनेजर सतीश ने बताया कि नई कीमतें सुबह 6 बजे से लागू की गई हैं. उन्होंने कहा कि फिलहाल पेट्रोल तो उपलब्ध है, लेकिन डीजल का स्टॉक खत्म हो गया है. इस वजह से पंप पर केवल पेट्रोल ही दिया जा रहा है, जिससे डीजल लेने वाले लोगों को परेशानी हो रही है.

इस मामले पर मध्य प्रदेश पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने भी अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि नायरा ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 महंगा किया है और आने वाले समय में रिलायंस जैसी अन्य निजी कंपनियां भी ऐसा कर सकती हैं.

उन्होंने कहा कि सरकारी तेल कंपनियों पर सरकार का नियंत्रण होता है, इसलिए वे तुरंत दाम नहीं बढ़ातीं. लेकिन निजी कंपनियां बाजार के हिसाब से कीमत तय करती हैं. अजय सिंह के मुताबिक, निजी कंपनियां पहले से ही नुकसान झेल रही हैं. उनका कहना है कि कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 22 प्रति लीटर तक का घाटा हो रहा है, इसलिए उन्हें कीमत बढ़ानी पड़ी. नई कीमतें लागू होने से लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ा है. अब नायरा पेट्रोल पंप पर पेट्रोल के लिए एक लीटर पर 5 रुपये ज्यादा देने पड़ रहे हैं. वहीं डीजल में 3 रुपये की बढ़ोतरी हुई है. इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पंपों पर लोगों में नाराजगी साफ देखने को मिली है. कई लोग पेट्रोल भरवाने पहुंचे, लेकिन बढ़े हुए दाम देखकर हैरान रह गए. एक रिटायर्ड कर्मचारी ने कहा कि वे अपनी गाड़ी का टैंक फुल कराने आए थे, लेकिन अब वे सरकारी पेट्रोल पंप से ही पेट्रोल भरवाएंगे. उनका कहना था कि जब सरकारी पंपों पर दाम नहीं बढ़े हैं, तो निजी कंपनी क्यों बढ़ा रही है. कुछ लोग मजबूरी में पेट्रोल भरवाते नजर आए, क्योंकि उन्हें तुरंत जरूरत थी. लेकिन उन्होंने भी कहा कि आगे से वे दूसरे पंप से पेट्रोल लेना पसंद करेंगे. इस अचानक बढ़ोतरी ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है. फिलहाल, भोपाल में इस बढ़ोतरी को लेकर लोगों में गुस्सा है ।

छिंदवाड़ाः दो सिलेंडर धमाकों से मची तबाही, तीन मकान जलकर राख, आधे शहर की बिजली गुल

महानगर मेट्रो

छिंदवाड़ाः सिविल लाइन क्षेत्र में बुधवार रात हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। रात करीब 10 बजे सिविल अस्पताल के पास अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। दो गैस सिलेंडरों में हुए धमाकों से आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोग संभल भी नहीं पाए और देखते ही देखते तीन मकान पूरी तरह जलकर राख हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले एक तेज धमाका हुआ, जिसके बाद आग की लपटें आसमान तक उठती दिखाई दीं। कुछ ही देर में दूसरा सिलेंडर भी फट गया, जिससे आग ने और भी भयावह रूप धारण कर लिया। धमाकों की गूंज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

तीन परिवारों का सब कुछ खाक

इस हादसे में लक्ष्मण बिनझड़े, लाजवंती मोहबे और ललिता हापसे के मकान पूरी तरह जल गए। पीड़ित परिवारों के अनुसार, घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, जरूरी दस्तावेज और नकदी सब कुछ आग की भेंट चढ़ गया। कई सालों की मेहनत से जोड़ा गया सामान कुछ ही पलों में राख में तब्दील हो गया।

भागकर बचाई जान, बाल-बाल बचे लोग

आग लगने के समय घरों में मौजूद लोगों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। अफरा-तफरी के बीच महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग घबराए हुए बाहर भागते नजर आए। स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद करते हुए सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

दमकल की टीम ने पाया काबू

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग इतनी भीषण थी कि उसे बुझाने में करीब 40 मिनट का समय लगा। स्थानीय लोगों ने भी पानी और अन्य संसाधनों के जरिए आग बुझाने में सहयोग किया। आग की भयावहता को देखते हुए बिजली कंपनी ने एहतियातन आधे शहर की बिजली सप्लाई बंद कर दी, जिससे बचाव कार्य सुचारू रूप से हो सका।

प्रशासन ने शुरू किया नुकसान का आंकलन

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

सवालों के घेरे में सुरक्षा व्यवस्था

इस घटना के बाद क्षेत्र में गैस सिलेंडर सुरक्षा और अग्निशमन व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध होते, तो नुकसान को कम किया जा सकता था। बेघर हुए परिवारों ने प्रशासन से तत्काल राहत राशि, रहने की व्यवस्था और आवश्यक सामान उपलब्ध कराने की मांग की है।

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी पीड़ितों को हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच जारी है, लेकिन इस घटना ने शहर में सुरक्षा को लेकर एक बड़ी चेतावनी जरूर दे दी

मीनोपोज के बाद के मोटापे को यूं घटाएं

मीनोपोज (माहवारी) बंद होने के बाद बढ़ने वाला बैली फैट कई महिलाओं के लिए एक बड़ी समस्या है। ये कोई साधारण फैट नहीं है, जो डाइटिंग और योगा से कम हो जाए! इसलिए इसे जिद्दी फैट भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस वजह को ढूंढ निकाला है कि आखिर मीनोपोज के बाद मोटापा क्यों बढ़ता है? शोधकर्ताओं के मुताबिक, मीनोपोज के बाद एस्ट्रोजन लेवल कम होने से हिप्स और थाईज का फैट लोअर-एब्डॉमन में चला जाता है लेकिन डाइट में बदलाव करके आप शरीर का एक्सट्रा फैट घटा सकते हैं।

आमतौर पर महिलाएं बेली फैट कम करने के चक्कर में हेल्दी फैट का सेवन करना भी छोड़ देती हैं जो कि गलत है। क्या आप जानते हैं कुछ फैट ऐसे भी होते हैं जिनका सेवन बैली फैट घटाने में मदद कर सकता है। जैसे एवोकैडो, ऑलिव्स, सैल्मन मछली और कोकोनट ऑयल। अध्ययन से पता चला है कि एक महीने के लिए हर सप्ताह तीन बार 28 ग्राम साल्मन मछली खाने से लगभग एक किलो से अधिक वजन घटाया जा सकता है। ऐप्पल साइडर विनेगर (सिरका) आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करता है। सिरका में शामिल एसिडिक एसिड प्रोटीन वजन कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही ग्रीन स्मूदी भी आपका बैली फैट घटाने में मददगार हो सकती है।

ये हैं डैंड्रफ को दूर करने के उपाय

अधिकतर महिलाएं डैंड्रफ की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे स्कैल्प में सफेद रंग की पपड़ी जमने लगती है। डैंड्रफ के कारण सिर में खुजली भी होने लगती है। बहुत अधि?क खुजली करने से सिर में घाव बन जाते हैं। साथ ही बालों की जड़ें भी कमजोर हो जाती है। कुछ खास उपायों की सहायता से आप डैंड्रफ की इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से बालों में कंघी करें। इससे बालों की जड़ों से ज्यादा तेल निकलता है। इसके अलावा बालों में कंघी करने से बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है।

डैंड्रफ में अच्छी क्वालिटी के शैंपू का ही इस्तेमाल करें। ऐसे हेयर प्रोड्क्ट का इस्तेमाल करें जिसमें जिंक पाइरिथियन मौजूद होता है। ये डेंड्रफ को दूर करने में कारगर साबित होता है।

एलोवेरा के रस से बालों की मसाज करें और एक घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। नारियल के तेल में कपूर मिलाकर रख लें। नहाने से आधे घंटे पहले इससे बालों की मसाज करें। नियमित रूप से ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। अपने बालों को रोजाना अच्छी क्वालिटी के एंटी-डैंड्रफ शैंपू से धोएं। इससे डैंड्रफ की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाती है। एक गि?लास पानी में चार बड़े चम्मच बेसन मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे बालों में लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर बाल धो लें।

मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो

शादियों का सीजन चल रहा हैं, ऐसे में मेहंदी के बिना श्रृंगार पूरा नहीं होता। मेहंदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्किर इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेहंदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेहंदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी

मेहंदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेहंदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है।

नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेहंदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है।

मेहंदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेहंदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

इस कारण होता है मोतियाबिंद

मोतियाबिंद की समस्या पहले सिर्फ बुजुर्गों में ही पायी जाती थी लेकिन आजकल ये युवाओं ओर बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो उसका असर भी आपके आंखों की रोशनी पर होता है जिससे मोतियाबिंद की समस्या होती है।

हमारी आंख की पुतली के पीछे एक लेंस होता है। पुतली पर पड़ने वाली लाइट को यह लेंस फोकस करता है और रेटिना पर ऑब्जेक्ट की साफ इमेज बनाता है। रेटिना से यह इमेज नर्व्स तक और वहां से दिमाग तक पहुंचती है। आंख की पुतली के पीछे मौजूद यह लेंस पूरी तरह से साफ होता है , ताकि इससे लाइट आसानी से पास हो सके।

कभी-कभी इस लेंस पर कुछ धुंधलापन आ जाता है , जिसकी वजह से इससे गुजरने वाला प्रकाश का रास्ता बंद हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि पूरी लाइट पास होने पर जो ऑब्जेक्ट इंसान को बिल्कुल साफ दिखाई देता है,अब कम लाइट पास होने की वजह से वही ऑब्जेक्ट धुंधला नजर आने लगता है। लेंस पर होनेवाले इसी धुंधलेपन की स्थिति को मोतियाबिंद कहा जाता है। यह क्लाउडिंग धीरे - धीरे बढ़ती जाती है और मरीज की नजर पहले से ज्यादा धुंधली होती जाती है। मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं ये बीमारियां।

मधुमेह

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का कारण ही नहीं है बल्कि आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है। आंखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया। मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं।

यूवाइटिस

यूवाइटिस एक प्रकार की सूजन है जो यूवेइआ में होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें ट्रामा या संक्रमण भी एक हैं। इस बीमारी के कोई भी ज्ञात कारण नहीं है। मोतियाबिंद की समस्या उन लोगों में ज्यादा होती है जो जो यूवाइटिस से ग्रस्त होते हैं। यूवाइटिस अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में तेजी से फैल रही है। भारत में भी इस बीमारी के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। दुनिया में यूवाइटिस को कैंसर से भी खतरनाक माना जा रहा है।

मायोपिया में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा

जो लोग उच्च निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) से प्रभावित होते हैं उनमें मोतियाबिंद का खतरा कहीं अधिक होता है। डॉक्टर के मुताबिक बचपन में देखन की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कॉटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है।

सेहतमंद रहने के लिए सुधारें कुछ आदतें

दिन में सपने देखना

दिन में सपना देखने को अक्सर लोग बुरा मानत हैं। जबकि एक शोध में ये बुरी नहीं बल्कि एक अच्छी आदत मानी गई है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त तेज होती है। वो ना सिर्फ फुर्तीले होते हैं बल्कि काफी बुद्धिमान भी होते हैं। दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त बेहतर होती है, एकाग्रता अधिक रहती है और मल्टीटास्किंग में आसानी होती है।

कुछ ऐसी आदतें भी होती हैं जिन्हें आमतौर पर अच्छा नहीं माना जाता पर इनके साथ भी आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। जैसे कि कॉफी की कम मात्रा सेहत के लिए अच्छीर हो सकती है, लेकिन अधिक कॉफी पीना सेहत के लिए अच्छो नहीं माना जाता। दिनभर में तकरीबन तीन कॉफी पीने से पित्त की पथरी का खतरा कम होता है। किडनी स्टोन के होने का खतरा भी नहीं रहता। इसके अलावा अगर आपका भी मूड खराब है तो आप कॉफी का एक कप जरूर लें। कॉफी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपके मूड को ठीक करने में मदद करते हैं।

चॉकलेट के फायदे

अधिकतर लोग चॉकलेट को जंक फूड मानते हैं इसीलिए रोजाना चाकलेट खाने से बचते हैं पर ऐसा नहीं है, चॉकलेट खाना बुरा नहीं है। रिसर्च के मुताबिक, चॉकलेट सिर्फ आपको मीठा खाने की संतुष्टि ही नहीं देता बल्कि ये दिल की बीमारियों से भी बचाता है। खासतौर पर डार्क चॉकलेट। साथ ही यह निम्न रक्तचाप को भी संतुलित करता है। एक अन्य रिसर्च के मुताबिक, जो लोग अधिक चॉकलेट खाते हैं उन्हें स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है।

गॉसिपिंग से भी है लाभ

गॉसिप करना सेहत के लिए बहुत अच्छां होता है। गॉसिपिंग के दौरान बॉडी से फील गुड हार्मोन रिलीज होता है जो कि तनाव और एंजाइटी से मुक्त करने में मदद करता है। इसके अलावा, ऑफिस में गॉसिपिंग सेफ्टी वॉल्व की तरह होती है, जिससे आप अपने दिल की बात बाहर निकाल सकते हैं।

इस प्रकार लंबे समय तक चलेंगे ब्यूटी प्रोडक्ट

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल , बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें।

डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं।

लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें। स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं।

गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडने के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडने के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

नींद की कमी से बढ़ जाता है कई बिमारियों का खतरा

रात में गहरी नींद सोने से सुबह हम तरोताजा महसूस करने के साथ ही स्वस्थ भी रहते हैं। वहीं नींद की कमी से कई बिमारियों को खतरा बढ़ जाता है। यह देखा गया है कि कई बार नींद नहीं आती या अगर आप रात के समय कम सोते हैं और सोने के बाद बार-बार आपकी नींद खुल जाती है, तो सावधान हो जाएं क्योंकि एक अध्ययन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह आपके याद रखने की क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर सकती है।

ना केवल मानसिक, बल्किा यह शारीरिक सेहत के लिए भी ठीक नहीं है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि इससे डिमेंशिया बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

एक किताब में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है.

किताब को लिखने वाले न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि सोने के दौरान हमारा मस्तिनष्क बहुत से काम करता है.जैसे कि यादों को संचित करने और उन्हें संभालने जैसे काम करता है।

डिमेंशिया एक ऐसी बामारी है, जिसमें आप चीजों को भूलने लगते हैं, आप का मूड बदलने लगता है, काम में आपका मन नहीं लगता और साथ ही आप चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

कम नींद आपके दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिसके चलते व्यक्ति में सोचने-समझने जैसी संज्ञानात्मक क्षमता के साथ चीजों को याद रखने की क्षमता भी कम होने लगती है।

एक अध्ययन में यह भी सामने आया कि कम नींद की वजह से कैंसर होने की आशंका भी बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से बचने

सोने का एक समय बनाएं

हर दिन एक ही समय पर सोएं और उसी समय के अनुसार उठें। इस तरह से अपका दिमाग एक समय पर सोने और उठने का आदि हो जाएगा और आपकी नींद अच्छी होने लगेगी।

देर रात खाने से बचें

रात में सोने से लगभग 3 घंटे पहले तक कुछ ना खाएं क्योंकि देर रात खाते ही लेट जाने से खाना डाइजेस्ट नहीं हो पाता, जिस कारण सोने के बाद बार-बार आपकी आंख खुलती रहती है और आप सुकुन की नींद नहीं ले पाते।

सोते समय लाइट्स बंद रखें

रोशनी का हमारे नींद पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए सोने से पहले सभी लाइट्स को जरुर बंद करें. क्योंकि अंधेरे में नींद अच्छी आती है।

दोपहर में ना सोएं।

जिन लोगों को रात के समय ठीक से नींद नही आती वो लोग दोपहर में कभी ना सोएं।

पंचकूला नगर निगम की एफडीआर में कथित गड़बड़ी, बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

चंडीगढ़ ।

हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवीएसीबी) ने पंचकूला नगर निगम की करीब 150 करोड़ रुपये की सावधि जमा रसीदों (एफडीआर) में कथित गड़बड़ी के मामले में पहली गिरफ्तारी की है। कोटक महिंद्रा बैंक के तत्कालीन ग्राहक संबंध प्रबंधक दिलीप कुमार राघव को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि राघव ने नगर निगम को फर्जी एफडीआर रिपोर्ट भेजी और मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी की। नगर निगम का दावा है कि उसके रिकॉर्ड और बैंक रिकॉर्ड में करीब 150 करोड़ रुपये का अंतर है। बैंक विवरण के अनुसार 16 एफडीआर में जमा राशि 145 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए थी, जबकि खाते में शुरुआत में केवल 2.17 करोड़ रुपये और बाद में 12.85 करोड़ रुपये दिखाई दी, जो निगम के आंकड़ों से मेल नहीं खाती। बैंक ने कहा कि सभी लेनदेन बैंकिंग नियमों के तहत हुए और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एसवीएसीबी ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। जांच अभी जारी है और अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

सुनील मित्तल एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से होंगे रिटायर

नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को किया गया नियुक्त

नई दिल्ली ।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की अफ्रीकी शाखा एयरटेल अफ्रीका में बड़ा नेतृत्व बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा कि संस्थापक सुनील भारती मित्तल जुलाई में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से रिटायर होंगे। यह कदम कंपनी की उत्तराधिकार योजना का हिस्सा है और इसके जरिए नेतृत्व में निरंतरता सुनिश्चित की जाएगी। नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को नियुक्त किया गया है। वहीं श्रावि‍न भारती मित्तल, सुनील मित्तल के बेटे, डिप्टी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी ने कहा कि श्रावि‍न मित्तल संस्थापक परिवार और अहम शेयरधारकों के बीच संपर्क का काम करेंगे और एयरटेल मनी बोर्ड तथा मुख्यालय, दुबई, के साथ बोर्ड संबंधों को बनाए रखेंगे। एयरटेल अफ्रीका की गैर-कार्यकारी निदेशक एनिका पैटियानेन भी जुलाई एजीएम के साथ सेवानिवृत्त होंगी। सुनील मित्तल ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ऑडिट और जोखिम समिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बोर्ड की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद की। सुनील मित्तल ने कहा कि एयरटेल अफ्रीका के पास मजबूत रणनीति और उत्कृष्ट नेतृत्व टीम है। उन्होंने कहा, ÷यह मेरे लिए सम्मान की बात रही कि मैं कंपनी का नेतृत्व कर सका। अब समय आ गया है कि मैं चेयरमैन पद से हटूं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कंपनी का समर्थन करता रहूंगा। एयरटेल अफ्रीका 14 अफ्रीकी देशों में सक्रिय है। कंपनी ने 2010 में जेन टेलकॉम का अधिग्रहण करके अफ्रीका में प्रवेश किया था। सुनील मित्तल 2019 में लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के बाद से चेयरमैन पद पर थे।

सोने के भाव में तेजी, चांदी भी हुई महंगी

सोने की कीमत 1,44,100, चांदी 2,34,700 रुपए पर

नई दिल्ली ।

कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं ने जोरदार तेजी दिखाई है, जिससे निवेशकों का रुझान एक बार फिर सोना और चांदी की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों धातुओं के दाम में मजबूत बढ़त दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,44,100 रुपये तक पहुंच गई है, जिसमें 5,188 रुपये की तेजी देखी गई। इसी तरह चांदी ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और इसकी कीमत 2,34,700 रुपये पर पहुंच गई है, जो 10,759 रुपये की बढ़त को दर्शाती है। बाजार जानकारों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता, डॉलर में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी दोनों में खरीदारी बढ़ी है। यही वजह है कि दोनों धातुओं में इतनी तेज तेजी देखने को मिल रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यही रुख जारी रहता है तो आने वाले दिनों में सोना और चांदी के दाम में और भी उछाल आ सकता है। ऐसे में निवेशकों के लिए यह समय रणनीति के साथ निवेश करने का हो सकता है। फिलहाल, बाजार में जारी इस तेजी ने कीमती धातुओं को फिर से सुर्खियों में ला दिया है और आने वाले सत्रों में इनकी चाल पर सबकी नजर बनी रहेगी।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।

गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे

चॉदी (9999) 227000, चॉदी (99) 226000, टंच 225500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 147000,

कासलीवाल/पीएम/26 मार्च 2026

होटल और रेस्तरां में एलपीजी और ईंधन चार्ज वसूली पर सीसीपीए सख्त

सीसीपीए ने किया स्पष्ट, मेन्यू में लिखी कीमत ही अंतिम

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने होटल और रेस्तरां संचालकों को चेतावनी दी है कि वे ग्राहकों से एलपीजी, गैस, ईंधन या अन्य परिचालन खर्चों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क बिल में न जोड़ें। प्राधिकरण ने यह कदम उपभोक्ताओं से मिली लगातार शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद उठाया है। सीसीपीए ने कहा कि मेन्यू में दर्ज कीमत ही अंतिम कीमत होनी चाहिए और इसके अलावा केवल लागू टैक्स ही बिल में अलग जोड़ा जा सकता है। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि एलपीजी, बिजली, गैस और अन्य परिचालन लागत व्यवसाय का हिस्सा हैं और इन्हें मेन्यू कीमत में शामिल करना ही सही तरीका है। इन खर्चों को अलग से वसूलना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। इससे न केवल पारदर्शिता खत्म होती है बल्कि ग्राहकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ता है। सीसीपीए ने कहा कि कोई भी होटल या रेस्तरां ग्राहकों को किसी भी अतिरिक्त शुल्क के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सभी शुल्क स्वैच्छिक होने चाहिए। अगर कोई रेस्तरां या होटल इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो प्राधिकरण उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगा। सीसीपीए ने यह भी स्पष्ट किया कि चाहे इन शुल्कों को किसी भी नाम से बुलाया जाए, यह सर्विस चार्ज या अतिरिक्त फीस की श्रेणी में आते हैं। बिल में डिफॉल्ट रूप से शुल्क जोड़ना 4 जुलाई, 2022 के जारी सीसीपीए दिशानिर्देशों का उल्लंघन है।

देशभर में पेट्रोल-डीजल की मांग में अचानक उछाल

एचपीसीएल ने आश्वासन दिया, ईंधन की कोई कमी नहीं

मुंबई ।

देशभर के पेट्रोल पंपों पर हाल के दिनों में भीड़ बढ़ने लगी है, क्योंकि पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक तेज़ी देखी गई है। सरकारी तेल कंपनी` हिंदुस्तान पेट्रो लियम कारपोरेशन` लिमिटेड (एचपीसीएल) के अनुसार, पिछले दो दिनों में ईंधन की बिक्री में 15 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी 50 फीसदी तक पहुंच गई है। एचपीसीएल ने साफ किया है कि यह उछाल मुख्य रूप से अचानक हुई खरीदारी और अफवाहों के कारण है, न कि किसी वास्तविक कमी की वजह से। कंपनी ने कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी सप्लाई सेंटर पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अफवाहों के कारण हुई इस अचानक मांग के उछाल को देखते हुए, जनता को सुरक्षित और संयमित खरीदारी करनी चाहिए।

उड़ान योजना के नए चरण को मंजूरी, 10 वर्षों में 28,840 करोड़ खर्च होंगे

दूरदराज क्षेत्रों में हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए 100 नए एयरपोर्ट का होगा विकास

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उड़ान योजना के अगले चरण को मंजूरी दे दी है। इस चरण के तहत 2026-27 से अगले 10 वर्षों में कुल 28,840 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह आवंटन पिछले दशक के मुकाबले काफी अधिक है, जब सरकार ने व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) और हवाई अड्डों के विकास पर करीब 9,200 करोड़ रुपये खर्च किए थे। नई योजना के तहत बंद पड़ी हवाई पट्टियों को पुनर्जीवित करते हुए 100 हवाई अड्डों का विकास किया जाएगा, जिस पर 12,159 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा, दुर्गम और दूरदराज क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 3,661 करोड़ रुपये की लागत से 200 आधुनिक हेलीपैड बनाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि क्षेत्रीय हवाई अड्डे सीमित आय और उच्च संचालन एवं रखरखाव लागत की चुनौती से जूझते हैं। इसे देखते हुए अगले तीन वर्षों तक एयरपोर्ट्स को वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रति हवाई अड्डा 3.06 करोड़ रुपये सालाना और हेलीपोर्ट तथा वाटर एरोड्रोम के लिए 90 लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान किया गया है।

इस मद में 2,577 करोड़ रुपये का कुल आवंटन 441 एरोड्रोम के लिए किया गया है। वहीं गैर-लाभकारी हवाई मार्गों पर उड़ान संचालन के लिए एयरलाइंस को वीजीएफ के तहत 10 वर्षों में 10,043 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी।

सरकार का मानना है कि इस योजना से देश में सस्ती हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और भारत का विमानन क्षेत्र वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।

कोटक म हिंद्रा बैंक ने सावधि जमा धोखाधड़ी मामले में दर्ज की शिकायत

बैंक नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत कर रहा मिलान

नई दिल्ली ।

पंचकुला नगर निगम से जुड़े सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) में कथित धोखाधड़ी के मामले के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने हरियाणा पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बैंक ने कहा कि वह नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत मिलान कर रहा है। बैंक प्रवक्ता ने बताया कि अब तक मिलान से पुष्टि हुई है कि खाता खोलने की प्रक्रिया, केवायसी दस्तावेज और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता सही थे और लेन-देन बैंकिंग नियमों के अनुरूप प्रबंधित किए गए। बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन राशि का एक बड़ा हिस्सा नगर निगम के साथ मिलान हो चुका है और प्रक्रिया अब भी जारी है। बैंक ने यह भी कहा कि वह नगर निगम, सरकारी अधिकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पूरी तरह सहयोग कर रहा है। यह मामला हरियाणा सरकार की जमा राशि से जुड़ी अन्य धोखाधड़ी की घटनाओं के बीच सामने आया है। हाल ही में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्माल फाइनेंस बैंक में भी अनियमितताएं पाई गईं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में चंडीगढ़ शाखा में 645 करोड़ रुपये की विसंगतियों का पता चला, जिसमें कर्मचारियों ने जाली

दस्तावेज़ और भुगतान निर्देशों मंजूर किए। इसमें शामिल कर्मचारियों को निलंबित किया गया और फोरेंसिक ऑडिट के लिए केपीएमजी नियुक्त किया गया। हरियाणा सरकार ने 18 फरवरी को निजी बैंकों में रखे सरकारी खातों को बंद करने का निर्देश दिया।

इसके बाद कई खातों को बंद करने के अनुरोध आए और विसंगतियाँ उजागर हुईं। कोटक महिंद्रा बैंक का मामला अभी जांचाधीन है

और बैंक ने धोखाधड़ी की राशि सार्वजनिक नहीं की है।

बांग्लादेश 56वें स्वतंत्रता दिवस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव में

बांग्लादेश की विकास दर वित्त वर्ष 2022 के बाद लगातार घटती जा रही

नई दिल्ली । बांग्लादेश 26 मार्च को अपना 56वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, लेकिन देश के सामने आर्थिक चुनौतियां भी हैं। वित्त वर्ष 2016 से 2019 तक देश की जीडीपी में 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान यह विकास दर गिर गई और अर्थव्यवस्था डगमगा गई। महामारी के बाद सुधार हुआ, लेकिन वित्त वर्ष 2022 के बाद विकास दर लगातार घटती रही और वित्त वर्ष 2025 में यह केवल 3.5 फीसदी पर आ गई। मुद्रास्फीति भी लगातार बढ़ी है। वित्त वर्ष 2016 में यह 5.92 फीसदी थी और 2021 तक 6 फीसदी से नीचे रही। हाल के वर्षों में कीमतों में तेज़ी से वृद्धि हुई और वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति 10 फीसदी से अधिक हो गई। बढ़ती महंगाई ने आम नागरिकों की जीवनशैली पर दबाव डाला है। वित्त वर्ष 2016 में व्यापार घाटा 15.78 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2022 में 50.62 अरब डॉलर तक बढ़ गया। वित्त वर्ष 2024 में यह घटकर 27.3 अरब डॉलर हो गया, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में निर्यात में गिरावट के कारण व्यापार घाटा दोबारा बढ़कर 38.19 अरब डॉलर हो गया। देश में समय-समय पर राजनीतिक अस्थिरता रही है। नई सरकार, बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान के नेतृत्व में, ऐसे समय में चुनौतियों का सामना कर रही है .

पीएनजी नेटवर्क वाले इलाकों में नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

सरकार एलपीजी संकट से निपटने के लिए पीएनजी को दे रही बढ़ावा

नई दिल्ली। सरकार ने आदेश जारी कर कहा है` कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध है, वहां के घरों को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। यदि कोई उपभोक्ता तीन महीने के भीतर पीएनजी के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उस पते पर एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। यह नियम केवल उन घरों पर लागू होगा, जहां पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है या बिछाई जा रही है। तकनीकी अड़चन वाले मामलों में अनापत्ति प्रमाण पत्र देना आवश्यक होगा। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ना है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव कम हो। पीएनजी को घरेलू उपयोग के लिए सुविधाजनक और स्थिर ईंधन विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जारी आदेश में पाइपलाइन बिछाने और विस्तार के लिए समयबद्ध रूपरेखा दी गई है, जिससे मंजूरी और भूमि तक पहुंच में देरी जैसी अड़चनों को कम किया जा सके। देशभर में अब तक 307 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क विस्तार की मंजूरी दी गई है। 110 क्षेत्रों में 9,046 पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य एलपीजी पर निर्भरता घटाना और ईंधन

आपूर्ति को स्थिर रखना है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का कुल 50 फीसदी आवंटन सुनिश्चित किया है। और पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है। देशभर के पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। मुंद्रा पोर्ट ने निर्यातकों के लिए 15 दिन तक मुफ्त भंडारण, रेफर प्लग-इन शुल्क में 80 फीसदी छूट और लिफ्ट-ऑन/लिफ्ट-ऑफ व परिवहन शुल्क माफ करने जैसी सुविधाएं शुरू की हैं। इससे पश्चिम एशिया संकट के दौरान निर्यातकों को राहत मिलेगी।

इस निर्णय से घरेलू ईंधन आपूर्ति स्थिर होगी

और पीएनजी का उपयोग बढ़ाकर एलपीजी पर दबाव कम किया जा सकेगा।

ओडिशा और कर्नाटक में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का तेजी से विस्तार

चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर, 363.3 एकड़ के लिए आईएसपीआरएल को मांग पत्र मिल चुका

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी है कि ओडिशा और कर्नाटक में भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) की विस्तार परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। ओडिशा के चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर हो चुकी है, जिसमें से 363.3 एकड़ के लिए इंडिया स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) को मांग पत्र मिल चुका है। शेष 36.7 एकड़ के लिए जल्द मांग पत्र जारी होने की उम्मीद है। कर्नाटक के पाडुर में भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा हो चुका है। देश में पहले से ही आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और कर्नाटक के मंगलूर और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन क्षमता वाले एसपीआर मौजूद हैं। ये भंडार आपूर्ति संकट के समय बफर के रूप में काम करते हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि देश की वर्तमान कुल राष्ट्रीय भंडारण क्षमता 74 दिन की है, जिसमें तेल विपणन कंपनियों की 64.5 दिनों की क्षमता शामिल है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार सदस्य देशों को पिछले वर्ष के शुद्ध आयात के बराबर 90 दिनों का तेल भंडार बनाए रखना होता है। सरकार ने जुलाई 2021 में ओडिशा (चंद्रिखोल) और कर्नाटक (पाडुर) में 65 लाख टन क्षमता वाली दो नई वाणिज्यिक-सह-रणनीतिक भंडार सुविधाओं को पीपीपी मॉडल के तहत मंजूरी दी थी। परियोजना की कुल लागत 14,527 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है,

जिसमें 60 प्रतिशत तक वित्तपोषण का व्यवहार्यता अंतर शामिल है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए सरकार पूरे देश में पर्याप्त स्टॉक स्थापित करने पर जोर दे रही है। इन भंडारों से आपूर्ति संकट के समय देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

अमेरिका-ईरान तनाव से म्युचुअल फंड एनएफओएस पर ब्रेक

फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने भारतीय म्युचुअल फंड इंडस्ट्री को भी प्रभावित किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मार्च में लगभग दो दर्जन नई योजनाओं को मंजूरी दी है, लेकिन अब तक केवल 9 नई इक्विटी योजनाएं (एनएफओएस) ही लॉन्च हुई हैं। फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए, जबकि पहले दो हफ्तों में 19 योजनाओं के लिए फाइलिंग हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च आम तौर पर वित्त वर्ष के अंत का महीना होने के कारण एनएफओएस की संख्या कम रहती है, लेकिन इस साल भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने स्थिति और जटिल बना दी है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ प्रतिनिधि का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, बढ़ती मुद्रास्फीति और ब्याज दरों की चिंताओं के कारण निवेशक नई योजनाओं में तुरंत निवेश नहीं कर रहे हैं। फंड कंपनियां इस समय नए एनएफओ लॉन्च करने में हिचकिचा रही हैं और बाजार स्थिर होने का इंतजार कर रही हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा है। मार्च में निफ्टी-50 लगभग 9 फीसदी गिर चुका है। पिछले 18 महीनों में बाजार पहले ही भारी बिकवाली का सामना कर चुका है। भू-राजनीतिक तनाव और तेल की कीमतों में तेजी से निवेशकों का विश्वास कमजोर हुआ है, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली शुरू हो गई है। म्युचुअल फंड कंपनियां और निवेशक दोनों ही अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू बाजार दबाव को देखते हुए सतर्क हैं। मार्च में एनएफओएस की धीमी रफ्तार और शेयर बाजार में गिरावट संकेत देती है कि निवेशक केवल स्थिरता लौटने के बाद ही नए निवेश करने में रुचि दिखा रहे हैं।

जीएसटी कटौती से वाहन और कृषि उत्पादों की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोक सभा में कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में सुधार लागू करने के बाद देश में आर्थिक गतिविधियों में स्पष्ट बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्री ने बताया कि खुदरा यात्री वाहन बिक्री में 26.1 प्रतिशत, ग्रामीण यात्री वाहन बिक्री में 34 प्रतिशत, और दोपहिया वाहन बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ट्रैक्टर की बिक्री में भी 36.4 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। सीमेंट उत्पादन लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा। वित्त मंत्री ने कहा कि मासिक जीएसटी संग्रह में भी हाल के महीनों में लगातार वृद्धि हुई है। तमिलनाडु में दिसंबर 2025 में 8 प्रतिशत, जनवरी 2026 में 5 प्रतिशत और फरवरी 2026 में 18 प्रतिशत की एसजीएसटी वृद्धि देखी गई। मंत्री ने पहले सुविधा, बाद में प्रवर्तन दृष्टिकोण दोहराया। विलंबित ऑडिट में तकनीकी चूक के लिए निश्चित जुर्माने की व्यवस्था और शून्य कटौती प्रमाणपत्र के लिए नियम-आधारित स्वचालन की घोषणा की। प्राथमिक सहकारी समितियों को दूध, फल, सब्ज़ियां,

पशु चारा और कपास बीज की आपूर्ति पर कर कटौती का लाभ मिलेगा। सदस्यों को मिलने वाले लाभांश पर अनुकूल कर उपचार लागू होगा। भारत के मछली पकड़ने वाले जहाजों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों और गहरे समुद्र में शुल्क से छूट मिलेगी। 1 अप्रैल 2026 से लागू नए आयकर प्रावधान अनुपालन सरल बनाएंगे, अपील सीमा बढ़ाएंगे और मुकदमेबाजी कम करेंगे।

डेटा केंद्रों के लिए निवेश प्रोत्साहन घरेलू अवसंरचना निर्माण और स्थानीय मूल्य संवर्धन से जुड़े हैं,

जिसमें निवेश का अनुमान 70 अरब डॉलर है।

चार्ली चैपलिन की अपील : युद्ध ख़त्म करो शांति के मार्ग पर चलो

-नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें

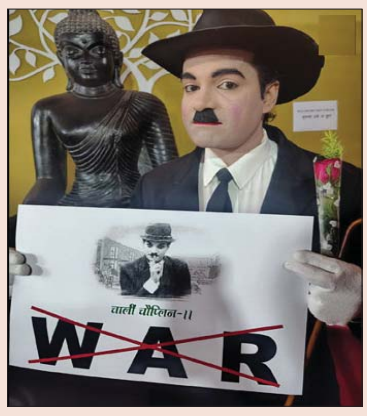

पटना (बिहार) (एजेंसी)। चार्ली चैपलिन द्वितीय हीरो राजन कुमार ने ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध को रोकने की अपील की है। वह पटना में भगवान बुद्ध की मूर्ति के सामने खड़े होकर लोगों की समस्या को देखते हुए युद्ध को तत्काल रोकने का निवेदन कर रहे हैं हीरो राजन कुमार एक कलाकार के साथ - साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं ।वह सदैव सामाजिक मुद्दों पर जनहित में आवाज उठाते हैं। दुनियाभर में युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं,जिसमें 1000 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। लंदन में 30,000 से ज्यादा लोगों ने सड़कों पर उतरकर युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया, जबकि मैड्रिड, एथेंस, एम्स्टर्डम, एडिनबर्ग, मॉन्ट्रियल, जर्मनी और ऑस्ट्रिया में भी विरोध प्रदर्शन तेज हुए हैं। चार्ली चैपलिन द्वितीय का युद्ध ख़त्म करने को लेकर अपील का अंदाज़ हाथ में नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें हैं।

नाबालिगों के यौन शोषण मामले में फंसे बीजेपी नेता के बेटे के खिलाफ जांच तेज

-गोवा के डीजीपी ने क्राइम ब्रांच को सौंपा मामला, बोले- निष्पक्षता से होगी जांच

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोपों में फंसे बीजेपी पार्षद के बेटे सोहम नाइक के खिलाफ अपनी जांच तेज कर दी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अब यह मामला क्राइम ब्रांच को सौंपा गया है। गोवा के डीजीपी ने जनता और पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया है कि पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्षता से काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीपी ने कहा कि इस मामले को क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर करने के पीछे ठोस कारण हैं। यह मामला अत्यंत संवेदनशील है और इसमें कई कड़ियों को जोड़ने के लिए गहराई से तफ्तीश की जरूरत है। स्थानीय थानों पर कानून-व्यवस्था का भारी बोझ होता है, जबकि क्राइम ब्रांच का मुख्य ध्यान केवल जांच पर केंद्रित रहता है। जटिल आपराधिक मामलों को सुलझाने के लिए क्राइम ब्रांच के पास विशेषज्ञता और ज्यादा समय उपलब्ध होता है। आरोपी के राजनीतिक रसूख को लेकर उठ रहे सवालों पर डीजीपी ने भरोसा दिलाया कि गोवा पुलिस तेजी से और निष्पक्ष जांच कर रही है। किसी के मन में कोई शक नहीं होना चाहिए। अगर कोई बड़ा डेवलपमेंट होता है, तो इसकी जानकारी दी जाएगी। फिलहाल सोहम नाइक पुलिस की गिरफ्त में है और क्राइम ब्रांच उन सभी नाबालिगों से जुड़े सबूत जुटा रही है जिनका शोषण किए जाने का आरोप है। पुलिस इस मामले में किसी भी बड़े नेटवर्क या अन्य संदिग्धों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

अलग-अलग जगह से 30 लाख से ज्यादा का नशा पकड़ा, राजस्थान में 5 बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान के तहत एक ही दिन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पांच बड़ी कार्रवाई कर करीब 30 लाख 32 हजार रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए। इस ऑपरेशन में कुल 4 किलो अफीम, 15 किलो गांजा और 18 किलो डोडा पोस्त बरामद किया। यह अभियान एडीजी दिनेश एमएन के मार्गदर्शन और आईजी विकास कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। भीलवाड़ा के मांडल क्षेत्र में पुलिस ने चित्तौड़गढ़ निवासी मुकेश कुमार ढोली को 2.058 किलो अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया, जो जयपुर सप्लाई करने की तैयारी में था। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ इलाके में माणकसर ओवरब्रिज के पास योगेश कुमार अरोड़ा को 1.062 किलो अफीम और 15.04 किलो डोडा पोस्त के साथ पकड़ा गया। बाड़मेर के धनाऊ में 'श्री बजरंग बली एंटरप्राइजेज' नामक किराना दुकान से अवैध नशे का कारोबार करने वाले देराजराम जाट को बोगस ग्राहक के जरिए 690 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। बारां में बीना-कोटा पैसेंजर ट्रेन से नशा ला रहे मलखान माली को रेलवे स्टेशन पर 15.282 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया। हनुमानगढ़ के टिब्बी थाना क्षेत्र में मलखेड़ा गांव के पास एक क्रेटा कार से प्रशिक्षित स्निफर डॉग की मदद से 2.600 किलो डोडा पोस्त बरामद किया।

कोलकाता में पार्टी के दौरान दो गुटों में जबरदस्त फायरिंग, टीएमसी समर्थक ने तोड़ा दम

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में एक पार्टी के दौरान हुई हिंसक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। कोलकाता के वार्ड नंबर 101 में दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गोलाबारी शुरू हो गई। इस घटना में 36 वर्षीय राहुल दे की मौत हो गई, जबकि जीत मुखर्जी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात करीब 12:30 बजे की है, जब एक इमारत की छत पर पार्टी चल रही थी। बताया गया कि जीत मुखर्जी ने अपने घर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें राहुल को भी आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कुछ लोग छत पर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान अचानक विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते फायरिंग हो गई। मौके से कई खाली कारतूस बरामद किए गए हैं, जिससे साफ है कि कई राउंड गोलियां चलाई गईं। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि विवाद पैसों के बंटवारे को लेकर हुआ हो सकता है। घटना के बाद वहां मौजूद अन्य लोग डरकर भाग गए। पड़ोसियों ने गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब तक राहुल और जीत दोनों घायल अवस्था में पड़े थे।

दुनिया के सबसे लोक्रपिय नेता बने पीएम मोदी, बीजेपी का तंज... कांग्रेस को इस बात से तकलीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में शीर्ष पायदान पर कायम है। हाल ही में मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा कराए गए वैश्विक सर्वेक्षण में उन्हें 68 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उनके निरंतर घरेलू समर्थन और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दिखाता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। यह उनकी विश्वसनीयता को दिखाता है। यह भारत और पूरी दुनिया के लोगों के उनके नेतृत्व में विश्वास को दिखाता हैज.....प्रधानमंत्री मोदी, जो भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्राध्यक्ष भी हैं, सत्ता समर्थक रुख, लोकप्रियता, निर्भरता और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने भारत की वैश्विक उपलब्धियों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया की आलोचना कर कहा कि लेकिन दूसरी ओर, जब भी भारत को कोई वैश्विक पहचान मिलती है, तब कांग्रेस पार्टी को तकलीफ होती और वहां निराशावाद फैलाना शुरु कर देती है। यह ग्लोबल रेटिंग कांग्रेस के पूरे दावे को ध्वस्त करती है। कांग्रेस कहती है कि पीएम मोदी तानाशाह हैं, लेकिन वे सिर्फ चुनाव जीत रहे हैं और उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। 2 से 8 मार्च, 2026 के बीच एकत्रित की गई ये रेटिंग ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग ट्रैकर का हिस्सा हैं और प्रत्येक सर्वेक्षण किए गए देश में वयस्कों की राय का सात-दिवसीय मूविंग औसत को दिखाती हैं। सर्वेक्षण में पीएम मोदी को अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं से काफी आगे दिखाया गया है। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यंग 62 प्रतिशत अनुमोदन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। तुलनात्मक रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रेटिंग 39 प्रतिशत है, जबकि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की रेटिंग 24 प्रतिशत है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन सर्वेक्षण में शामिल नेताओं में सबसे निचले स्थान पर हैं, उनकी अनुमोदन रेटिंग 17 प्रतिशत और अस्वीकृति रेटिंग 75 प्रतिशत है।

मैंने राम मंदिर का कभी विरोध नहीं किया, निर्माण के लिए दान भी दिया

अयोध्या पहुंचे दिग्विजय सिंह हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में किए दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उन्होंने मंदिर निर्माण का कभी विरोध नहीं किया, बल्कि इसके विपरीत मंदिर ट्रस्ट को दान भी दिया। दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे और वहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राम नवमी के शुभ अवसर पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। भगवान राम का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। राहुल गांधी के अयोध्या दौरे से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इसके बारे में पूछिए, उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में दर्शन किए। बता दें कांग्रेस पार्टी ने जनवरी 2024 में हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया था, जिसे उसने चुनावी हितों से प्रेरित एक राजनीतिक कदम बताया था। पार्टी ने यह भी कहा था कि उस समय मंदिर का निर्माण कार्य अधूरा था और यह आयोजन पूरी तरह से धार्मिक न रहकर एक पक्षपातपूर्ण रूप ले चुका था। इस मुद्दे पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए दिग्विजय सिंह ने अपनी निजी राय स्पष्ट करते हुए कहा कि मैंने इसका कभी विरोध नहीं किया। मैंने दान के माध्यम से अपना योगदान दिया। मैं यहां राजनीति करने नहीं आया हूं। दिग्विजय सिंह के अयोध्या दौरे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। बीजेपी ने उनकी आलोचना करते हुए कहा कि राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए कांग्रेस नेतृत्व को पहले भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने उसमें शामिल न होने का फैसला किया था। भोपाल से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि राम मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान वे कृपया उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें, जिन्होंने 1992 में गोलियां खाई थीं। अगर देश के राजनीतिक नेतृत्व ने इस सच्चाई को पहले ही समझ लिया होता, तो अयोध्या में राम मंदिर कई साल पहले ही बन गया होता।

बंगाल में न्यायिक जांच 32 लाख मामले निपटाए, 13 लाख नाम और हटाए

-अब तक 76 लाख वोटर्स के नाम कटे, चुनाव आयोग ने दिया नया आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोलकाता में बताया कि अब तक कुल 76 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। पहले एसआईआर यानी मतदाता सूची जांच के दौरान 58 लाख नाम हटाए गए। इससे राज्य के कुल वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गए। अब जो नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी न्यायिक जांच में थे। उनमें से 32 लाख मामले निपटाए गए हैं। इनमें से 40 फीसदी यानी करीब 13 लाख नाम और हटाए जा रहे हैं। दोनों मिलाकर कुल 76 लाख के करीब नाम लिस्ट से हटाए जा चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी 28 लाख मामले बाकी हैं। राज्य में 705 न्यायिक अधिकारी इन मामलों को निपटाने में लगे हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी, जिसमें 10 लाख नाम अपलोड किए गए, लेकिन आयोग ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने हटाए गए जिस पर कई लोगों ने नाराजगी जताई। अगली लिस्ट हर शुक्रवार को जारी होगी। 29 लाख मामले हटाए गए थे लेकिन उनमें से सिर्फ एक तिहाई ही पहली लिस्ट में आ सके। वजह न्यायिक अधिकारियों की ई-साइन यानी डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। बाकी नाम धीरे-धीरे जारी किए जाएंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील की है कि उन्हें हर रोज सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की इजाजत दी जाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई 27 मार्च के बाद होगी। 76 लाख नाम हटाना यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। सीएम ममता बनर्जी पहले ही इसे लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। आरोप है कि यह एक खास समुदाय के वोट काटने की कोशिश है। चुनाव आयोग का कहना है कि मृत, पलायन किए, डुप्लीकेट और न मिलने वाले लोगों के नाम हटाए गए हैं।

इजराइल से संबंध के आरोप पर जयशंकर का जबाव... भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता

इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की विदेश नीति ने हाल ही में एक नया आयाम प्राप्त किया है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में बेबाकी और ठोस अंदाज में बताया कि भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता और अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर मोर्चे पर संतुलित और आक्रामक रणनीति रखता है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने भारत को सैन्य संघर्षों में महत्वपूर्ण मदद दी और रक्षा प्रौद्योगिकी में भरोसेमंद साझेदार साबित हुआ। यह बयान पहले छुपी हुई कूटनीतिक हकीकत को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने जैसा था। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और उच्च तकनीक का स्रोत है, जबकि इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी है। विपक्ष द्वारा अमेरिका और इजराइल के साथ भारत की नजदीकियों पर सवाल उठने के बावजूद, जयशंकर ने इन सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया। जयशंकर ने बैठक को संबोधित कर कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर अपनी ताकत दिखाई है।

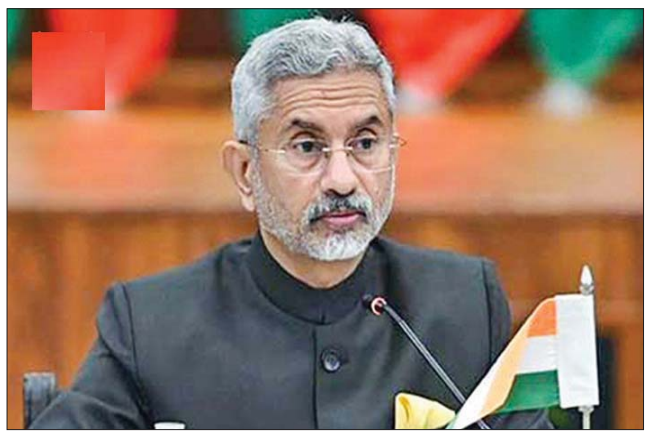

इजराइल के साथ मजबूत रक्षा संबंधों के साथ ही भारत ने ईरान के साथ भी संतुलित और स्थिर संबंध बनाए रखे। होर्मुज जलडमरूमध्य से चार भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने की अनुमति देने जैसे कदम भारत की सामरिक स्थिति की मजबूती को दिखाते हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता के निधन पर भारत ने समय पर शोक संवेदना व्यक्त कर यह संदेश दिया कि वह किसी एक पक्ष के साथ खड़ा नहीं होता।

साथ ही, खाड़ी देशों में रहने वाले अस्सी लाख भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता देकर भारत ने संतुलन बनाए रखा। ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच न ईरान से दूरी बनाई और न ही खाड़ी देशों की अनदेखी की। कोच्चि बंदरगाह पर ईरानी नौसैनिक जहाज को सुरक्षित ठिकाना देने से भारत की समुद्री रणनीति और निर्णायक भूमिका भी उजागर हुई। अब भारत की यह रणनीति वैश्विक मंच पर और स्पष्ट होगी। जयशंकर जी-7 देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने फ्रांस गए हैं, जहां भारत न केवल अपनी बात रखेगा, बल्कि द्विपक्षीय वार्ता के जरिए नए समीकरण भी बनाएगा। रणनीतिक दृष्टि से भारत ने अमेरिका, इजराइल और ईरान जैसे तीन बड़े शक्ति केंद्रों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखकर यह दिखाया कि वह वैश्विक राजनीति में अपनी रणनीति समझदारी से लागू करने में सक्षम है। भारत अब वैश्विक एजेंडा तय करने वाला देश बन चुका है। वह अपने हितों को सर्वोपरि रखता है, अपनी शर्तों पर संबंध बनाता है और जरूरत पड़ने पर हर मोर्चे पर सख्त रुख अपनाता है। नया भारत न तो दबाव में आता है, न भ्रम में पड़ता है। यह देश वैश्विक राजनीति के शतरंज पर हर चाल सोच-समझकर चलाता है और हर बार खेल को अपने पक्ष में मोड़ देता है।

सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा, एक तरह से नरसंहार जैसा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए की सख्त टिप्पणी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 कानपुर सिख विरोधी दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त टिप्पणी की है। सिख विरोधी दंगे से जुड़े मामलों को रद्द करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने इसे भीषण नरसंहार बताते हुए आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया है। जस्टिस अनिश कुमार गुप्ता की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने 9 आरोपियों द्वारा दायर 7 याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि केवल देरी या मूल रिकॉर्ड के अभाव के आधार पर मुकदमा खत्म नहीं किया जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदीप अग्रवाल व अन्य की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका दाखिल कर चार्जशीट एवं सीजेएम कानपुर नगर की कोर्ट में चल रही आपराधिक केस कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह घटनाएं देशभर में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुई हिंसा का हिस्सा थीं, जो एक तरह से नरसंहार जैसा था। आरोपियों ने दलील दी थी कि मूल दस्तावेज जैसे एफआईआर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आदि उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए निष्पक्ष विचारण संभव नहीं है।

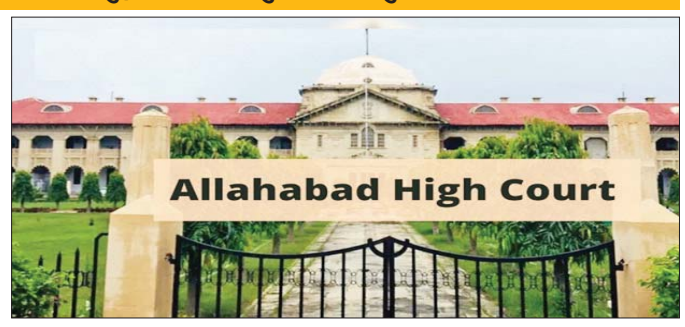

साथ ही उन्होंने गवाहों के बयान में देरी और पहचान पर भी सवाल उठाए थे।

कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इन मामलों की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल गठित किया जा चुका है और फिर जांच के आदेश दिए, भले ही मूल रिकॉर्ड उपलब्ध न हों। प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि उस समय जल्दबाजी में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई। कोर्ट ने भी माना कि कई रिकॉर्ड नष्ट हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद गवाहों के स्पष्ट बयान और पुनर्निर्मित एफआईआर के आधार पर मामला बनता है।

कोर्ट ने कहा कि गवाहों ने आरोपियों की पहचान की है और घटनाओं का विस्तृत विवरण दिया है, जिससे प्रथम दृष्टया मामला बनता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इतने गंभीर मामलों में केवल समय बीत जाने के आधार पर कार्यवाही खत्म नहीं की जा सकती। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का भी हवाला दिया गया साथ ही एक आरोपी द्वारा कहा गया कि घटना स्थल पर मौजूद न होने के तर्क को अदालत ने ट्रायल के दौरान साबित करने योग्य बताया। हाईकोर्ट ने कहा कि इस आधार पर मामला खत्म नहीं किया जा सकता है। हाइकोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही को जारी रखने का रास्ता साफ कर दिया।

शांति के लिए पहल नहीं कर रहा भारत... केंद्र के इस रुख से दुखी हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखकर कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल करेगा। थरूर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि फिलहाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सभी के लिए थोड़ा शर्मनाक है.....मैंने ईरान युद्ध पर मोदी सरकार के संयम और चुप्पी का समर्थन इसकारण किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि केंद्र सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिणाम उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि उन्होंने भारत से बार-बार आग्रह किया था कि वह अपनी राजनयिक सद्भावना का उपयोग कर संबंधित देशों के बीच सार्थक बातचीत को बढ़ावा दे। उन्होंने जोर दिया कि नई दिल्ली के संतुलित संबंध उस शांति पहल शुरू करने में एक अनूठा लाभ दे सकते थे। उन्होंने कहा कि देखिए, अगर पाकिस्तान में शांति वार्ता होती है,तब भारत का इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं करीब तीन सप्ताह से भारत से आग्रह कर रहा हूं कि वे दोनों पक्षों के साथ अपने अच्छे संबंधों का लाभ उठाकर शांति पहल में अग्रणी भूमिका निभाए। अब, जाहिर तौर पर, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की ने ऐसा कर दिया है। उन्हें शुभकामनाएं, हम सभी शांति चाहते हैं। लेकिन जब पाकिस्तान शांति वार्ता कर रहा है, तब भारत को कोई श्रेय नहीं मिल रहा है। थरूर की ये टिप्पणियां केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के संदर्भ में आईं, जहां मोदी सरकार ने विपक्षी नेताओं को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत समान स्थिति में बना हुआ है।

ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध खत्म होते ही शुरु होगा असली संकट !

-होर्मुज पर टोल सिस्टम करेगा लागू, भारत भी आ सकता है इसकी चपेट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल-अमेरिका के युद्ध ने अभी तक जो नुकसान कराया, वह तो सिर्फ एक झलक थी। असली संकट तो अब शुरू हुआ है, क्योंकि अभी तक जो काम फ्री में हो जाता था, उसके लिए ईरान ने करोड़ों रुपये वसूलने शुरू कर दिए हैं। इसका असर दुनिया के तमाम देशों पर पड़ेगा और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत भी इसकी चपेट में आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान ईरान ने जितना नुकसान मिसाइलें दागकर नहीं किया, उससे ज्यादा चपत होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता बंद करके लगा दी है। यही वह वजह है, जिसने भारत समेत दुनियाभर को भारी नुकसान पहुंचाया। अब खबर है कि ईरान भले ही युद्ध खत्म होने के बाद इस रास्ते को खोल देगा लेकिन यहां से गुजरने वाले जहाजों से वह करोड़ों रुपए की फीस वसूलेगा। ईरान ने एक तरह से यहां टोल सिस्टम लागू कर दिया है, क्योंकि अब उसने हर कॉमर्शियल जहाज से फीस वसूलना शुरू कर दिया है।

ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का 20 फीसदी से ज्यादा तेल गुजरता है। भारत तो इस रास्ते से अपना आधे से भी ज्यादा तेज व गैस खरीदता है। अगर ईरान ने हमें छूट न दी तो निश्चित रूप से हमारे लिए भी तेल खरीदना और महंगा होने वाला है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ईरान ने फिलहाल हर जहाज के गुजरने पर 20 लाख डॉलर यानी करीब 18 करोड़ रुपए फीस वसूलना शुरू कर दिया है। कुछ जहाजों ने तो यह कीमत चुकाई भी है, जिससे होर्मुज पर अब एक तरह से टोल जैसा माहौल बन गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान यह भुगतान किस सिस्टम और करेंसी में वसूल रहा है।

ईरान यह कदम साफ बताता है कि युद्ध के बाद उसकी ताकत और बढ़ गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो ईरान ने युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई दुनिया से करने की ठान ली है, जो दिखाता है कि होर्मुज पर उसका कितना प्रभाव है। इस रास्ते से सिर्फ तेल और गैस ही नहीं आता, बल्कि खाने-पीने के सामान और मेटल समेत अन्य कमोडिटी भी बड़ी मात्रा में गुजरती है। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल होर्मुज पर यह टोल भुगतान चुपचाप किए जा रहे हैं और कोई भी इसके बारे में खुलकर बात नहीं कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान अभी इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से केस बाई केस के आधार पर फीस वसूल रहा है, लेकिन युद्ध के बाद होने वाले समझौते में उसने होर्मुज पर टोल वसूलने की बात को लेकर शर्त के रूप में पेश करने का विचार भी जताया है। पिछले दिनों ईरान की संसद में भी एक प्रस्ताव दिया गया था कि होर्मुज से अन्य देशों के जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए ईरान अनिवार्य रूप से ट्रांजिट शुल्क वसूल सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर खाड़ी देशों के तेल व गैस उत्पादों पर दिखेगा साथ ही यूरोप तक सामान की आवाजाही महंगी हो सकती है।

हम प्ले-ऑफ में पहुंचे हैं, लेकिन ट्रॉफ़ी जीतने पर ही असली सम्मान मिलेगा : संजीव गोयनका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स टाटा आईपीएल 2026 में एक नई पहचान के साथ-साथ टीम और सपोर्ट स्टाफ़ में कुछ बड़े बदलावों के साथ आगे बढ़ना चाहेगी। जियो स्टार के 'आईपीएल टुडे लाइव ' पर बात करते हुए, एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका और क्रिकेट के ग्लोबल डायरेक्टर टॉम मूडी ने पिछले सीजन से टीम में हुए सुधारों और पहला टाइटल जीतने के दबाव पर अपने विचार साझा किए।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने उन एरिया के बारे में बताया जिनमें फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 सीजन में सुधार किया है। उन्होंने कहा, ÷अच्छी बात यह थी कि हमारे ज़्यादातर फ्रंटलाइन बॉलर के चोटिल होने के बावजूद हमने अपने पहले छह में से चार गेम जीते। कुछ बड़े कदम उठाए गए, एडेन मार्करम और मिशेल मार्श ने ओपनिंग की, जो उनकी आम पोजीशन नहीं है, और यह उन दोनों के लिए उनका सबसे अच्छा आईपीएल सीजन साबित हुआ। दिग्वेश राठी बिल्कुल नए खिलाड़ी के तौर पर आए और उन्होंने हमारे लिए अच्छा किया। हालांकि, हमें एहसास हुआ कि हमारे पास एक मजबूत बॉलिंग कोर की कमी है, और हमने इस बार एक घरेलू बॉलिंग यूनिट बनाकर इस पर ध्यान दिया है। आप हमेशा सुधार कर सकते हैं, सुधार का कोई अंत नहीं है। अब यह एक साथ आने और अकेले परफॉर्म करने की बात है। बहुत सारे लोग परफॉर्म कर रहे थे। इस साल, हम एक टीम के तौर पर परफॉर्म करना चाहते हैं।'

एलएसजी के लिए अपनी पहचान बनाने के लिए ट्रॉफी जीतना कैसे ज़रूरी होगा, इस पर उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि असली पहचान अभी भी बन रही है। किसी भी स्पोर्ट्स टीम के लिए, जब तक आप जीतते नहीं हैं, आपको ट्रॉफी उठाने जैसा सम्मान या प्यार नहीं मिलता है। हाँ, हम दो बार प्लेऑफ़ में पहुँचे हैं, लेकिन यह साफ़ तौर पर काफ़ी नहीं है। आप कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं, लेकिन हमें अपनी पहली ट्रॉफी जीतनी है।÷

टॉम मूडी ने बताया कि सपोर्ट स्टाफ के लिए भारतीय घरेलू पेस-बॉलिंग अटैक एक फोकस एरिया क्यों था। उन्होंने कहा, ÷लखनऊ में मिस्टर गोयनका से लेकर पूरे सिस्टम तक सभी से बात करने के बाद, यह बहुत साफ़ है कि 2025 के लिए तैयारी उतनी अच्छी नहीं थी जितनी हो सकती थी। हमारे कई खिलाड़ी फिटनेस के मामले में कमज़ोर थे। अब हमारे पास जो स्क्वॉड और बैलेंस है, उसमें एक मज़बूत, हाई-क्वालिटी घरेलू फास्ट-बॉलिंग अटैक शामिल है, जिसे हमने ऑफ-सीज़न में मोहम्मद शमी के लिए ट्रेड करके स्मार्ट तरीके से जोड़ा है, जो उस ग्रुप को लीड कर सकते हैं और आगे का रास्ता दिखा सकते हैं। जिन सभी एरिया में हमें लगा कि सुधार की जरूरत है, उन पर ध्यान दिया गया है, जिसमें एक नई मेडिकल टीम लाना भी शामिल है। इस समय, हमारे सभी फास्ट बॉलर हमें सिलेक्शन में सिरदर्द दे रहे हैं, जो पहले

गेम में जाने से पहले आप बिल्कुल यही चाहते हैं।' एलएसजी के लिए ट्रॉफी जीतने के प्रेशर पर उन्होंने कहा, 'मुझे लंबे समय से प्रोफेशनल क्रिकेट से जुड़े रहने का मौका मिला है, और यही इस खेल का चार्म और चैलेंज दोनों है, प्रेशर को झेलना। जिस शांत कॉन्फिडेंस की हमने पहले बात की थी, वह इस विश्वास से आता है कि टीम इसके लिए तैयार है। आप आगे जो होने वाला है, उससे बेफिक्र हुए बिना ऐसा नहीं कर सकते। वे इसके लिए तैयार हैं।'

मीराबाई चानू ने CWG और Asiad के बीच वजन वर्ग में बदलाव की रणनीतिक योजना बनाई

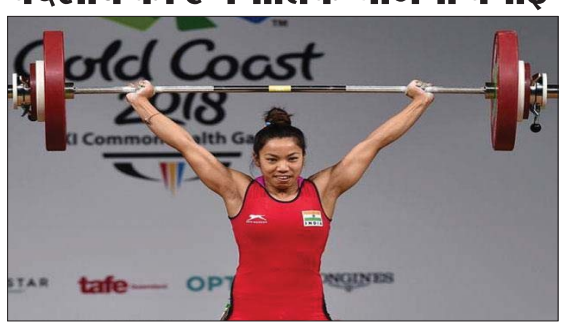

रायपुर (एजेंसी)। भारत की वेटलिफ्टिंग स्टार मीराबाई चानू ने बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स के लिए वजन वर्गों को मैनेज करने की अपनी रणनीतिक अप्रोच का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अपना वजन 48 किलोग्राम वर्ग में बनाए रखेंगी, लेकिन उसके तुरंत बाद उन्हें 49 किलोग्राम वर्ग में जाना होगा क्योंकि एशियन गेम्स दो महीने के अंदर ही होने वाले हैं।

एक दशक से भी ज्यादा समय से साइखोम मीराबाई चानू भारतीय वेटलिफ्टिंग का चेहरा रही हैं। इस दौरान उन्होंने कई शानदार मेडल जीते हैं जिनमें टोक्यो ओलंपिक्स का सिल्वर मेडल, तीन वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल और तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में पोडियम फिनिश शामिल हैं। फिर भी मणिपुर की इस वेटलिफ्टर से एक उपलब्धि अभी भी दूर है और वो है एशियन गेम्स में मेडल जीतना। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था, जिससे उनकी तैयारियों में रुकावट आई थी।

मेडल के सबसे करीब वह 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में पहुंची थीं, जहां कूल्हे की चोट ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया था जबकि वह पोडियम फिनिश हासिल करने के बेहद करीब थीं। इस झटके के कारण उन्हें लगभग 5 महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा था। 31 साल की इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस समर ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाई किया, जहां वह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीतने से बाल-बाल चूक गईं। तब से उनका पूरा ध्यान आखिरकार एशियन गेम्स में मेडल न जीत पाने के सूखे को खत्म करने पर लगा हुआ है।

रोहित और डिकॉक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी : बद्रीनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकॉक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी। डिकॉक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था। डिकॉक ने मुम्बई की ओर से साल 2019 से 2021 तक खेल खेलते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बद्रीनाथ ने कहा, 'रोहित अभी भी भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए शानदार हैं। डिकॉक के साथ उसकी शुरुआती जोड़ी काफी अच्छी है।'

बद्रीनाथ ने कहा कि टीम को तिलक वर्मा को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्यकुमार यादव को नंबर 4 और कप्तान हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर ही उतारें। बद्रीनाथ ने कहा, तिलक ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के लिए नंबर 5 और 6 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर वह वहीं बल्लेबाजी करेंगे तो नंबर 3 पर किसे उतारा जाएगा। उसके बाद हार्दिक, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड और विल जैक्स जैसे विकल्प टीम के पास हैं। भारतीय न टीम ने रिंकू सिंह के नहीं होने की पर तिलक को नीचे बल्लेबाजी करने भेजा पर आईपीएल में तिलक को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये।

इस पूर्व क्रिकेटर नरे रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी इतने फिट है कि भारतीय टी20 टीम से खेल सकते है। रोहित ने टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है हालांकि वह आईपीएल में अब भी मुम्मई इंडियंस के लिए खेलते हैं।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी नजर आती है सनराइजर्स

बेंगलुरु (एजेंसी)। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मुकाबले में अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। इस मैच में हालांकि आरसीबी की राह आसन नहीं कही जा सकती। आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 26 मुकाबले हुए हैं। जिसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जबकि 11 मुकाबले आरसीबी ने जीते हैं। वहीं दो मैचों का परिणाम नहीं निकला। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने पिछली बार खिताबी जीता था जिससे टीम इस बार बनाये रखना चाहेगी। आरसीबी की टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट सहित कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल मध्यक्रम में रनों

की जिम्मेदार संभालेंगे। इसके अलावा टिम डेविड और जितेश शर्मा ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। रोमारियो शेफर्ड और ऋणाल पांड्या से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं वेंकटेश अय्यर के आने से टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है पर टीम की कमजोरी उनकी तेज गेंदबाजी है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। ऐसे में स्विंग के लिए मशहूर भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस बार टीम में नहीं हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर जमकर रन बनाना चाहेगी। उसके पास अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और ईशान किशन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान पैट कमिंस के नहीं होने से ईशान शुरुआती मुकाबलों में कप्तानी संभालेंगे। वहीं हेनरिक क्लासन से भी टीम को आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

फिनिशर के तौर पर उसके पास अनिकेत वर्मा के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी हैं। लियाम लिविंगस्टन भी अपने को साबित करना चाहेंगे। सनराइजर्स की भी कमजोरी उसका गेंदबाजी आक्रमण है। मुख्य तेज गेंदबाज कमिंस के नहीं होने से गेंदबाजी की जिम्मेदारी ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट के पास रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी युवा स्पिनर जीशान अंसारी के पास रहेगी।

ऋतुराज बोले, सैमसन और मैं करेंगे सीएसके की पारी की शुरुआत

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि इस सत्र में वह संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। गायकवाड़ के इस बयान के बाद टीम की सलामी जोड़ी को लेकर लगायी जा रही अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। सैमसन इस सत्र में रॉयल्स को छोड़कर सीएसके से जुड़ गये थे। ऋतुराज ने कहा कि तीसरे नंबर पर आयुष म्हात्रे उतरेंगे। सैमसन ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि टी20 में वह पारी की शुरुआत के लिए काफी अच्छे हैं। सैमसन ने टी-20 विश्व कप 2026 में में भी काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 300 से अधिक रन बनाये थे। ऐसे में सीएसके को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं गायकवाड़ आईपीएल के पिछले सत्र में केवल पांच मैच ही खेल सके थे। जिसमें उन्होंने 150 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 122 रन बनाए थे। ऐसे में वह इस बार अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करेंगे। चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में बेहद निराशाजनक रहा था। टीम 14 में से सिर्फ 4 ही मैच जीत सकी थी जबकि 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, इस बार टीम ने कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे उसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल मुकाबले इसी माह के अंत में खेले जाएंगे।

आरसीबी और राजस्थान के बिकने से बीसीसीआई को भी करोड़ों रुपये का फायदा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र शुरु होने से पहले ही करोड़ों रुपये का फायदा हुआ है। बोर्ड को ये लाभ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) जैसी टीमों के बिकने से हुआ है। आरसीबी जहां 16660 करोड़ रुपए, वहीं आरआर 15290 करोड़ रुपए में बिकी। इस तरह दोनों टीम टीमों को मिला दिया जाये तो करार की रकम 31000 करोड़ रुपए तक पहुंच गयी है। जिससे बीसीसीआई को भी ट्रेड डील के तहत मोटी रकम मिली है। गौरतलब है कि आईपीएल में जब भी किसी टीम का मालिक बदलता है तो बीसीसीआई को ट्रेड डील के तहत 5-5 फीसदी कमीशन दिया जाता है। ऐसे में आरसीबी के बिकने से बीसीसीआई को 833 करोड़ और राजस्थान से करीब 750 करोड़ रुपए कमीशन के तहत मिले हैं। इससे क्रिकेट बोर्ड को बिना कुछ किये ही 1583 करोड़ रुपए मिले हैं। इस करार के अलावा बीसीसीआई को हर साल आईपीएल से करोड़ों का राजस्व मिलता है। आरसीबी को आदित्य बिरला ग्रुप, अमेरिकी खेल निवेशक डेविड ब्लिट्जर और अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन ने मिलकर खरीदा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स को काल सोमानी के समूह ने खरीदा है। राजस्थान और आरसीबी की टीम आईपीएल में एक-एक बार की चैंपियन रही है। राजस्थान की टीम ने आईपीएल के पहले सत्र में साल 2008 में खिताब जीता था।

आईपीएल के इस सत्र में डिविलियर्स और उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं राहुल

नई दिल्ली। इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल के पास एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम हासिल करने का अवसर रहेगा। राहुल इस सत्र में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और अपने ही हमवतन रॉबिन उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं। राहुल अभी 145 मैचों में 660 बाउंड्री के साथ नौवें नंबर पर हैं। राहुल ने 452 चौके और 208 छक्के लगाये हैं। राहुल को डिविलियर्स का रिकार्ड तोड़ने के लिए पांच और उथप्पा को पीछे छोड़ने चार बाउंड्री चाहिये। विलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 664 बाउंड्री लगायी हैं। इस दौरान उन्होंने 413 चौके और 251 छक्के लगाये और दिल्ली व आरसीबी की ओर से खेला। वहीं उथप्पा ने 205 मुकाबलों में से 663 में बाउंड्री लगाई। उन्होंने 481 चौके और 182 छक्के लगाये। वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) समेत पांच फ्रेंचाइजी में शामिल रहे। लीग में सबसे अधिक 1062 का रिकार्ड विराट कोहली का है जबकि 942 बाउंड्री के साथ ही रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर है। 920 बाउंड्री के साथ शिखर धवन तीसरे जबकि 899 के साथ ही डेविड वार्नर पांचवे नंबर पर हैं।

आईपीएल से पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भड़के गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्वर ने लीग की शुरुआत से ठीक पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का रवैया ठीक नहीं है। इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत है। पिछले कुछ समय से लगातार देखने में आया है कि खिलाड़ी लीग से पहले कई प्राकर की बहानेबाजी कर हट जाते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है। गावस्कर ने कहा कि टीम करोड़ों रुपये देकर जब इन खिलाड़ियों का अनुबंधित करती। इसके बाद टीम की रणनीत बनती है पर इनके नहीं खेलने से सब बेकार हो जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर का कहना गलत नहीं है। टीम नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती

हैं, उनकी भूमिका तय करती हैं और उसी हिसाब से टीम का संयोजन बनाती हैं।

वहीं जब यही खिलाड़ी टूर्नामेंट के अहम समय पर गायब हो जाते हैं, उसके लिए सभी कुछ बेकार हो जाता है।

आमतौर पर चोट, वर्कलोड मैनेजमेंट, या फिर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए खिलाड़ी हटते हैं।यह अपने आप में गलत नहीं है। किसी भी खिलाड़ी का फिट रहना और लंबे समय तक खेलना प्राथमिकता होनी चाहिए पर ये सवाल यह है कि जब खिलाड़ी आईपीएल अनुबंध करते हैं तभी उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

यहां मामला 'उपलब्धता' से ज्यादा 'प्राथमिकता' का है। इससे आईपीएल की साख भी प्रभावित हो रही है। ऐसा लगता हैकि आईपीएल विदेशी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक विकल्प बनकर रह गया है, जहां वे सुविधा के अनुसार खेलते हैं और असुविधा होते ही हट जाते हैं जिस स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे खिलाड़ियों को लीग से प्रतिबंधित कर दिया जान चाहिये। ऐसे में फ्रेंचाइजियां को अपने चयन में अधिक सतर्कता रखते हुए केवल उसी खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये जो खेलन को लेकर गंभीर हो। खिलाड़ी की उपलब्धता और प्रतिबद्धता के ट्रैक रिकॉर्ड को भी चयन में पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 सीजन से पहले स्टेडियम में की पूजा

चंडीगढ़। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन से पहले बुधवार को न्यू चंडीगढ़ के नए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पूजा की। आज यहां इस मौके पर टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले और विकेटकीपिंग कोच ब्रैड हैडिन मौजूद थे। टीम ने आने वाले सीजन के लिए आशीर्वाद मांगा। फ्रेंचाइजी एक रोमांचक अभियान के लिए पूरी तरह से तैयार है। पंजाब किंग्स अपने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 31 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करेंगे।

अर्जुन तेंदुलकर पर टिप्पणी को लेकर अश्विन पर भड़े योगराज

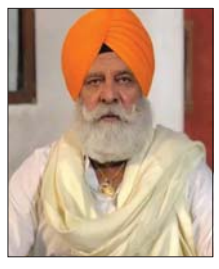

मुम्बई। अर्जुन तेंदुलकर को लेकर दिये बयान को लेकर पूर्व स्पिनर आर अश्विन और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह में ठन गयी है। अर्जुन आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस की जगह पर लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे। इसी को लेकर अश्विन की टिप्पणी आई है। जिसमें उन्होंने कहा है कि टीम में पहले से ही मयंक यादव, मोहसिन खान, आवेश खान और मोहम्मद शमी जैसे अच्छे तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अर्जुन के लिए अंतिम एकादश में जगह बनाना आसान नहीं होगा और उन्हें काफी प्रयास करना होगा। वहीं अश्विन के इस बयान से योगराज नाराज हो गये। उनका कहना है कि अश्विन की टिप्पणी गलत है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी की क्षमता पर इस तरह सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना गलत है। योगराज ने यहां तक कह दिया कि अगर अर्जुन छह महीने में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नहीं बनते, तो वह अपनी दाढ़ी कटवा लेंगे। योगराज ने साथ ही कहा कि अर्जुन को केवल गेंदबाज के रूप में देखना गलत है, बल्कि वह एक ऑलराउंडर के तौर पर अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अर्जुन की फिटनेस और तकनीक को लेकर पहले भी चर्चा हो चुकी है और सही मार्गदर्शन मिलने पर वह बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। अर्जुन के लिए यह सीजन काफी अहम माना जा रहा है। मुंबई इंडियंस में सीमित अवसर मिलने के बाद लखनऊ ने उन्हें अवसर दिया है। अब टीम संयोजन और प्रदर्शन के आधार पर ही उनका भविष्य तय होगा।

थॉमस और उबर कप बैडमिंटन में लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

मियामी ओपन 2026: सबालेंका और राइबाकिना के बीच सेमीफाइनल में होगी टक्कर

मियामी (एजेंसी)। मियामी में खेले जा रहे प्रतिष्ठित मियामी ओपन 2026 में महिला एकल वर्ग में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका और दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी एलेना राइबाकिना के बीच एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने अमेरिका की हैली बैपटिस्ट को 6-4, 6-4 से हराया। वहीं राइबाकिना ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। पेगुला पिछले साल इसी टूर्नामेंट में सबालेंका से फाइनल हार चुकी थीं।

दोनों स्टार खिलाड़ी गुरुवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगी।

सबालेंका और राइबाकिना के बीच हाल के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। इस साल जनवरी में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में राइबाकिना ने सबालेंका को हराया था, जो 2026 में सबालेंका की एकमात्र हार रही। हालांकि, सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जीत दर्ज कर उसका बदला चुका लिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि राइबाकिना के खिलाफ मुकाबले हमेशा कड़े और रोमांचक होते हैं और वह इस भिड़ंत को लेकर काफी उत्साहित हैं। सबालेंका अब 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतने) से सिर्फ दो जीत दूर हैं।

क्वार्टरफाइनल में सबालेंका को बैपटिस्ट से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने दबाव संभालते हुए जीत दर्ज की।

दूसरी ओर, राइबाकिना ने पेगुला के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लय पकड़ी और लगातार पांचवीं बार पेगुला को हराया।

पुरुष वर्ग में लेहेका की जीत

पुरुष एकल वर्ग में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने स्पेन के क्वालीफायर मार्टिन लैंडालुसे को 7-6(7/1), 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

लेहेका को यह जीत आसान नहीं रही, क्योंकि लैंडालुसे ने पहले सेट में सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, टाईब्रेक में लेहेका ने दबदबा बनाया और दूसरे सेट के अंतिम गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम किया। अब लेहेका का मुकाबला अमेरिका के टॉमी पॉल और फ्रांस के आर्थर फिल्स के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

कुंभकर्ण की भूमिका में नजर आएंगे फैसल मलिक

फिल्म 'रामायण' सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित हैं। खबर है कि इस फिल्म से 'पंचायत' फेम फैसल मलिक भी जुड़ रहे हैं। वह इसमें अहम किरदार निभाएंगे।

'रामायण' में कुंभकर्ण की भूमिका के लिए फैसल मलिक को चुना गया है। इससे पहले, इस भूमिका के लिए बॉबी देओल का नाम सामने आया था। फैसल मलिक को सीरीज 'पंचायत' में प्रह्लादचा का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' में भी देखा गया था।

पहला शेड्यूल पूरा किया

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि वह मुंबई के प्राइम फोकस स्टूडियो में कुंभकर्ण के शुरुआती सीन के लिए यश के साथ शामिल हुए। सूत्र ने पोर्टल को बताया कि फैसल मलिक की लंबाई और उनकी अच्छी-खासी कद-काठी उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाती है। अब तक, फैसल मलिक को कास्ट किए जाने की कोई भी आधिकारिक पुष्टि न तो फिल्म बनाने वालों की तरफ से हुई है और न ही एक्टर की तरफ से।

रामायण की कास्ट

वैरायटी इंडिया ने हाल ही में जानकारी दी थी कि राघव जुयाल को रामायण में मेघनाद (जिसे इंद्रजीत भी कहा जाता है) का रोल निभाने के लिए चुना गया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का रोल निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी देवी सीता के रूप में नजर आएंगी। यश इस फिल्म में रावण के रूप में दिखाई देंगे। सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का रोल निभाएंगे। काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह मंदोदरी और शूर्पणखा के रूप में नजर आएंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। रामायण पार्ट वन इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि इसका दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते हैं

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।'' इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

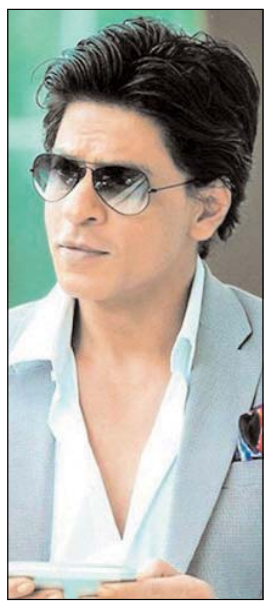

रोमांटिक अंदाज में वापसी करेंगे शाहरुख

शाहरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखेरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'किंग' के बाद किंग खान एक बिग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था।

श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं। इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

पहले ट्रोलिंग करती थी परेशान

श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी। मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है। श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है। पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

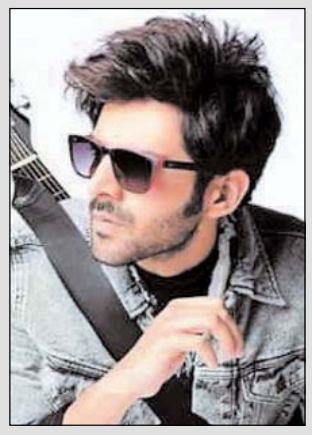

'द इंडिया हाउस' से मेरा हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं राम चरण के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। खिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है।

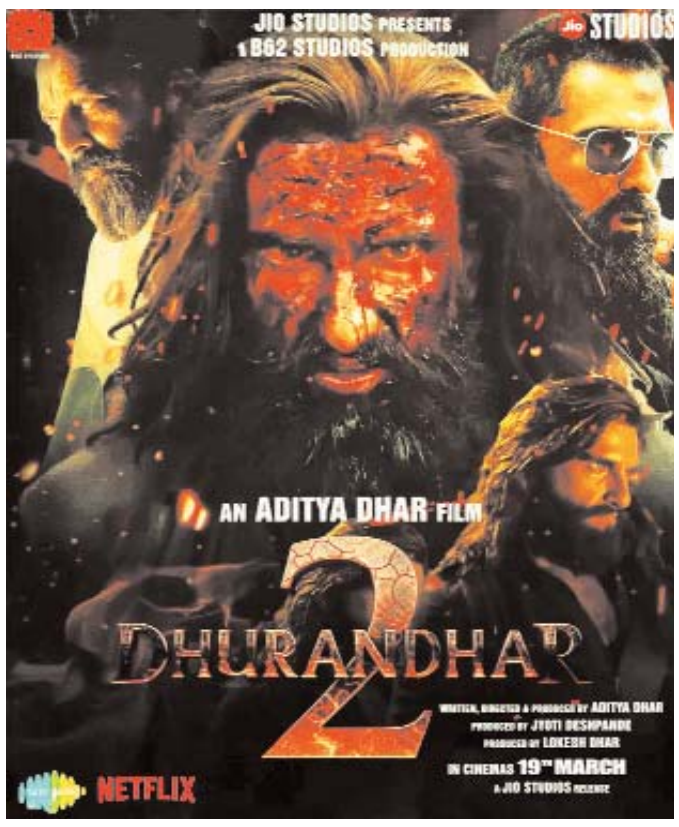

धुरंधर 2 के नए कलाकारों अपनी एक्टिंग से किया हैरान

'धुरंधर' की सफलता के बाद अब 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस बार फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह पहले पार्ट से भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। दूसरे पार्ट में कहानी आगे बढ़ती है। यही कारण है कि इस बार फिल्म की कास्ट में कई नए कलाकार भी शामिल हुए हैं। जानते हैं 'धुरंधर 2' में शामिल हुए नए कलाकारों के बारे में।

दानिश इकबाल

'धुरंधर' के बाद हर किसी को इंतजार था कि 'धुरंधर 2' में बड़े साहब कौन है? अब फिल्म की रिलीज के बाद इस बात से पर्दा हट चुका है। क्योंकि बड़े साहब के किरदार में दानिश इकबाल नजर आए हैं। फिल्म में उन्होंने जबरदस्त काम किया है और अपने किरदार से इंसाफ किया है।

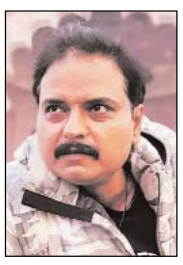

यामी गौतम

ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि 'धुरंधर 2' में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं। अब 'धुरंधर 2' के रिलीज होने के बाद यामी गौतम का फिल्म कैमियो नजर आया है। 'धुरंधर: द रिवेंज' में यामी शाजिया बानो की भूमिका निभा रही हैं, जो एक नर्स है। हालांकि, इसके आगे बताना स्पॉइलर हो जाएगा। लेकिन इस स्पाई-थ्रिलर में यामी का कैमियो है।

उदयबीर संधू

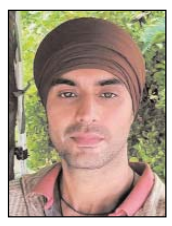

यामी गौतम के अलावा 'धुरंधर 2' में अभिनेता उदयबीर संधू ने भी अहम भूमिका निभाई है। उदयबीर फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी (रणवीर सिंह) के करीबी दोस्त गुरबाज सिंह का किरदार निभा रहे हैं। उन्हें प्यार से पिंडा कहा जाता है।

भाषा सुंबली

'द कश्मीर फाइल्स' से चर्चा में आईं अभिनेत्री भाषा सुंबली भी इस स्पाई-थ्रिलर में नजर आई हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' में एक वकील की भूमिका निभाई है। उनका किरदार बहुत लंबा तो नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण जरूर है।

मधुरजीत सरघी

मधुरजीत सरघी जसकिरत सिंह रांगी यानी रणवीर सिंह की मां प्रभनीत कौर रांगी के किरदार में नजर आती हैं। वो इससे पहले टेलीविजन शो और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

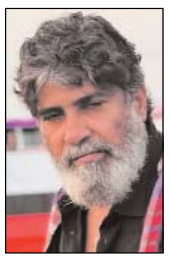

सुविंदर पाल

सुविंदर पाल ने ब्रिगेडियर जहांगीर का किरदार निभाया है। कोहरा फिल्म के लिए मशहूर इस अभिनेता को 'धुरंधर द रिवेंज' में अर्जुन रामपाल उर्फ मेजर इकबाल के पिता के रूप में देखा जा सकता है।

परवीर कौर

जसकीरत सिंह रांगी की बहन के किरदार में परवीर कौर नजर आई हैं। उन्होंने फिल्म में जसलीन कौर रांगी की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनकी भूमिका अहम है।

हितिका बाली

अभिनेत्री हितिका बाली ने 'धुरंधर 2' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वो फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी की दूसरी बहन हरलीन कौर रांगी के रोल में नजर आई हैं।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण प्रशांत महासागर में 7.6 मैग्नीट्यूड का भूकंप

टोंगा , एजेंसी। दक्षिणी प्रशांत महासागर में टोंगा के नजदीक 7.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र समुद्र में 237 किलोमीटर की गहराई में था और जमीन पर भी तगड़े झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र टोंगा के दूसरे सबसे बड़े शहर नीएफू से 153 किलोमीटर दूर पश्चिम में था। भूकंप में अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

रूस ने यूक्रेन पर करीब 400 ड्रोन दागे, छह लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के छह लोगों की मौत हो गई और 46 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रूस की सेना ने यूक्रेन की अग्रिम रक्षा पंक्ति को तोड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं, जिसे वसंत में संभावित जमीनी हमले की शुरुआत माना जा रहा है। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रातभर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों का सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार तक जारी रहा और दिन में भी राजधानी कीव को कई ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने ईरान में डिजाइन किए गए शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए सात शहरों पर हमला किया। वायु सेना के अनुसार, रूस ने रात में देशभर में 10 स्थानों पर 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइल भी दागीं। दोपहर में हुए हमलों में मध्य यूक्रेन के शहर निप्रो में 13 लोग घायल हुए, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। पश्चिमी शहर लविव में एक अपार्टमेंट पर हमले में भी 13 लोग घायल हुए।

डेनमार्क चुनाव में प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन को बहुमत के आसार नहीं

कोपेनहेगन, एजेंसी। डेनमार्क के आम चुनाव में निर्णायक नतीजे आने का अनुमान नहीं है। प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के भविष्य पर संशय बरकरार है। इस राजनीतिक अभियान के दौरान ग्रीनलैंड संकट के बजाय रोजी-रोटी के मुद्दों पर ध्यान दिया गया। मंगलवार को जारी नतीजों में महिला प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन की सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी ने 2022 के चुनाव की तुलना में कम सीटें जीतीं। उनकी निवर्तमान सरकार के दोनों सहयोगी दलों को भी नुकसान हुआ। इस चुनाव में संसद में न तो वामपंथी और न ही दक्षिणपंथी गुट को बहुमत मिला। अनुभवी विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन किंगमेकर बन गए, जो पूर्व प्रधानमंत्री हैं। उनकी सेंट्रिस्ट मॉडरेट पार्टी अब तय करेगी कि फ्रेडरिकसेन तीसरा कार्यकाल संभालेंगी या नहीं। बता दें कि यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य देश डेनमार्क की आबादी करीब 60 लाख है।

ताइवान के करीब फिर दिखे चीनी विमान और नौसैनिक जहाज

ताइपे, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ताइवान के आसपास एकबार फिर चीनी गतिविधि देखी गई है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 6 बजे क्षेत्रीय जल के पास चीन के 16 विमान, 10 नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। इनमें से 13 विमानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। इससे पहले मंगलवार को भी तीन चीनी सैन्य विमान और नौ जहाज देखे गए थे। गौरतलब है कि ताइवान को ऐतिहासिक और राजनीतिक तर्कों के आधार पर चीन अपना अविभाज्य हिस्सा मानता है। दूसरी तरफ ताइवान स्वतंत्र प्रशासन, सेना और अर्थव्यवस्था के आधार पर अपनी अलग पहचान का दावा करता है। ऐसे में ताइवान की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बहस का महत्वपूर्ण बिंदु है। चीन का दावा सैकड़ों साल पहले 1683 में किंग राजवंश के द्वीप पर कब्जे से शुरू हुआ। 1949 में चीन में गृहयुद्ध होने के बाद हालात बदल गए। फिलहाल, ताइवान स्वतंत्र है, लेकिन सैन्य संघर्ष से बचने के लिए यहां के प्रशासन ने औपचारिक स्वतंत्रता घोषित नहीं की है।

ट्रंप की लोकप्रियता घटी : ईरान जंग और महंगाई के बीच गिरकर 36 प्रतिशत पहुंची ; 61% अमेरिकियों ने हमले को नकारा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। यह उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद का सबसे कम स्तर है। यह जानकारी रॉयटर्स/इप्सोस के एक सर्वे में सामने आई है। चार दिन तक चले इस सर्वे में पाया गया कि ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट लोगों की संख्या 40 प्रतिशत से घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। सर्वे के अनुसार, ईंधन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी और ईरान के साथ युद्ध को लेकर लोगों की नाराजगी का असर ट्रंप की लोकप्रियता पर पड़ा है। अमेरिका और इस्राइल के 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं, जिससे लोगों का खर्च बढ़ा है।

कुवैत के एयरपोर्ट पर ईरान का ड्रोन अटैक: फ्यूल टैंक में आग लगी

इराकी लड़ाकों का अमेरिका के 23 ठिकानों पर हमला

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 26वां दिन है। ईरान ने मंगलवार रात कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट ड्रोन अटैक किया, जिससे वहां मौजूद फ्यूल टैंक में आग लग गई। कुवैत की सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं धमाके की आवाज सुनाई दे रही है, तो वह दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की वजह से है। सेना ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार के सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले कुवैत के नेशनल गार्ड ने बताया कि उसने अपने इलाके में 5 ड्रोन मार गिराए हैं। वहीं, इराक के एक उग्रवादी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटे में अमेरिका से जुड़े 23 ठिकानों पर हमले किए हैं। ग्रुप के मुताबिक, इन हमलों में ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इन हमलों से कितना नुकसान हुआ, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 30 रॉकेट दागे : लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल पर करीब 30 रॉकेट दागे गए। हमलों के बाद उत्तरी इजराइल के कई इलाकों में सायरन बजने लगे। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इन हमलों से कितना नुकसान हुआ। गाजा में इजराइल की एयरस्ट्राइक, 4 लोगों की मौत सेंट्रल गाजा में इजराइल के हवाई हमले में 4 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी वफा के मुताबिक, यह हमला अज-जवायदा इलाके में हुआ, जहां अचानक एयर स्ट्राइक की गई। एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प के चारों ओर जाल कसता जा रहा अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट और व्हाइट हाउस के पूर्व सलाहकार रॉबर्ट पेप ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के चारों ओर जाल कसता जा रहा है। ट्रम्प ईरान के साथ बढ़ते तनाव में ऐसे हालात में फंस सकते हैं, जहां युद्ध धीरे-धीरे और बड़ा होता चला जाता है। रॉबर्ट पेप ने भारतीय मीडिया से बात करते हुए कहा कि शुरुआत में छोटे-छोटे हमले किए जाते हैं, लेकिन जब उनसे बड़ा टागरेट हासिल नहीं होता, तो हमले और बढ़ा दिए जाते हैं। इसी को 'एस्केलेशन ट्रैप' कहा जाता है, यानी ऐसा जाल जिसमें फंसकर युद्ध लगातार बढ़ता जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युद्ध बढ़ा, होर्मुज स्ट्रेट पर असर पड़ सकता है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल गुजरता है। इससे तेल महंगा हो सकता है और दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। पेप के मुताबिक, इस स्थिति में ईरान मजबूत हो सकता है और तेल पर ज्यादा कंट्रोल हासिल कर सकता है। हालात संभालने के लिए इजराइल की सैन्य कार्रवाई को कंट्रोल करना जरूरी है और यह फैसला ट्रम्प ही ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका के मरीन सैनिक ईरान पहुंच जाते हैं, तो हालात और ज्यादा खराब हो सकते हैं। अभी ट्रम्प ने हमले कुछ दिनों के लिए कम किए हैं, लेकिन यह सिर्फ समय लेने का तरीका हो सकता है। पेप ने यह भी कहा कि जब तक अमेरिका अपने सैनिकों को वापस नहीं बुलाता, तब तक यह नहीं कहा जा सकता कि तनाव कम हो रहा है।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने का प्रस्ताव गिरा अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में ईरान जंग रोकने के लिए लाया गया प्रस्ताव गिर गया। विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से लाए गए इस प्रस्ताव के पक्ष में 47 जबकि विपक्ष में 53 वोट पड़े। यह तीसरी बार था जब डेमोक्रेट्स ने ऐसा प्रस्ताव रखा था। उनका कहना है कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने का अधिकार कांग्रेस के पास होता है, इसलिए ट्रम्प बिना पूरी मंजूरी के यह कदम नहीं उठा सकते। इसी वजह से वे लगातार ऐसे प्रस्ताव ला रहे हैं, ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके। डेमोक्रेट्स ने यह भी आरोप लगाया है कि ट्रम्प सरकार इस युद्ध को ठीक से समझा नहीं पा रही है। सांसद क्रिस मर्फी ने कहा कि सरकार अब तक यह नहीं बता पाई है कि युद्ध क्यों जरूरी है। डेमोक्रेट्स ने साफ कर दिया है कि वे इस मुद्दे को यहीं नहीं छोड़ेंगे और हर हफ्ते इस पर वोटिंग कराते रहेंगे, जब तक सरकार आकर अपनी बात साफ नहीं करती।

टोक्यो में चीनी दूतावास में घुसने के आरोप में जापानी सैनिक गिरफ्तार, चीन ने जताया विरोध; मांगा जवाब

टोक्यो , एजेंसी। जापान के अधिकारियों ने बुधवार को एक जापानी सैनिक को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इस सैनिक पर कथित रूप से टोक्यो में चीनी दूतावास में बिना इजाजत (अवैध रूप) से घुसने का आरोप है। चीन ने इस घटना पर विरोध जताया था, जिसके एक दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। अब यह मामला जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव का नया केंद्र बन गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा : चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में एक मीडिया वार्ता के दौरान बताया कि मंगलवार सुबह एक व्यक्ति दीवार फांदकर दूतावास परिसर में जबरन घुस आया। उस व्यक्ति ने खुद को जापानी आत्म-रक्षा बल का अधिकारी बताया था। टोक्यो पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 23 साल है और वह जापान की थल सेना (जीएसडीएफ) का सदस्य है। जापानी सेना ने पुष्टि की है कि संदिग्ध सैनिक मियाजाकी प्रांत के कैंप एबिनो में तैनात है। सेना के अधिकारी इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग कर रहे हैं। जापानी मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह सैनिक चीनी राजदूत को यह कहने के लिए दूतावास में घुसा था कि चीन जापान के प्रति अपना कड़ा रुख बंद करे। सैनिक के पास एक चाकू भी था। उसने धमकी दी थी कि अगर उसकी मांग नहीं मानी गई, तो वह खुद को मार लेगा। जापान के सरकारी चैनल एनएचके के अनुसार, उस व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया गया और आगे की जांच के लिए टोक्यो पुलिस को सौंप दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति ने कथित तौर पर दूतावास की दीवार फांदी थी और वहां एक चाकू भी मिला है। चीन ने इस घटना पर गहरा दुख और गुस्सा जताया है। प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि जापान अपने सैनिकों को ठीक से नियंत्रित और अनुशासित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीनी दूतावास और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की। चीन ने मांग की है कि जापान इस मामले की पूरी जांच करे, दोषी को सजा दे और चीन को इस पर स्पष्टीकरण दे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है।

बांग्लादेश नरसंहार दिवस: 1971 हत्याकांड था सुनियोजित कत्लेआम: पीएम तारिक रहमान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 25 मार्च को मनाए जाने वाले नरसंहार दिवस पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 1971 के हत्याकांड को सुनियोजित नरसंहार बताते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 का दिन बांग्लादेश के इतिहास में सबसे काले और क्रूर दिनों में से एक है, जब पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के नाम पर निहत्थे नागरिकों पर हमला किया।

शिक्षकों और नागरिकों को बनाया निशाना : प्रधानमंत्री ने बताया कि उस रात ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना और राजारबाग पुलिस लाइंस समेत कई जगहों पर शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई। उन्होंने इसे पूरी तरह से पूर्व नियोजित कत्लेआम बताते हुए कहा कि उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों और नेतृत्व की भूमिका पर आज भी शोध की जरूरत है।

यहीं से शुरू हुआ मुक्ति संग्राम : रहमान ने कहा कि 25 मार्च की रात चट्टोग्राम में 8वीं ईस्ट बंगाल रेजिमेंट ने 'वी रिवोल्ट' का नारा देकर प्रतिरोध शुरू किया। इसी के साथ नौ महीने लंबे बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की शुरुआत हुई, जिसने अंततः देश को आजादी दिलाई।

नई पीढ़ी को इतिहास जानना जरूरी : प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के मूल्य समझाने के लिए 25 मार्च के नरसंहार के बारे में जानना जरूरी है। उन्होंने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए समानता, मानव गरिमा और सामाजिक न्याय पर आधारित समाज बनाने की अपील की। इस बीच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पेश उस प्रस्ताव का स्वागत किया है, जिसमें 1971 के नरसंहार को औपचारिक मान्यता देने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव ग्रेग लैंड्समैन द्वारा पेश किया गया है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से एक न्यायपूर्ण, विकसित, आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

कभी मेल बैलेट के विरोधी रहे ट्रंप ने खुद इसी से किया मतदान

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फ्लोरिडा में मेल बैलेट के जरिए अपना वोट डाला है। जबकि वे सार्वजनिक रूप से इस मतदान तरीके को धोखाधड़ी का जरिया बताते हैं और कांग्रेस से इसे सीमित करने की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने खुद इसी तरीके का इस्तेमाल किया। पाम बीच काउंटी के रिकॉर्ड से पता चला है कि राष्ट्रपति ने मंगलवार को राज्य विधानसभा सीटों के लिए हुए विशेष चुनाव में मेल से वोट दिया और उनके वोट की गिनती भी हो गई है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद उनके रिपब्लिकन उम्मीदवार यहां से चुनाव हार गए है। यहां डेमोक्रेट की एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप 'यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग' के खिलाफ हैं, न कि उन व्यक्तिगत मामलों के जहां मतदाता को इसकी

जरूरत होती है। वेल्स के अनुसार, ट्रंप जिस 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन करते हैं, उसमें बीमारी, विकलांगता, सेना या यात्रा जैसी स्थितियों में मेल से वोट देने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसमें धोखाधड़ी की बहुत ज्यादा गुंजाइश होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप फ्लोरिडा के निवासी हैं लेकिन वे वाशिंगटन में रहते हैं, इसलिए उनका मेल से वोट देना कोई बड़ी बात नहीं है।

इसके बावजूद, ट्रंप ने पिछले हफ्त मेल-इन वोटिंग को धोखाधड़ी और बेहद भ्रष्ट बताया था। वे कांग्रेस से 'सेव एक्ट' पास करने का आग्रह कर रहे हैं ताकि मेल मतदान के विकल्पों को बहुत सीमित किया जा सके। हालांकि, ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेल मतदान में धोखाधड़ी के मामले न के बराबर हैं। रिपोर्ट बताती है कि हर एक करोड़ वोटों में से सिर्फ चार मामलों में ही गड़बड़ी पाई गई है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है। शूमर ने कहा कि ट्रंप के अनुसार जब दूसरे लोग मेल से वोट दें तो वह 'धोखाधड़ी' है, लेकिन जब वे खुद ऐसा करें तो वह सही है। ट्रंप 2020 के चुनाव में अपनी हार के बाद से ही मेल मतपत्रों पर निशाना साध रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अदालतों और उनके खुद के अटॉर्नी जनरल को चुनाव नतीजों को प्रभावित करने वाली किसी धोखाधड़ी का कोई सबूत नहीं मिला।

फ्लोरिडा के इस चुनाव में ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मेपल्स का समर्थन किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से मेपल्स को वोट देने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने खुद मेल से वोट दिया है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद जॉन मेपल्स चुनाव हार गए और डेमोक्रेट एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की।

ब्रिटेन सरकार का फैसला- नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य, ऊर्जा सुरक्षा के लिए अहम कदम

लंदन, एजेंसी। ईरान युद्ध से पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच ब्रिटेन ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इंग्लैंड में बनने वाले सभी नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य करने का एलान किया है, ताकि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाई जा सके। ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को नए नियम पेश करते हुए स्पष्ट किया कि यह कदम नीति-निर्माताओं की ओर से ईरान युद्ध के आर्थिक और ऊर्जा प्रभावों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह पहल फ्यूचर होम्स स्टैंडर्ड का हिस्सा है, जो 2028 से लागू होगा। इस मानक के तहत सभी नए घरों में ऑन-साइट रिन्यूएबल बिजली उत्पादन सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख भूमिका सौर ऊर्जा की होगी। साथ ही, घरों में लो-कार्बन हीटिंग सिस्टम जैसे हीट पंप और हीट नेटवर्क को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। ब्रिटेन के ऊर्जा मंत्री एड मिलिबैंड ने कहा, ईरान युद्ध ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी है। उन्होंने कहा सरकार का लक्ष्य जीवाश्म ईंधन बाजारों की पकड़ से बाहर निकलना है, जिन पर देश का नियंत्रण नहीं है। मिलिबैंड ने यह भी बताया कि सरकार न केवल नए घरों में सोलर पैनल को मानक बना रही है, बल्कि आने वाले महीनों में दुकानों पर प्लग-इन सोलर पैनल भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन्हें लोग अपने घरों की बालकनी में आसानी से स्थापित कर सकेंगे।

ऊर्जा सुरक्षा बनाम घरेलू उत्पादन : इस फैसले को लेकर ब्रिटेन की घरेलू राजनीति में भी बहस तेज हो गई है। विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी की शैडो एनर्जी सेक्रेटरी क्लेयर कुटिन्हो ने सरकार से नॉर्थ सी में नए तेल और गैस क्षेत्रों के लाइसेंस जारी करने की मांग की है, ताकि घरेलू ऊर्जा आपूर्ति बढ़ाकर उपभोक्ताओं के बिल कम किए जा सकें। यह बहस इस बात को रेखांकित करती है कि ऊर्जा संकट से निपटने के लिए देशों के सामने दो विकल्प हैं, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज बदलाव या पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाना।

अन्य देशों ने भी अपनाए सख्त उपाय : छुट्टी, राशनिंग और 'वर्क फ्रॉम होम' का सहारा एशियाई देशों ने सबसे तेजी से कदम उठाए हैं। श्रीलंका ने स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में छुट्टी घोषित कर दी, साथ ही क्यूआर कोड आधारित फ्यूल राशनिंग लागू कर दी। बांग्लादेश ने शिक्षा संस्थान बंद कर ऑनलाइन पढ़ाई शुरू कर दी और रोजाना 5 घंटे की बिजली कटौती लागू की। भूटान ने जमाखोरी रोकने के लिए जरीकैन में ईंधन बिक्री पर प्रतिबंध लगाया। पाकिस्तान में चार दिन का वर्क वीक लागू।

शांति वार्ता के बीच ट्रंप को ईरान से मिला रहस्यमयी तोहफा, बोले- ये तेल और गैस से जुड़ा महंगा गिफ्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया। ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत की चर्चाओं के बीच ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने उन्हें एक बहुत बड़ा और काफी कीमती तोहफा भेजा है। हालांकि उन्होंने इस तोहफे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और सिर्फ इतना कहा कि ये तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। ट्रंप जहां ईरान के साथ बातचीत का दावा कर रहे हैं, वहीं ईरान की सेना अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर रही है।

ट्रंप बोले- हम ईरान में सही लोगों से बात कर रहे : दरअसल मंगलवार को व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि ईरान की तरफ से जो लोग युद्धविराम पर बातचीत कर रहे हैं, क्या उन्हें उन पर विश्वास है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, वे किसी पर विश्वास नहीं करते, लेकिन उन्होंने ईरान से एक तोहफा मिलने का संकेत दिया। जिसके आधार पर ट्रंप ने कहा कि वे सही लोगों से बात कर रहे हैं।

ट्रंप को मिला तोहफा तेल और गैस से जुड़ा : ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने हमें एक तोहफा दिया है और वो तोहफा आज पहुंच गया है। यह एक बड़ा तोहफा है, जिसकी बहुत ज्यादा कीमत है, लेकिन मैं आपको ये नहीं बताने वाला हूं कि वह क्या है, लेकिन ये एक खास तोहफा है।' ट्रंप ने बताया कि यह तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। इसके अलावा ट्रंप ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। युद्धविराम के लिए अमेरिका ने ईरान को भेजा 15 सूत्रीय प्रस्ताव इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले पांच दिनों के लिए रोकने का एलान किया। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान की युद्धविराम को लेकर बात हो रही है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सरकार ने ईरान को 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि ईरान की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच अमेरिका द्वारा पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। जिससे चर्चा है कि अगर युद्धविराम पर सहमति नहीं बनती है तो अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी आक्रमण कर सकता है।

अमेरिका की 'फर्स्ट लेडी' मेलानिया ट्रंप के टेक अलायंस में शामिल हुए 45 देश

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की 'फर्स्ट लेडी' मेलानिया ट्रंप ने 45 देशों और बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को एक साथ लाने वाला एक नया वैश्विक गठबंधन किया है। इसका उद्देश्य दुनियाभर के बच्चों के लिए शिक्षा और तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करना है। अमेरिकी विदेश विभाग में आयोजित 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'एक इंसान के तौर पर हम सपने देखते हैं। लीडर के तौर पर हम आगे बढ़ते हैं। एक राष्ट्र के रूप में हम निर्माण करते हैं। आज से, आइए अपने नए ग्लोबल अलायंस को गति दें, ताकि हमारे बच्चों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।' दो दिवसीय इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय नेता और बड़ी टेक कंपनियां एक साथ आई हैं, ताकि डिजिटल माहौल में बच्चों के लिए शैक्षणिक संसाधनों को बढ़ाने और सुरक्षा को मजबूत करने पर मिलकर काम किया जा सके। मेलानिया ट्रंप ने कहा, 'हमारे गठबंधन का मिशन बच्चों को तकनीक और शिक्षा तक ज्यादा पहुंच देकर उन्हें सशक्त बनाना है। यह एक ऐतिहासिक क्षण है।'

अपने भाषण में 'फर्स्ट लेडी' ने एक रोडमैप भी पेश किया, जिसमें नवाचार आधारित शिक्षण कार्यक्रम विकसित करना, शिक्षा के लिए सहायक नीतियों की वकालत करना, तकनीक आधारित कानूनों को प्रोत्साहित करना और सरकारों व निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमारा साझा दृष्टिकोण बच्चों को राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और स्थानीय पूर्वाग्रहों से ऊपर रखता है,' और सभी सदस्य देशों से 'क्षेत्रीय बैठक

आयोजित करने, शोध अध्ययन करने, नई साझेदारियां बढ़ाने और अन्य देशों के साथ सहयोग करने' का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारा कॉमन विजन बच्चों को राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और स्थानीय पूर्वाग्रहों से ऊपर रखता है। उन्होंने सभी सदस्य देशों से क्षेत्रीय बैठक आयोजित करने, शोध अध्ययन करने, नई साझेदारियां बढ़ाने और अन्य देशों के साथ सहयोग करने का भी आग्रह किया। यह सम्मेलन चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिसमें एडटेक टूल्स, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता शामिल हैं। उन्होंने प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों की भागीदारी का भी उल्लेख किया और कहा कि उद्योग की भूमिका इस पहल को आकार देने में अहम है। उन्होंने कहा, 'इससे पहले कभी इतने सारे टेक विजनरी दो दिन में स्टेट डिपार्टमेंट और व्हाइट हाउस के लीडर्स की इतनी बड़ी ग्लोबल ऑडियंस के सामने खड़े नहीं हुए थे।' उन्होंने मेटा, गूगल, ओपन एआई, माइक्रोसॉफ्ट और जूम जैसी कंपनियों का जिक्र किया और बैठक को 'अभूतपूर्व' बताया। उन्होंने कहा, 'यह कमरा असाधारण मानवीय क्षमता से भरा है। नेता इसका उपयोग अपने बच्चों को ऊपर उठाने, लोगों को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्थाओं को तेज करने के लिए करें। मेलानिया ने आगे कहा कि यह प्लेटफॉर्म एक 'कैपेबिलिटी मल्टीप्लायर' के तौर पर काम करेगा, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा और वैश्विक नेतृत्व पर आधारित होगा। मेलानिया ने कहा, 'हमारा मुख्य उद्देश्य इस तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए युवाओं को जरूरी कौशल सिखाना है। 'फर्स्ट लेडी' ने कहा कि यह समिट एक बड़े वैश्विक प्रयास की 'सिर्फ शुरुआत' है। उन्होंने कहा, 'आइए, हम सब मिलकर निवेश करें, पहुंच बढ़ाएं और शिक्षा व तकनीक के नए अवसर तैयार करें।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed at MANGALYAM MUDRANALAY, 107/B, Parwati Industrial Estate, Opp. PNB, Tavdipura, Ahmedabad-380004. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.